

S.No.4.5.7

योगाभ्यास से जनसाधारण के लिए योग के लाभ:

1. शरीर के लचीलेपन में वृद्धि
2. मांसपेशियों की सुदृढ़ता एवं स्फूर्ति को बढ़ाता है
3. सहन शक्ति एवं धीरज में वृद्धि
4. शारीरिक स्वास्थ्य में वृद्धि
5. बेहतर मनोयोग प्रबद्ध, स्मृति एवं एकाग्रता
6. श्वसन, ऊर्जा और जीवन शक्ति में वृद्धि
7. एक संतुलित चयापचय बनाए रखने में।
8. वजन में कमी
9. बेहतर हृदय और रक्त संचरण में वृद्धि
10. बेहतर कसरती प्रदर्शन
11. चोट से बचाव
12. सामान्य स्वास्थ्य में वृद्धि
13. सकारात्मक स्वास्थ्य व्यवहार और सक्रिय जीवन शैली में बढ़ोतरी
14. रोगों में कमी होना।
15. बेहतर मानव प्रदर्शन
16. बेहतर लचक और तनाव के प्रबंधन की योग्यता।

चिकित्सा में योग के लाभ

एकीकृत मन-शरीर औषधि के रूप में योग के कुछ लाभ निम्नलिखित हैं:

1. यह विभिन्न शुद्धि क्रियाओं के माध्यम से शरीर में एकत्रित विषाक्त पदार्थों को साफ करता है और सुक्ष्म व्यायाम (शरीर के सभी अंगों के लिए सरल गति) के माध्यम से शिथिलता और हल्केपन की भावना उत्पन्न करता है। शरीर के विभिन्न मार्गों में प्राण के मुक्त प्रवाह से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है और शरीर को संक्रमण से बचाता है।
2. उचित पौष्टिक आहार के साथ एक योगिक जीवनशैली को अपनाने से सकारात्मक एंटीऑक्सिडेंट में वृद्धि होती है। इस प्रकार से मुक्त कणों को निष्क्रिय करते हुए, जीवन ऊर्जा के साथ पोषक तत्वों के कार्याकल्प भंडार को उपचय, पुनर्योजी और उपचार प्रक्रियाओं पर काम करने में सक्षम बनाता है।
3. श्वास के साथ-साथ शरीर की गतिविधियों को एकीकृत कर मनोशारीरिक तारतम्य विकसित करता है। योग में भौतिक शरीर का संबंध अन्नमय कोष (हमारा शारीरिक अस्तित्व) और मन से मनोमय कोष (हमारा मनोवैज्ञानिक अस्तित्व) से है। जैसा कि प्राणमय कोष (श्वास की ऊर्जा द्वारा स्थिर हमारा शारीरिक अस्तित्व) उनके बीच स्थित है, श्वास मनोदैहिक सद्भाव की धुरी है। श्वास को धीमा करने से मन शांत होता है और एक शिथिलीकरण प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है।
4. शारीरिक स्वास्थ्य: यह बिना किसी प्रकार के तनाव के स्थिर और आरामदायक तरीके से की जाने वाली विभिन्न शारीरिक मुद्राओं के माध्यम से पूरे शरीर को स्थिर करता है। शारीरिक संतुलन और स्वयं के साथ सहजता की भावना मानसिक / भावनात्मक संतुलन को बढ़ाती है और सभी शारीरिक प्रक्रियाओं को स्वस्थ तरीके से काम करने में सक्षम बनाती है। योग मध्यम शारीरिक गतिविधि का एक प्रकार है जो यदि प्रतिदिन किया जाये तो कार्डियोरेस्पिरेटरी स्वास्थ्य को सुधारता है।

5. मानसिक स्वास्थ्य: योग से प्राप्त विश्राम व आराम से मन शांत होता है, तनाव जनित व्यवहार और भावनाएँ कम होती हैं और व्यक्ति को किसी भी प्रकार की स्थितियों से निपटने में मदद मिलती है। श्वास को धीमा करने से मन शांत होता है और साधक को रोगप्रतिरोधक क्षमता की स्थिति में लाता है और तनाव के प्रति उसकी प्रतिक्रियाओं तथा उसके प्रबंधन में मदद करता है। मूड से संबंधित विकारों, द्विध्रुवी विकारों, विक्षिप्तता से संबंधित विकारों और कई स्थितियों में जहाँ दवा और परामर्श की आवश्यकता होती है, योग उपयोगी पाया गया है।
6. योग ग्रंथों के अनुसार संक्रमण और दर्द प्राण या जीवन ऊर्जा में ठहराव के चिन्ह हैं। योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास करके प्राण के प्रवाह को बढ़ाना ऑक्सीडेटिव तनाव और संक्रमण को कम करने के लिए जाना जाता है। मन को शांत करने से मस्तिष्क के उच्च केंद्रीय ऊर्जा बिन्दु सक्रिय होते हैं जो दर्द का शमन करते हैं और दर्द को सहन करने की सीमा को बढ़ाते हैं।
7. योग क्रियाओं/अभ्यासों के माध्यम से एक आंतरिक शांति का वातावरण बनाता है जो बदले में होमोस्टैटिक तंत्र को सामान्य बनाने में सक्षम करता है। योग से विश्राम एवं आराम प्राप्त होता है जो तनाव की प्रतिक्रिया के बाद की स्थिति को सामान्य स्तर पर वापस लाने में मदद करता है। योग जीवन के सभी स्तरों पर संतुलन या समत्वम् की बात करता है। मानसिक संतुलन से शारीरिक संतुलन बनता है और शारीरिक संतुलन से मानसिक।
8. शारीरिक और मानसिक तकनीकों के माध्यम से शरीर-भावना-मन की जटिलताओं को शिथिल करता है जो हमारे शरीर के बाहरी और आंतरिक तनावों के प्रति दर्द की सीमा और सहन करने की क्षमता को बढ़ाती हैं। यह चिकित्सा की कई स्थितियों के कारण उसके लक्षणों से पीड़ित व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है।
9. यह यम-नियम और विभिन्न योगिक मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के माध्यम से जीवन और नैतिक-जीवन के प्रति सही दृष्टिकोण से आत्मविश्वास और आंतरिक चिकित्सीय क्षमताओं को बढ़ाता है। चिकित्सा, स्वास्थ्य प्राप्ति, कायाकल्प और पुनः स्फूर्ति के लिए भरोसा, आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति सबसे अधिक महत्वपूर्ण एवं आवश्यक हैं।

10. रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और जीर्ण संक्रमण की रोकथाम में योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो कई बीमारियों के मूलभूत कारण हैं। योग के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी और एंटी-इन्फ्लेमेटरी प्रभाव हाइपोथैलमोपिट्यूटरी एड्रिनल एक्सिस, परानुकंपी एड्रेनोमेडुलरी एक्सिस पर इसके प्रभाव और ऑक्सीडेटिव तनाव में कमी से प्रभावित होते हैं।
11. योग मानव शरीर की सभी प्रणालियों को सामान्य अवस्था में लाने की दिशा में काम करता है जिसमें साइको-न्यूरो-इम्यूनो-एंडोक्राइन एक्सिस पर विशेष जोर दिया जाता है। अपनी रोग निवारक और पुनर्स्थापनात्मक क्षमताओं के अलावा, योग का उद्देश्य सकारात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है जो अपने जीवनकाल में होने वाली स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में हमारी सहायता करेगा। सकारात्मक स्वास्थ्य की यह अवधारणा आधुनिक स्वास्थ्य सेवा के लिए योग के अद्वितीय योगदानों में से एक है क्योंकि रोग निवारण के साथ-साथ जनता के स्वास्थ्य संरक्षण व प्रोत्साहन में योग की एक महत्त्वपूर्ण भूमिका है। यह किफायती भी है और रोगियों को लाभान्वित करने के लिए एकीकृत तरीके से अन्य औषधि प्रणालियों के साथ मिलकर उपयोग में लाया जा सकता है।
-

घर पर योग करने के लिए सुझाव

1. खिड़की के निकट का कोई स्थान या ऐसा स्थान चुनिए जहाँ पर पर्याप्त हवा एवं सूर्य का प्रकाश हो । नियमित रूप से योग करने के लिए एक सुविधाजनक स्थान चुन लीजिए ।
2. वह स्थान, फर्नीचर तथा अन्य अवरोधों से, जो हमारी गतिविधियों को सीमित करते हों, मुक्त होना चाहिए। आप कहीं भी योग का अभ्यास कर सकते हैं जहाँ कहीं आपके पास पर्याप्त जगह है तथा मेज, कुर्सी आदि से टकराने का खतरा नहीं है ।
3. योग अभ्यास करते समय खाली दीवारों, तकिये तथा कंबलों को सहायक उपकरण की तरह प्रयोग में ला सकते हैं।
4. योग अभ्यास करते समय न फिसलने वाली मैट का इस्तेमाल करें ताकि गिरने या चोट लगने से बच सकें।
5. योग अभ्यास की शुरुआत वॉर्मअप से तथा समापन शवासन से करें।
6. योग अभ्यास करने के लिए तथा योग मैट बिछाने के लिए 7x 4 फीट का स्थान पर्याप्त होना चाहिए। यदि परिवार के सदस्य साथ में योगाभ्यास करते हैं तो बड़े स्थान का चयन करना चाहिए।
7. यदि परिवार के सदस्य एक साथ योगाभ्यास करते हैं तो एक सदस्य शिक्षक या प्रदर्शक की भूमिका निभाते हुए अभ्यास कर सकते हैं।
8. हम दूरदर्शन या अन्य किसी चैनल पर सवेरे दिखाए जाने वाले योग के अभ्यासों का अवलोकन करके उन अभ्यासों को दोहरा सकते हैं।
9. बाकी लोग अभ्यास के लिए योग चैनल तथा ऑनलाइन कक्षाओं के सदस्य बन सकते हैं।
10. योग अभ्यास करते समय हमें सामान्य दिशा-निर्देशों तथा करने योग्य एवं न करने योग्य बातों का ध्यान रखना चाहिए।
11. यदि आपको कोई स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या है तो विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए।
12. छत पर या खुले स्थानों पर भी योग का अभ्यास किया जा सकता है यदि वह स्थान धूल, शोर गुल, प्रदूषण से मुक्त है तथा साफ-सुथरा है।

योगाभ्यास में क्या करें क्या न करें:

करें:

1. शौच का अर्थ है स्वच्छता - यह योग के अभ्यास के लिए एक महत्वपूर्ण शर्त है। इसमें परिवेश, शरीर और मन की स्वच्छता शामिल है।
2. आसनों का अभ्यास खाली पेट किया जाना चाहिए। यदि आप कमजोरी महसूस कर रहे हैं तो गुनगुने पानी में थोड़ा सा शहद मिलाकर उसका सेवन कर सकते हैं।
3. योग का अभ्यास शुरू करने से पहले मूत्राशय और पेट खाली होना चाहिए।
4. योगाभ्यास प्रार्थना या एक आह्वान के साथ शुरू होना चाहिए क्योंकि यह मन को शांत करने के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाता है।
5. शरीर और श्वास के प्रति जागरूक रहते हुए योगाभ्यास को बड़े आराम से, धीरे-धीरे किया जाना चाहिए।
6. किसी भी प्रकार की शारीरिक क्षति से बचने के लिए योगाभ्यास करने से पहले सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास करना चाहिए।
7. आसनों का अभ्यास धीरे-धीरे किया जाना चाहिए और कठिन आसनों का अभ्यास सावधानी पूर्वक करना चाहिए।
8. सात्विक भोजन करें। मांस, अंडे, प्याज, लहसुन और मशरूम इत्यादि का सेवन न करें।
9. योग का अभ्यास करने से पहले शरीर में जल का उचित स्तर बनाए रखें।
10. सुविधापूर्ण, सुलभ और आरामदायक कपड़े पहनें। हल्के और आरामदायक सूती कपड़े अभ्यास के दौरान पहनने से शरीर की गतिशीलता बनी रहती है।
11. योग का अभ्यास सुखद व हवादार वातावरण वाले कक्ष में करना चाहिए।

12. ऐसी दरी का प्रयोग करें जो योगाभ्यास के दौरान शरीर को स्थिरता प्रदान करे।
13. योगासन करते समय श्वाँसों के प्रति सजग रहें।
14. शांति और शीतलता प्राप्त करते हुए शिथिलीकरण अभ्यासों के साथ योगाभ्यास के सत्र को समाप्त करना चाहिए।
15. तब तक श्वाँस को रोककर न रखें जब तक कि योगाभ्यास के दौरान विशेष रूप से ऐसा करने के लिए कहा न जाए।
16. श्वाँस हमेशा नासिका से लेनी चाहिए जब तक कि कोई अन्य निर्देश न दिया गया हो।
17. शरीर को सख्त न करें और व्यर्थ व अनावश्यक खिंचाव न दें।
18. अपने शरीर की क्षमता के अनुसार ही अभ्यास करना चाहिए। अच्छे परिणाम प्राप्त करने में कुछ समय लगता है, इसलिए लगातार और नियमित अभ्यास करते रहना बहुत आवश्यक है।
19. प्रत्येक योगाभ्यास के लिए सावधानियाँ/सीमाएँ होती हैं जिन्हें हमेशा ध्यान में रखना चाहिए।
20. योगाभ्यास के सत्र का समापन ध्यान/गहरे मौन/संकल्प/शांति पाठ आदि के साथ होना चाहिए।
21. आध्यात्मिक साधक के लिए यम और नियम योग के नैतिक दिशा-निर्देश और अनुशासन हैं, जो पतंजलि के अष्टांग योग के पहले दो चरणों में वर्णित हैं। ये सब एक साथ मिलकर एक नैतिक आचार संहिता बनाते हैं।

नियम वे हैं जिनका अनुपालन करना चाहिए। इसमें शामिल है शौच: अर्थात् पवित्रता, मन की वाणी और शरीर स्पष्टता, संतोष: सन्तुष्टि जैसी भी परिस्थिति हो दूसरों की स्वीकार्यता स्वयं के लिए आशावाद हैं; तपस्:

अस्थिरता, आत्म-अनुशासन (8) लगातार ध्यान, दृढ़ता; स्वाध्याय: स्वयं का अध्ययन, आत्म-प्रतिबिंब, स्वयं के विचारों, वाणी और कार्य का आत्मनिरीक्षण; ईश्वर प्रणिधान (परमात्मा/सर्वोच्च चेतना।)

नहीं करें:

1. योग का अभ्यास जल्दबाजी या तीव्र तनाव की स्थिति, थकावट, बीमारी की स्थिति में नहीं किया जाना चाहिए।
2. महिलाओं को विशेषकर अपने मासिक धर्म के दौरान नियमित रूप से योग अभ्यास करने से बचना चाहिए। इसके बजाय शिथिलीकरण के अभ्यास और प्राणायाम किया जा सकता है।
3. भोजन के तुरंत बाद योग न करें। कम से कम 2 से 3 घंटे तक की प्रतीक्षा करें।
4. योग करने के बाद 30 मिनट तक न तो पानी पिएं और न ही खाना खाएं और न ही स्नान करें।
5. बीमारी, सर्जरी या किसी मोच या फ्रैक्चर के दौरान योगाभ्यास से बचना चाहिए। विशेषज्ञों से परामर्श लेने के बाद योग को फिर से शुरू किया जा सकता है।
6. योग के बाद कठिन व्यायाम न करें।
7. प्रतिकूल मौसम में योग का अभ्यास न करें (बहुत गर्म, बहुत ठंडा या नमी युक्त चिपचिपा)
8. योग ग्रंथों के अनुसार किसी आध्यात्मिक साधक के लिए यम का पालन करने की आवश्यकता है। ये मूल सिद्धांत हैं जिनका पालन आध्यात्मिक विकास में अग्रसर होने के लिए किया जाता है।
9. इनमें अहिंसा (हिंसा न करें) सत्य ; अस्तेय (चोरी नहीं करें) ब्रह्मचर्य (वैवाहिक निष्ठा, यौन संयम) अपरिग्रह (आवश्यकता से अधिक संचय न करें) अन्य गुण जैसे प्रण, धैर्य,

क्षमा; धृतिः भाग्य, लक्ष्य तक पहुँचने के लिए दृढ़ता, दया: अनुकंपा आर्जवः ईमानदारी, मिताहारः सात्विक आहार को भी अपनाना चाहिए और जितनी भूख उतना ही भोजन करें। यदि आपको कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या है या आप गर्भवती हैं तो योग का अभ्यास शुरू करने से पहले स्वास्थ्य विशेषज्ञों से परामर्श करें।

Point No. 4.5.6 & 4.5.7

वर्ष 2021-22 के लिए केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक
चिकित्सा अनुसंधान परिषद् का अधिप्रमाणित
वार्षिक प्रतिवेदन

Authentic Annual Report of CCRYN for the Year 2021-22

अधिप्रमाणित

डॉ. मुंजपारा महेन्द्र भाई कालूभाई
माननीय राज्य मंत्री
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

Authenticated

Dr. Munjpara Mahendrabhai Kalubhai
Hon'ble Minister of State
Ministry of AYUSH, Govt. of India



केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

61-65, संस्थागत क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली- 110058

Central Council for Research in Yoga & Naturopathy

Ministry of AYUSH, (Govt. of India)

61-65, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi-110058





वार्षिक प्रतिवेदन एवं अंकेक्षित खाते 2021-22



केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्
(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
61-65, संस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
दूरभाष: 011- 28520430, 31, 32 फैक्स: 28520435



केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् वार्षिक प्रतिवेदन 2021-22

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	प्रस्तावना	6
2.	प्रशासनिक प्रतिवेदन	8
3.	पृष्ठभूमि	8
4.	प्रशासनिक संरचना	10
5.	शासी निकाय	11
6.	स्थायी वित्त समिति	14
7.	वैज्ञानिक सलाहकार समिति	16
8.	संस्थागत एथिक्स समिति	18
9.	कर्मचारी प्रारूप	20
10.	बजट प्रावधान (2021-22)	20
11.	तकनीकी प्रतिवेदन	21
12.	केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों की स्थापना (के.यो.प्रा.अ.सं.)	21
13.	केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान रोहिणी, दिल्ली की स्थापना।	22
14.	अन्य प्रस्तावित के.यो.प्रा.अ.सं. की स्थापना की स्थिति	23
15.	सहयोगात्मक अनुसंधान केन्द्र (सी आर सी)	24
16.	बहिर्वर्ती अनुसंधान योजना (ई एम आर)	25
17.	अन्तर्स्थापनिक अनुसंधान योजना (आई एम आर)	25
18.	प्रकाशन	28
19.	टास्क फोर्स	28
20.	योग मनोशारीरिक उपचार सहयोगी केन्द्रों की स्थापना	28
21.	अनुसंधान प्रकाशन	29
22.	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	29
23.	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के बाह्य रोगी विभाग	30



क्र. सं.	विषय	पृष्ठ सं.
24.	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र	33
25.	प्रचारात्मक गतिविधियाँ	35
26.	आरोग्य/प्रदर्शनी/मेलों में सहभागिता	35
27.	कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन	36
28.	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम	38
29.	योग स्वास्थ्य शिक्षण कार्यक्रम	38
30.	प्राकृतिक चिकित्सा सहायक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (टी ए टी सी)	38
31.	परिषद् के प्रकाशन	38
32.	निःशुल्क प्रकाशन	38
33.	विक्रय हेतु प्रकाशन	39
34.	अन्य गतिविधियाँ	40
35.	चतुर्थ प्राकृतिक चिकित्सा दिवस	40
36.	राजभाषा कार्यान्वयन समिति	40
37.	राजभाषा पखवाड़ा आयोजन	40
38.	हिंदी कार्यशाला एवं प्रचार गतिविधियाँ	40
39.	‘राजभाषा (हिंदी) का सम्पूर्ण परिचय’ विषय पर कार्यशाला	41
40.	‘राजभाषा (हिंदी) नीति एवं पारिभाषिक शब्दावली’ विषय पर कार्यशाला	41
41.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	41
42.	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	41
43.	सूचना अधिकार अधिनियम	41
44.	संविधान दिवस	42
45.	सद्भावना दिवस	48-123
46.	परिषद् की भविष्य की योजना	144-145
47.	मनोशारीरिक चिकित्सा के सहयोगात्मक अनुसंधान केन्द्रों की स्थापना	132-134
48.	अंकक्षित लेखा	132-134
49.	सीए की रिपोर्ट	132-134
50.	लेखा परीक्षा रिपोर्ट	132-134



प्रस्तावना

योग और प्राकृतिक चिकित्सा सदियों से न केवल भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का अभिन्न अंग रही है अपितु भारतीय जीवन शैली का भी अभिन्न अंग रही है। शास्त्रों एवं पुरातात्विक साक्ष्यों में इस बात का प्रमाण मिलता है कि इन चिकित्सा पद्धतियों का जन्म और विकास भारतीय उपमहाद्वीप की प्राचीन सभ्यताओं में हुआ था। सिंधु घाटी सभ्यता की मोहरों में योग उत्कीर्ण है। प्राकृतिक चिकित्सा की विभिन्न विधियों जैसे हाइड्रोथेरेपी, हिलियोथेरेपी, मैनिपुलेटिव थेरेपी, फार्सिंग थेरेपी और एक्यूपंकचर आदि का उल्लेख ऋग्वेद और शुचि वेद में मिलता है। योग और प्राकृतिक चिकित्सा दोनों का विकास सभ्यताओं के साथ-साथ हुआ है और परिणामस्वरूप इसमें परिवर्तन हुए, जिन्हें सीमाओं के परे अंगीकृत किया गया है। योग और प्राकृतिक चिकित्सा को न केवल भारत बल्कि विश्वभर में चिकित्सा पद्धति और के सुखमय एवं तृप्त जीवन शैली रूप में स्वीकार किया है।

21 जून का दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया जाना और इसके मनाने में सम्मिलित होने वाले देशों की संख्या स्पष्ट रूप से योग की वैश्विक स्वीकृति एवं महत्त्वता को प्रमाणित करता है।

पिछले कुछ दशकों के दौरान, योग विद्या का उपयोग स्वास्थ्य लाभ, रोगों की रोकथाम व चिकित्सा तथा पुनर्वास उद्देश्यों के लिए सक्रिय रूप से किया जा रहा है। आधुनिक चिकित्सा और पारंपरिक दोनों पद्धतियों के चिकित्सकों ने रोगियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु यौगिक जीवनशैली को एक सहायक चिकित्सा पद्धति के रूप में प्रयोग किया है। योग के क्षेत्र में पिछले 5 दशकों में किए गए शोध कार्यों ने आधुनिक वैज्ञानिक समुदाय और शोधकर्ताओं की दृष्टि में अपनी स्वास्थ्य क्षमता को स्थापित करने में योगदान दिया है।

योग की भाँति प्राकृतिक चिकित्सा भी भारत में बड़े पैमाने पर प्रचलित प्राचीन और समय की कसौटी पर परखी स्वास्थ्य देखभाल विज्ञान है। प्राकृतिक चिकित्सा के उपचार के तौर-तरीकों में हुई प्रगति पर पश्चिमी देशों का प्रभाव भी व्यापक रूप से पड़ा है। जहाँ योग आंतरिक चेतना को शुद्ध करने में मदद करता है तो वहीं प्राकृतिक चिकित्सा पंचमहाभूतों को संतुलित करके शरीर को शुद्ध करने में मदद करती है। नेचुरोपैथी या प्राकृतिक चिकित्सा का उद्देश्य इन पाँच तत्वों में जल चिकित्सा (हाइड्रोथेरेपी), वायु चिकित्सा (व्यायाम और योग के माध्यम से प्राणों को संतुलित करना), आकाश चिकित्सा (उपवास चिकित्सा मन को सात्विक बनाये रखना और विषाक्त पदार्थों का निस्तारण) के माध्यम से सामंजस्य बनाना है। चयापचय को सामान्य करने के लिए अग्नि चिकित्सा (सूर्य चिकित्सा, प्रकाश चिकित्सा, सूर्य नमस्कार, आहार) और विषाक्त पदार्थों के निष्कासन हेतु पृथ्वी चिकित्सा (मिट्टी चिकित्सा)। इस प्रकार आध्यात्मिक साधना के लिए शरीर को स्वस्थ रखने में प्राकृतिक चिकित्सा मदद करता है। देश में प्रतिवर्ष 18 नवम्बर का दिन प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में कुशल एवं योग्य जनशक्ति की माँग को पूरा करने के लिए परिषद् ने अस्पताल युक्त केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों की स्थापना का कार्य प्रारंभ कर दिया है। 200 शैय्या वाले अस्पताल के दो केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों की स्थापना, एक झज्जर (हरियाणा), दूसरा नागमंगला (कर्नाटक) का कार्य पूर्ण कर लिया है। दोनों केन्द्रीय अनुसंधान संस्थानों में बाह्य रोगी विभाग तथा योग उपचार के संचालन का कार्य भी कर दिया है। परिषद् रोहिणी, दिल्ली में दिल्ली नगर निगम द्वारा लीज पर दिए गए भवन में 20 शैय्या युक्त योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल का संचालन कर रही है।

परिषद् ने पिछले आठ वर्षों में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले वर्षों से अलग, इस वर्ष, आयुष मंत्रालय ने कोविड -19 महामारी को ध्यान में रखते हुए लोगों को अपने घर पर रहकर योग का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करके, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस-2021 का आयोजन करने का निर्णय लिया। सामाजिक दूरी के उपायों को ध्यान में रखते हुए, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 को ऑनलाइन कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के साथ आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सोशल और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अ.यो.दि.- 2021 की विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए सोशल और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे यूट्यूब, फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम आदि का उपयोग करने पर विचार किया गया। इस संबंध में ऑनलाइन जिगल प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए कई दौर की बैठकें आयोजित की गयी है। अ. यो. दि. 2021 के समारोह के एक भाग के रूप में अ. यो. दि. के प्रभाव को मापने के लिए एक ऑनलाइन सर्वेक्षण भी किया गया। परिषद् ने जनसाधारण के बीच अ. यो. दि. के प्रभाव को मापने के लिए बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण भी किया।



परिषद् ने कोविड-19 की रोकथाम में योग के प्रभावों का मूल्यांकन करने वाले सर्वेक्षणों और बहुउद्देशीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों (आरसीटी) की शुरुआत की। योग द्वारा इस प्रकार के रोगियों की श्वसन क्रिया में सुधार करने, वायुमार्ग की प्रतिक्रियाशीलता और मनोवैज्ञानिक तनाव और चिंता कम करने की कोशिश की गई है। परिषद् ने एम्स ऋषिकेश, पीजीआई चंडीगढ़ और एम्स रायपुर में मनोशारीरिक केन्द्र भी स्थापित किए हैं। परिषद् ने योग की प्रभावकारिता और अन्य मनोशारीरिक अभ्यासों की वैज्ञानिक मान्यता के लिए गुणवत्तापूर्ण आँकड़े बनाने हेतु मनोशारीरिक चिकित्सा के लिए सहयोगी अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की शुरुआत की है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कई अनुसंधानों शोधों को आरम्भ किया जा चुका है। परिषद् इस कार्यक्रम को विस्तारित कर अन्य संस्थाओं को भी इसमें सम्मिलित करने की प्रक्रिया में है।

परिषद् अपनी सीमित श्रमशक्ति और संसाधनों तथा आयुष मंत्रालय के सक्रिय समर्थन और मार्गदर्शन के साथ पूरे देश में योग और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए सभी संभव कदम उठा रही है। फिर भी यह आशा की जाती है कि आने वाले वर्षों में परिषद् की गतिविधियों को दूर-दूर तक फैलाने के लिए सरकारी / गैर सरकारी संगठनों और वैज्ञानिक संगठनों के सहयोग से अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाया जाएगा।

राघवेन्द्र

(डॉ. राघवेन्द्र राव एम.)

निदेशक



प्रशासनिक प्रतिवेदन

1. पृष्ठभूमि

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसंधान एवं विकास हेतु एक स्वायत्त संस्था है जिसकी स्थापना सन् 1978 में सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत हुई थी। परिषद् आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित है। परिषद् के संगम ज्ञापन के अनुसार परिषद् के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं: –

1. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में वैज्ञानिक पद्धति से अनुसंधान प्रविधि एवं उद्देश्यों का प्रतिपादन करना।
2. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं अन्य कार्यक्रमों का निष्पादन करना।
3. अनुसंधान का निष्पादन और सहायता, रोगों के कारण, उनके फैलने के कारण तथा उनके बचाव के संबंध में जानकारीयों तथा प्रायोगिक विधियों का प्रचार करना।
4. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के मौलिक एवं प्रायोगिक पहलुओं के वैज्ञानिक अध्ययनों का प्रारम्भ, अभिवर्धन तथा विकास में समन्वय करना एवं रोगों के अध्ययन, उनके बचाव, कारण तथा निवारण के लिए अनुसंधान में निरत संस्थाओं को बढ़ावा देना और सहायता करना।
5. परिषद् के उद्देश्यों की अभिवृद्धि के लिए पत्रिकाओं, पोस्टरों, प्रदर्शन सामग्री तथा इस प्रकार के अन्य साहित्य का निर्माण, मुद्रण, प्रकाशन एवं संवर्धन करना।
6. परिषद् के उद्देश्यों के जैसी समान विचारधारा एवं हित रखने वाली अन्य संस्थाओं, संघों और सोसायटियों के साथ जानकारी साझा करना, विशेषकर भारत के पूर्वी क्षेत्र के रोगों और भारत के अन्य रोगों पर विचार एवं अध्ययन करना।
7. परिषद् के उद्देश्यों के संवर्धन के लिए पुस्तकें, आवधिक पाम्पलेट्स, पोस्टर, पेपर तैयार करने, मुद्रण एवं प्रकाशित करने और इस तरह के संबंधित साहित्य में अपना योगदान देना।
8. परिषद् के उद्देश्यों के अभिवर्धन में निधि एवं धन के लिए तरीकें बनाना और अपील करना उपरोक्त प्रयोजन हेतु दान एवं नकद अंशदान और प्रतिभूति तथा चल या अचल संपत्ति को स्वीकार करना।
9. बिना प्रतिभूति या बंधक प्रतिभूति पर, प्रभार पर, मालबंध पर या सभी को गिरवी या किसी भी प्रकार से परिषद् से संबंधित कोई भी चल या अचल संपत्ति को उद्धृत करने या धन जुटाने के लिए कार्य करना।
10. परिषद् की या परिषद् को सौंपी गयी निधियों और धनराशि को जिसकी तुरंत किसी कार्य के लिए व्यय करने की आवश्यकता न हो जिसे समय-समय पर शासी निकाय द्वारा निर्धारित किया जा सकता है, को प्रयोग करने एवं निवेश करने के लिए कार्य करना।
11. परिषद् की निधियों को भारत सरकार के पास रखने की अनुमति।
12. परिषद् के उद्देश्यों के संवर्धन के लिए आवश्यक या सुविधाजनक स्थायी या अस्थायी रूप से किसी भी चल या अचल संपत्ति को बनाये रखना या प्राप्त करना।
13. परिषद् की अचल संपत्ति को स्थानांतरित करने के लिए केन्द्र सरकार की पूर्व प्राप्त स्वीकृति से बेचकर, पट्टे पर, गिरवी पर और अदला-बदली कर तथा अन्य प्रकार से भी स्थायी या अस्थायी संपत्ति को स्थानांतरित करना।

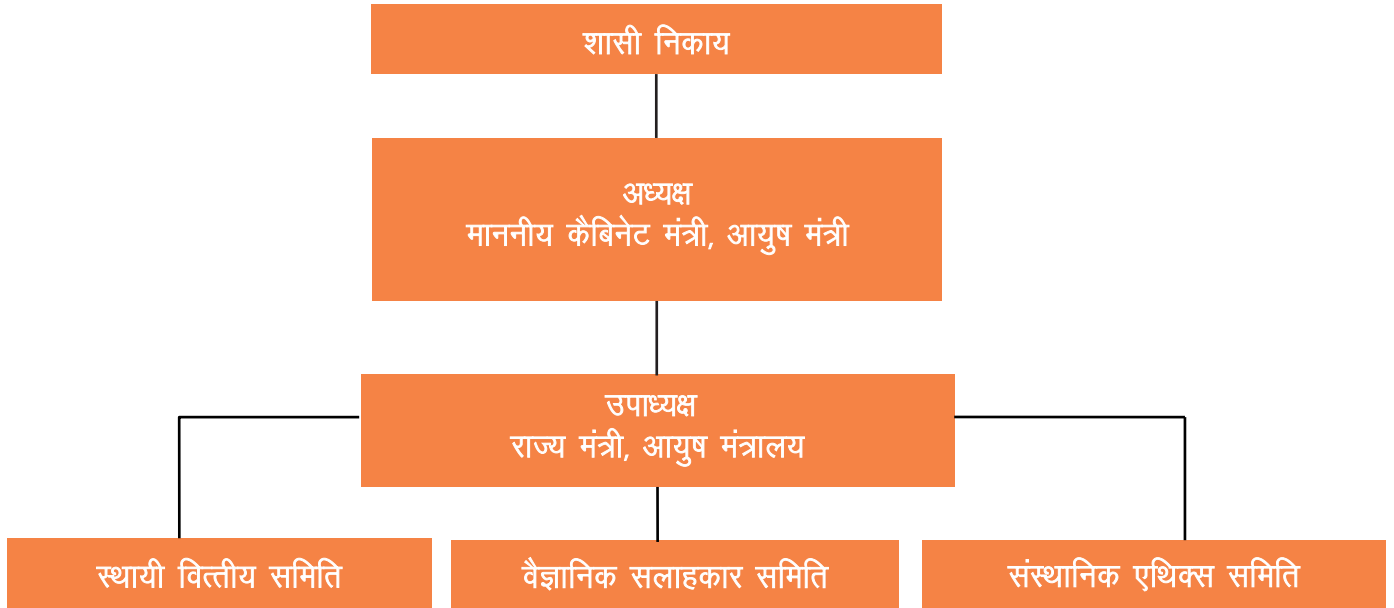


14. परिषद् के उद्देश्यों या सुविधा के लिए किसी भी इमारत में परिवर्तन या आवश्यक कार्य करना या खरीदना, निर्माण कार्य, रखरखाव करना।
15. हाँ वांछनीय प्रतीत होता हो वहाँ किसी भी अक्षय निधि या न्यास निधि या दान (चंदा, उपहार) के प्रबंधन को शुरू करना और स्वीकृत करना।
16. केन्द्रीय परिषद् के उद्देश्यों के अभिवर्धन में यात्रा छात्रवृत्ति सहित पुरस्कार और छात्रवृत्ति प्रदान करना।
17. सोसायटी के नियमों और विनियमों के अनुसार सोसायटी में प्रशासनिक, तकनीकी और मंत्री स्तरीय पदों और अन्य पदों का सृजन करना एवं नियुक्तियाँ करना।
18. केन्द्रीय परिषद् के कर्मचारियों और/ या उनके परिवार के सदस्यों के लाभ के लिए एक भविष्य निधि और/ या पेंशन निधि स्थापित करना।
19. परिषद् वे अन्य सभी कार्य जो विधि सम्मत हों, चाहे स्वयं या किसी के साथ साझेदारी करके जैसा कि परिषद् उपरोक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक समझे, के लिए आकस्मिक या अनुकूल होने पर उनको क्रियान्वयन और निष्पादन पर विचार कर सकती है।
20. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में पाठ्यक्रम संचालित करने वाले शिक्षण संस्थानों को मान्यता प्रदान करना।

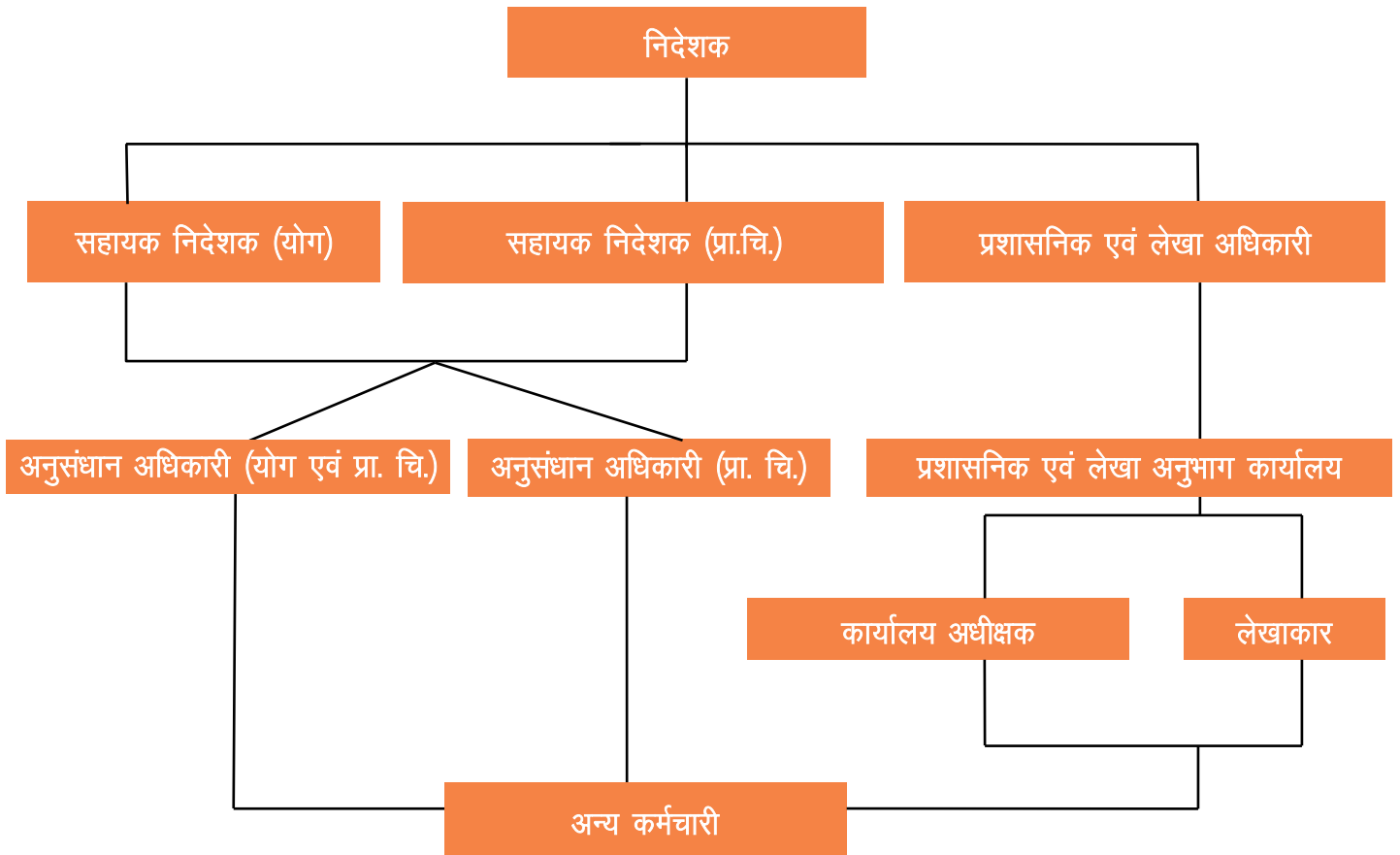


प्रशासनिक संरचना

प्रबंधन



संगठनात्मक संरचना





शासी निकाय

परिषद् के शासी निकाय के अध्यक्ष द्वारा परिषद् की शासी निकाय का पुनर्गठन दिनांक 26.6.2018 को तीन वर्ष की अवधि के लिए किया गया।

परिषद् के शासी निकाय की संरचना निम्न है:-

- | | | |
|--------------|---|---------------------------------------|
| 1. अध्यक्ष | — | माननीय केन्द्रीय मंत्री आयुष मंत्रालय |
| 2. उपाध्यक्ष | — | राज्य मंत्री, आयुष मंत्रालय |

शासकीय सदस्य

- | | | |
|---|---|--|
| 1. सचिव | — | आयुष मंत्रालय |
| 2. विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार /
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार | — | स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय |
| 3. संयुक्त सचिव / विशेष सचिव
(प्राकृतिक चिकित्सा स्कंध) | — | आयुष मंत्रालय |
| 4. संयुक्त सचिव (विद्यालय शिक्षा) | — | माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय |
| 5. निदेशक | — | मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान |
| 6. निदेशक, सदस्य सचिव | — | केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् |

अशासकीय सदस्य

- | | | |
|--|---|------------------------------------|
| 1. योग के क्षेत्र से 4 प्रख्यात विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 2. प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र से 4 प्रख्यात विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 3. आधुनिक चिकित्सा के क्षेत्र से 2 प्रख्यात विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 4. लोकसभा / राज्यसभा सदस्य अथवा एक प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता जो योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में रुचि रखता हो। | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |

शासकीय निकाय का पता एवं नाम इस प्रकार हैं:-

- | | | |
|---|---|-----------|
| 1. श्री सर्बानन्द सोनोवाल
माननीय केन्द्रीय मंत्री, आयुष मंत्रालय | — | अध्यक्ष |
| 2. डॉ. मुंजपारा महेन्द्र भाई कालूभाई,
माननीय राज्य मंत्री, आयुष मंत्रालय | — | उपाध्यक्ष |



शासकीय सदस्य

3.	वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय	—	शासकीय सदस्य
4.	सुश्री कविता गर्ग, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय	—	शासकीय सदस्य
5.	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार	—	शासकीय सदस्य
6.	संयुक्त सचिव, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन, संयुक्त सचिव (विद्यालय शिक्षा) विकास मंत्रालय	—	शासकीय सदस्य
7.	डॉ. आई वी. बसवारड्डी, निदेशक, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान	—	शासकीय सदस्य
8.	डॉ. राघवेन्द्र राव एम. निदेशक, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्	—	सदस्य सचिव

अशासकीय सदस्य

योग विशेषज्ञ

1.	डॉ. एच आर नागेन्द्र, कुलसचिव, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, 19, एकनाथ भवन, गविपूरम सर्कल, कैम्पे गोवडा नगर, बैंगलूरु— 560019	—	अशासकीय सदस्य
2.	सुश्री एकता बौडरलिक, हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट	—	अशासकीय सदस्य
3.	श्री एस श्रीधरण, कृष्णामाचार्य योग मन्दिरम, तमिलनाडु	—	अशासकीय सदस्य
4.	सुश्री कमलेश बरवाल, अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री श्री योग	—	अशासकीय सदस्य

प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ

5.	डॉ. प्रशांत शेटी, प्रधानाचार्य, एस. डी. एम. प्राकृतिक चिकित्सा एवं यौगिक विज्ञान विश्वविद्यालय, उजिरे— 574240 (डी. के.) कर्नाटक	—	अशासकीय सदस्य
----	---	---	---------------



- | | | | |
|----|---|---|---------------|
| 6. | डॉ. अनन्त बिरादर,
राष्ट्रीय अध्यक्ष,
अन्तर्राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संगठन,
पश्चिम विहार, नई दिल्ली | — | अशासकीय सदस्य |
| 7. | डॉ. गीता शर्मा,
संत ह्रिदाराम मेडिकल कॉलेज,
नैचुरोपैथी एण्ड यौगिक साईंस, भोपाल | — | अशासकीय सदस्य |
| 8. | डॉ. सत्यलक्ष्मी,
निदेशक,
राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान | — | अशासकीय सदस्य |

आधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञ

- | | | | |
|----|--|---|---------------|
| 8. | डॉ. बी. एन. गंगाधर,
अध्यक्ष,
मेडिकल निर्धारण एण्ड रेटिंग बोर्ड
राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग, नई दिल्ली | — | अशासकीय सदस्य |
| 9. | डॉ. भानु दुग्गल,
प्रो. एण्ड विभागाध्यक्ष,
हृदय रोग, एम्स | — | अशासकीय सदस्य |

लोकसभा/राज्य सभा से सदस्य

- | | | | |
|-----|--|---|---------------|
| 10. | श्री कामाख्या प्रसाद तसा,
माननीय सांसद (राज्यसभा) | — | अशासकीय सदस्य |
|-----|--|---|---------------|

वर्ष के दौरान शासी निकाय की कोई बैठक आयोजित नहीं हुई।



स्थायी वित्त समिति

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसंधान, शिक्षण तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निर्धारण, परीक्षण तथा पर्यवेक्षण करने एवं परिषद् के वित्तीय विषयों की जाँच कर परिषद् के शासी निकाय की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करने के लिए परिषद् की स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) का पुनर्गठन दिनांक 12.06.2018 को माननीय आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्वारा शासी निकाय के अध्यक्ष के रूप में उनके अनुमोदन से किया गया।

स्थायी वित्त समिति की संरचना निम्नलिखित है:-

शासकीय सदस्य

- | | | |
|---|---|------------|
| 1. संयुक्त सचिव,
आयुष मंत्रालय | — | अध्यक्ष |
| 2. विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, के प्रतिनिधि
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय | — | सदस्य |
| 3. निदेशक, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् | — | सदस्य सचिव |

अशासकीय सदस्य

- | | | |
|--|---|------------------------------------|
| 1. योग के क्षेत्र से दो प्रख्यात विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 2. प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र से दो प्रख्यात विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 3. आधुनिक चिकित्सा के क्षेत्र से एक प्रख्यात विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |

स्थायी वित्त समिति के सदस्यों के नाम एवं पता इस प्रकार है:-

शासकीय सदस्य

- | | | |
|---|---|------------|
| 1. सुश्री कविता गर्ग,
संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय | — | अध्यक्ष |
| 2. श्री राजकुमार,
उप सचिव,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय | — | सदस्य |
| 3. डॉ. राघवेन्द्र राव एम.
निदेशक,
केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्,
जनकपुरी, नई दिल्ली- 110058 | — | सदस्य सचिव |

अशासकीय सदस्य

योग विशेषज्ञ

- | | | |
|---|---|---------------|
| 1. डॉ. आर. नागरत्ना,
एस व्यासा विश्वविद्यालय,
मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आरोग्यधाम,
प्रशांति कुटिरम, विवेकानंद रोड, कल्लूबल्लू डाक,
जिगनी, अनेकल, बैंगलुरु- 560105 | — | अशासकीय सदस्य |
|---|---|---------------|



2. डॉ. सुब्रामण्यम पी.,
योग अध्ययन विभाग,
केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय
- अशासकीय सदस्य

प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ

3. डॉ. एन. के. मन्जुनाथ,
एस व्यासा विश्वविद्यालय,
बैंगलुरु, कर्नाटक
- अशासकीय सदस्य
4. डॉ. एकलव्य बोहरा,
योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय
स्वास्थ्य कल्याण संस्थान,
जयपुर, राजस्थान

आधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञ

5. डॉ. शिवराम वरम्बल्ली,
निम्हांस, बैंगलुरु
- अशासकीय सदस्य

आयुष मंत्रालय के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में स्थायी वित्त समिति की 40 वीं तथा 41 वीं बैठक दिनांक क्रमशः 30 जून, 2021 तथा 07 मार्च, 2022 को संपन्न हुई।



वैज्ञानिक सलाहकार समिति

परिषद् के शासी निकाय के अध्यक्ष के रूप में माननीय आयुष मंत्री के अनुमोदन से परिषद् की वैज्ञानिक सलाहकार समिति का पुनर्गठन दिनांक 08.08.2022 को तीन वर्ष के लिए किया गया। वैज्ञानिक सलाहकार समिति के कार्य क्षेत्र इस प्रकार हैं:-

- i अन्तर्संस्थानिक व सहयोगी अनुसंधान दोनों क्षेत्रों में प्राथमिकता निर्धारण, नीति निर्धारण तथा मार्गदर्शन प्रदान करना।
- ii परिषद् के अन्तर्गत संचालित अन्तर्संस्थानिक तथा सहयोगी अनुसंधान कार्यों की समीक्षा करना। संस्थाओं की परियोजनाओं के प्रत्यक्ष सत्यापन हेतु समिति उनका निरीक्षण भी कर सकती है।
- iii अन्य प्रख्यात संस्थाओं के सहयोग से किये जाने वाले चुने हुए अनुसंधान कार्य करने हेतु सुझाव तथा निर्देशन प्रदान करना।
- iv अनुपयोगी अनुसंधान कार्यों को बन्द करने की संस्तुति करना।
- v परिषद् के तकनीकी कर्मचारियों की अनुसंधान दक्षता को विकसित करने और अनुसंधान नयाचार व मापदण्ड विकसित करने के लिए उचित प्रशिक्षण कार्यक्रम व कार्यशालाओं आदि के लिए संस्तुति प्रदान करना।
- vi परिषद् द्वारा किये गए अनुसंधानों से प्राप्त परिणामों को जनसाधारण के लाभार्थ, वे 'अर्थोपाय' सुझाना जो इनके प्रचार-प्रसार में समर्थ हों।
- vii वार्षिक प्रतिवेदन सहित परिषद् के अन्य तकनीकी मामलों का परीक्षण करना।
- viii परिषद् की स्थायी वित्तीय समिति शासी निकाय द्वारा भेजे गए तकनीकी कार्यक्रमों की जाँच व उनके उचित कार्यान्वयन हेतु मार्गदर्शन और सुझाव प्रदान करने की संस्तुति करना।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की संरचना निम्नलिखित हैं :-

अध्यक्ष

- | | | | |
|----|--------------------------|---|------------------------------------|
| 1) | एक प्रख्यात योग विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
|----|--------------------------|---|------------------------------------|

सदस्य

- | | | | |
|----|---------------------------------|---|------------------------------------|
| 1) | तीन योग विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 2) | तीन प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 3) | तीन आधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |

सदस्य सचिव

- | | | | |
|----|--------|---|--|
| 1) | निदेशक | — | केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् |
|----|--------|---|--|

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्यों का नाम एवं पता इस प्रकार है :-



योग विशेषज्ञ

- | | | | |
|----|---|---|---------------|
| 1. | डॉ. एच. आर. नागेन्द्र,
कुलसचिव, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान,
19, एकनाथ भवन, गाविपुरम सर्कल,
कैम्पे गौड़ा नगर, बैंगलूरु— 560019 | — | अध्यक्ष |
| 2. | डॉ. गणेश शंकर गिरी,
प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष,
डॉ. हरिसिंह गोड यूनिवर्सिटी,
सागर, मध्य प्रदेश | — | सदस्य |
| 3. | डॉ. नवीन जोशी,
संस्थापक नव योग ग्राम,
उत्तराखंड | — | अशासकीय सदस्य |

प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ

- | | | | |
|----|--|---|---------------|
| 4. | डॉ. एन. के. मंजूनाथ,
एस व्यासा, यूनिवर्सिटी,
बैंगलूरु, कर्नाटक | — | अशासकीय सदस्य |
| 5. | डॉ. डी. एन. शर्मा,
आदित्य नैचुरोपैथी हॉस्पिटल एण्ड
रिसर्च इंस्टीट्यूट किच्चा | — | सदस्य |

आधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञ

- | | | | |
|----|--|---|-------|
| 6. | डॉ. बाल कृष्ण मेनन,
निदेशक, बल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट,
दिल्ली | — | सदस्य |
| 7. | डॉ. पीयूष रंजन,
अपर प्रोफेसर,
विभागाध्यक्ष औषध, एम्स,
दिल्ली | — | सदस्य |

सदस्य सचिव

- | | | | |
|----|---|---|--------------|
| 8. | डॉ. राघवेन्द्र राव एम.
निदेशक, के. यो. प्रा. चि. अ. प. | — | शासकीय सदस्य |
|----|---|---|--------------|

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सातवीं बैठक दिनांक 28 जून, 2021 को डॉ. एच. आर. नागेन्द्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई।



संस्थागत एथिक्स समिति

परिषद् की अनुसंधान व अन्य परियोजनाओं का तकनीकी दृष्टिकोण से परीक्षण एवं मूल्यांकन करने हेतु परिषद् के शासी निकाय के अध्यक्ष के रूप में माननीय आयुष मंत्री के अनुमोदन से दिनांक 01.01.2021 से तीन वर्ष के लिए एक संस्थागत एथिक्स समिति का पुनर्गठन किया गया था।

संस्थागत एथिक्स समिति की संरचना निम्नलिखित है:-

अध्यक्ष

- | | | |
|--------------------------------------|---|------------------------------------|
| 1. प्रख्यात आधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
|--------------------------------------|---|------------------------------------|

सदस्य

- | | | |
|--|---|------------------------------------|
| 2. दो मौलिक चिकित्सा विज्ञान विशेषज्ञ | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 3. दो विशेषज्ञ चिकित्सक | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 4. एक कानूनी सलाहकार/सेवानिवृत्त न्यायाधीश | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 5. एक सामाजिक विज्ञानी/गैर-सरकारी संगठनों का प्रतिनिधि | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 6. एक दार्शनिक/आचार-शास्त्री/ब्रह्मविज्ञानी | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |
| 7. एक जन प्रतिनिधि | — | माननीय आयुष मंत्री द्वारा नामांकित |

सदस्य सचिव

- | | | |
|-----------|---|--|
| 8. निदेशक | — | केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् |
|-----------|---|--|

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की संस्थागत एथिक्स समिति के सदस्यों के नाम एवं पता इस प्रकार है:-

- | | | |
|---|---|--|
| 1. डॉ. आर. नागरत्ना, मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
आरोग्यधाम, प्रशांति कुटिराम, विवेकानंद रोड,
डॉक- कल्लूबुल्लू, जिगनी, एनेकल, बैंगलूरु- 560105 | — | अध्यक्ष |
| 2. डॉ. के. एन. मन्जुनाथ,
स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान
(एस व्यासा) विश्वविद्यालय,
19, एकनाथ भवन, गाविपुरम सर्कल, के जी नगर,
बैंगलूरु . 560019 | — | सदस्य,
(योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा) |
| 3. डॉ. रघुराज पुथीज,
हैदराबाद तेलंगाना, भारत | — | सदस्य
(योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा) |
| 4. डॉ. सीखेयितो जॉन,
नेचुरोपैथी फिजिशियन व नैम समन्वयकार,
(एन ए एम) नागालैण्ड | — | सदस्य
(योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा) |



- | | | | |
|-----|--|---|---------------------------------------|
| 5. | डॉ. अक्षय आनंद,
3012, न्यूरोसाइंस रिसर्च लैब, ब्लॉक बी,
तृतीय तल, पी जी आई चण्डीगढ़ | — | सदस्य
(मौलिक चिकित्सा विज्ञान) |
| 6. | डॉ. रवि गुप्ता,
एम ए एम एस प्रमाणिक निद्रा चिकित्सक,
(वैश्विक निद्रा फेडरेशन) एडीशनल प्रोफेसर
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)
ऋषिकेश. 249203 (उत्तराखंड), | — | सदस्य
(आधुनिक चिकित्सा क्लिनिशियन) |
| 7. | डॉ. टी. एन. सत्यप्रभा,
विभागाध्यक्ष तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान,
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान,
होसूर रोड, पोस्ट बैग सं. 2900, बेंगलूरु . 560029 | — | सदस्य
(मौलिक चिकित्सा विज्ञान) |
| 8. | डॉ. भानु दुग्गल,
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, हृदय रोग विभाग,
एम्स, ऋषिकेश | — | सदस्य
(क्लिनिकल शियन महिला सदस्य) |
| 9. | श्रीमती मीनू एब्रोल,
बी- 203, दूसरा तल, फतेह नगर,
जेल रोड, नई दिल्ली- 110018 | — | सदस्य |
| 10. | श्री रजनीश,
मकान सं. 1481/12- ए दीदार नगर,
आरे वाली गली (यू एन आई तीसरे गेट के सामने)
कुरुक्षेत्र, हरियाणा- 136119 | — | सदस्य
(कानून विशेषज्ञ महिला सदस्य) |
| 11. | श्रीमती युगप्रभा रस्तोगी,
ए- 703, स्वामी दयानंद अपार्टमेंट,
प्लॉट सं. 5, सेक्टर 6, द्वारका,
नई दिल्ली-110075 | — | सदस्य
(सामाजिक वैज्ञानिक) |

सदस्य सचिव

- | | | | |
|-----|--|---|------------|
| 12. | डॉ. राघवेंद्र राव एम
निदेशक के.यो.प्रा.अ.प. | — | सदस्य सचिव |
|-----|--|---|------------|

रिपोर्ट वर्ष की अवधि के दौरान संस्थागत एथिक्स समिति (आई ई सी) की कोई बैठक नहीं हो पाई।



कर्मचारियों का प्रारूप

परिषद् के पास वर्तमान में 27 स्वीकृत पद हैं। दिनांक 31 मार्च 2022 तक की स्थिति के अनुसार विभिन्न वर्गों में कर्मचारियों की वास्तविक संख्या इस प्रकार है:—

वर्ग	अनुमोदित संख्या	वास्तविक संख्या
वर्ग 'क'	10	5
वर्ग 'ख'	4	3
वर्ग 'ग'	13	8
कुल	27	16

बजट प्रावधान (2021-22)

(राशि लाख रुपये में)

क्र.सं.	शीर्ष	बजट	संशोधित प्राकलन	प्रारंभिक शेष	कुल निधि	व्यय
1.	अनुदान सहायता—वेतन	3634.00	3420.00	0.03	3420.03	3420.01
2.	अनुदान सहायता—वेतन	324.00	324.00	2.18	326.18	326.18
3.	अनुदान सहायता—वेतन	2000.00	2000.00	0.10	2000.10	2000.10
4.	योग महोत्सव— (प्रतिपूर्ति अनुदान)	—	—	—	25.25	25.25
	कुल	5970.00	5774.00	2.31	5771.56	5771.54



तकनीकी प्रतिवेदन

विगत 5-6 दशकों की अवधि के दौरान योग के क्षेत्र में हुए अनुसंधान कार्य ने विभिन्न मनोवैज्ञानिक एवं जीवनशैली जनित रोगों की चिकित्सा के प्रभावी प्रबंधन में आधुनिक चिकित्सा वैज्ञानिकों को योग की संभाव्य क्षमता को रामबाण के रूप में स्वीकारोक्ति एवं मानने के लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रदान किए हैं। कोविड महामारी के दौरान भी योग की रोग निवारक क्षमता और उपचरात्मक स्वास्थ्य लाभों का परीक्षण किया गया था। परिषद् द्वारा राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, दिल्ली के सहयोग से कोविड-19 के रोगियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में योग की प्रभावोत्पादकता को सत्यापित करने के लिए एक शोध परियोजना का आयोजन किया गया।

परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:-

1) एक अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक 'अवसाद, मनः स्थिति, निद्रा गुणवत्ता, लक्षणों की तीव्रता, जीवन की गुणवत्ता और पारम्परिक उपचार ले रहे कोविड-19 के रोगियों के चिकित्सीय परिणामों पर एक एकीकृत योग कार्यक्रम का प्रभाव' पूर्ण हो चुका है। आँकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है।

2) एक अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक 'अवसाद, मनः स्थिति, निद्रा गुणवत्ता, लक्षणों की तीव्रता, जीवन की गुणवत्ता और पारम्परिक उपचार ले रहे कोविड-19 के रोगियों के चिकित्सीय परिणामों पर एक एकीकृत योग कार्यक्रम का प्रभाव' पूर्ण हो चुका है: एक बहुकेंद्रित परीक्षण' का प्रारंभ तीन केन्द्रों पर किया जा चुका है (आर जी एस एस एच, दिल्ली, एम्स झज्जर तथा एल एच एम सी, दिल्ली)।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की संभाव्यताओं/प्रभावकारिता का निर्धारण करने के लिए परिषद् में गहराई से अनुसंधान किया जाना अनिवार्य है, जो कि आधुनिक अस्पतालों या केवल अकेले योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालयों में ही किया जाना संभव नहीं। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा तथा आधुनिक चिकित्सा के प्रख्यात संस्थानों के सहयोग के साथ सहयोगात्मक शोध अनुसंधान किए जाने की आवश्यकता है।

विगत तीन साल के दौरान परिषद् ने अपने बाह्य रोगी विभागों के माध्यम से 5 परियोजनाओं पर कार्य किया है और पिछले 10 वर्षों के प्रयासों के फलस्वरूप 200 शैय्या युक्त के 02 केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों की स्थापना हुई है। इन केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों से स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के रूप में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की क्षमता और समय की कसौटी पर खरी उतरने वाली जनसाधारण के लिए स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के समर्थन में आँकड़े प्राप्त होने अपेक्षित है। विभिन्न केन्द्रीय अनुसंधान संस्थानों जिनको बनाने की योजनाएँ की जा रही हैं की स्थिति का विवरण निम्न प्रकार हैं:-

1. केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों की स्थापना (के.यो.प्रा.अ.सं.)

क) हरियाणा (ग्रामीण क्षेत्र)

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, देवरखाना, झज्जर, हरियाणा : हरियाणा सरकार द्वारा प्रदत्त 10 एकड़ निःशुल्क भूमि पर निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। बचे हुए निर्माण कार्य को शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा। उपचार की सुविधाओं और उपचार उपकरणों को लगाया जा रहा है और अस्पताल को पूर्ण रूप से संचालित होने में अभी कुछ और समय लग सकता है। परिषद् ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए दिनांक 29 जनवरी 2021 से बाह्य रोगी विभाग तथा योग कक्षा के संचालन का कार्य प्रारम्भ कर दिया है। वर्ष के दौरान कुल 640 रोगियों को परामर्श एवं योग चिकित्सा प्रदान की गई और वर्ष के दौरान 2665 व्यक्ति योग उपचार/योग कक्षा के लिए आए। आसपास के गाँवों में 04 स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। संस्थान ने आजादी के अमृत महोत्सव को मनाने के अन्तर्गत (इण्डिया@75) जरूरतमंद लोगों को आयुष-64 (470) तथा संशमनी वटी (654) का वितरण किया।

संस्था ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में शेष 98वें दिन दिनांक 15.3.2022 का आयोजन किया जिसमें 150 साधकों ने योग सत्र में भाग लिया। दिनांक 21 जून 2021 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के समारोह में योग प्रशिक्षण का आयोजन किया जिसमें 150 लोगों ने भाग लिया। सितम्बर माह 2021 में भी राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया गया जिसमें लगभग 560 लोगों को स्वास्थ्य एवं आहार संबंधी निःशुल्क परामर्श दिया गया। संस्था में इसी माह में स्वच्छ दिवस तथा हिंदी पखवाड़ा का भी आयोजन किया गया। देवरखाना के आसपास के गाँवों में 04 स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया जो इस प्रकार है:-



क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम	स्थल	राज्य	प्रतिभागियों की संख्या
1.	03.04.2021	स्वास्थ्य जागरूकता शिविर	गाँव मुण्डाखेड़ा, झज्जर	हरियाणा	102
2.	21.06.2021	सातवाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	के.यो.प्रा.चि.अ.सं. देवरखाना, झज्जर	हरियाणा	150
3.	22.12.2021	स्वास्थ्य जागरूकता शिविर	गाँव लगरपुर, झज्जर	हरियाणा	92
4.	25.02.2022	स्वास्थ्य जागृति शिविर	गाँव खेड़ा झान्झरोला, झज्जर	हरियाणा	96
5.	15.03.2022	आठवें अ.यो.दि. कार्यक्रम में शेष 98वें दिवस पर कार्यक्रम	के.यो.प्रा.चि.अ.सं., देवरखाना, झज्जर	हरियाणा	150
6.	25.03.2022	स्वास्थ्य जागरूकता शिविर	गाँव लोहट, झज्जर	हरियाणा	90

शिविर के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया:—

- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया गया।
- स्थितिनुसार तुरन्त वहीं पर जीवनशैली सुधार एवं आहार नियम के लिए मार्गदर्शन दिया गया।
- स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन के लिए योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के लाभों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान।

ख) कर्नाटक (ग्रामीण क्षेत्र)

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, नागमंगला, कर्नाटक : केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के. यो.प्रा.चि.अ.प.) द्वारा आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में नागमंगला कर्नाटक में केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की 200 शैया वाले योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल की स्थापना की गई है। निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शीघ्र ही पूर्ण रूप से संचालित हो जाने की आशा है। मार्च, 2021 से बाह्य रोगी विभाग की सेवाएँ प्रारम्भ की जा चुकी हैं।

वर्तमान में संस्थान द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ एवं कार्यकलाप किए जा रहे हैं:—

- निःशुल्क परामर्श।
- सामान्य योग कक्षाएँ एवं उपचारात्मक योग कक्षाएँ चलाना।
- नागमंगला डिस्ट्रिक्ट के आसपास के स्थलों पर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविरों का आयोजन।
- जनसाधारण की जानकारी के लिए योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के कार्यक्रमों का आयोजन।
- विद्यालयों में नियमित रूप से योग कक्षाओं का संचालन।
- प्राकृतिक आहार संबंधी जानकारी हेतु कार्यक्रमों का संचालन।

2. केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान रोहिणी, दिल्ली की स्थापना।

परिषद् द्वारा केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, रोहिणी : दिल्ली के संचालन का कार्य दिल्ली नगर निगम द्वारा लीज पर प्रदत्त भवन में कर रही है। यह 20 शैया वाला अन्तःरोगी अस्पताल है। बाह्य रोगी व अन्तःरोगी विभागों में जनसाधारण के लाभार्थ योग एवं



प्राकृतिक चिकित्सा का उपचार प्रदान किया जा रहा है। जनसाधारण की प्रतिक्रिया उत्साहजनक है। समाज के सभी वर्गों के रोगी अस्पताल में आते हैं तथा निर्धारित आहार के साथ यौगिक क्रियाओं और प्राकृतिक चिकित्सा के परामर्श का अनुसरण करते हैं। परिषद् जनसाधारण के लाभार्थ सभी कार्य दिवसों में योग कक्षाओं का संचालन भी कर रही है। समाज के लाभार्थ समय-समय पर जागरूक शिविरों का भी आयोजन करती है। इसके अलावा केन्द्र में प्रतिवर्ष 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस तथा 18 नवम्बर को प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का आयोजन किया जाता है।

परामर्श लेने वालों की कुल संख्या 1311 रही। वर्ष की अवधि के दौरान कुल 1215 रोगियों ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का उपचार लिया है। कुल 174 रोगियों ने योग कक्षा का लाभ प्राप्त किया। उपचार हेतु वर्ष की अवधि में योग के लिए रोगी दिवसों की संख्या 2,290 थी। कुल प्राकृतिक चिकित्सा का उपचार लेने वाले रोगियों की संख्या 1,041 थी। प्राकृतिक चिकित्सा के लिए रोगी दिवसों की संख्या 4178 थी। कोविड-19 की महामारी के कारण अन्तःरोगी विभाग में कुल रोगियों की संख्या शून्य रही। वर्ष के दौरान राजस्व के रूप में 12,98,120 (रोगियों से 11,16,520/- रुपये तथा 1,81,600/- रुपये टीएटीसी कोर्स से) की धनराशि एकत्र हुई।

3. अन्य प्रस्तावित के.यो.प्रा.अ.सं. की स्थापना की स्थिति

आन्ध्र प्रदेश

(i) केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा, आन्ध्र प्रदेश : आन्ध्र प्रदेश सरकार ने केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान तथा 100 शैय्या वाले योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय की स्थापना हेतु 25 एकड़ निःशुल्क भूमि देने की पेशकश की थी। सक्षम अधिकारियों की स्वीकृति की सूचना आन्ध्र प्रदेश सरकार को दे दी गयी थी। भूमि केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के नाम स्थानांतरित कर दी गयी है और दिनांक 05.07.2018 को पट्टा विलेख (लीज़ डीड) पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। परिषद् आगे की कार्रवाई शुरू करने के लिए परियोजना की अवधारणा चित्र, लेआउट और अनुभाग रेखाचित्रों की व्यवस्था करने की प्रक्रिया में है।

छत्तीसगढ़

(ii) केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ : छत्तीसगढ़ सरकार ने रायपुर में केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की स्थापना हेतु 10 एकड़ निःशुल्क भूमि देने की पेशकश की थी। भूमि को दिनांक 16.3.2021 को परिषद् के नाम पर हस्तांतरित कर दिया गया है। परिषद् आगे की कार्रवाई शुरू करने के लिए परियोजना की अवधारणा चित्र, लेआउट और अनुभाग रेखाचित्रों की व्यवस्था करने की प्रक्रिया में है।

झारखंड

(iii) केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, देवघर, झारखंड : झारखंड सरकार ने देवघर में केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की स्थापना हेतु 15 एकड़ निःशुल्क भूमि देने की पेशकश की है। सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की सूचना झारखंड सरकार को दे दी गयी है। भूमि को औपचारिक रूप से केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के नाम स्थानांतरित करने का कार्य प्रतीक्षित है।

केरल

(iv) केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, कासरगोड, केरल : केरल सरकार ने कासरगोड में केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की स्थापना हेतु 15 एकड़ निःशुल्क भूमि देने की पेशकश की थी। सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की सूचना केरल सरकार को दे दी गयी थी। दिनांक 12 नवंबर 2018 को पट्टा विलेख पर हस्ताक्षर व भूमि केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के नाम स्थानांतरित कर दी गयी है। दिनांक 3 फरवरी, 2019 को इस संस्थान का शिलान्यास किया गया है। परिषद् विस्तृत परियोजना (डी पी आर) को तैयार करने के लिए हितधारकों (स्टेक होल्डरों) से निविदा को निमन्त्रित करने हेतु एक्सप्रेसन ऑफ इंटरेस्ट जारी करने की प्रक्रिया में है।



ओडिशा

(v) **केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा** : ओडिशा ने तहसील जटनी, मौजा बिन्झागिरी, जिला खारेडा में 20 एकड़ निःशुल्क भूमि परिषद् को आवंटित की थी परन्तु ग्राम निवासियों के प्रतिरोध के कारण निर्माण कार्य आरम्भ नहीं हो सका। संबंधित प्राधिकरण अब परियोजना के निर्माण के लिए सभी आवश्यक सहयोग देने के लिए सहमत हो गया है। परिषद् आगे की कार्रवाई शुरू करने के लिए परियोजना की अवधारणा चित्र, लेआउट और अनुभाग रेखाचित्रों की व्यवस्था करने की प्रक्रिया में है।

राजस्थान

(vi) **केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, जयपुर, राजस्थान** : राजस्थान सरकार ने केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान तथा 100 शैया वाले योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल की स्थापना हेतु 13.5 एकड़ निःशुल्क भूमि देने की पेशकश की थी। सक्षम अधिकारियों की स्वीकृति की सूचना राजस्थान सरकार को दे दी गयी है। यद्यपि बाद में राजस्थान सरकार ने सूचना दी कि चिह्नित भूमि को कुछ नीतिगत कारणों से दिया नहीं जा सकता। वैकल्पिक भूमि चिह्नित करने के लिए राजस्थान सरकार से आग्रह किया गया है।

पश्चिम बंगाल

(vii) **केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की स्थापना हेतु जिला कल्याणी, पश्चिम बंगाल** : पश्चिम बंगाल सरकार ने जिला नदिया कल्याणी, पुलिस स्टेशन गोपालपुर में 10 एकड़ भूमि केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की स्थापना हेतु प्रदान की है। भूमि को औपचारिक रूप से केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के नाम स्थानांतरित करने का कार्य प्रक्रियाधीन है।

4. सहयोगात्मक अनुसंधान केन्द्र (सीआरसी)

अग्रणी योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थानों और साथ ही साथ आयुर्विज्ञान संस्थानों में बहुकेन्द्रीय अनुसंधान करने के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने हेतु परिषद् एक योजना का संचालन कर रही है। इस प्रकार के चार केन्द्र क्रमशः राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिकाविज्ञान संस्थान (निम्हान्स), बेंगलोर; संस्कृति फाउन्डेशन, मैसूर (कर्नाटक) तथा कैवल्यधाम योग संस्थान अनुसंधान केन्द्र, लोनावला (महाराष्ट्र) में सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य चल रहा है।

क) राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिकाविज्ञान संस्थान (निम्हान्स) बेंगलोर के अन्तर्गत अनुसंधान परियोजनाएँ :-

पूर्ण हुई परियोजनाएँ

1. माइग्रेन से ग्रसित रोगियों के लिए एकीकृत योग मोड्यूल का अभिपोषण व विकास।
2. विभिन्न प्रकार माँस तन्तु (बहु उत्तक) ऐंठन से ग्रसित रोगियों के लिए स्वीकृत उपचार मोड्यूल की व्यवहार्यता व विकास।
3. बोध, मनोदृष्टि, साधना और भारत में न्यूरोसर्जनों, न्यूरोलॉजिस्ट व मनोचिकित्सकों को योग में रेफरल एक बाधा— एक सर्वेक्षण।
4. विखण्डित मनस्कता (सिजोफ्रेनिया) रोगियों के पहली पीढ़ी के रिश्तेदारों में अवसाद के मनो-तंत्रिका अन्तःस्राव प्रकरणता में चिह्नित करने वाले (मार्कर) और एक योग आधारित उपचार के प्रति प्रक्रिया।
5. अवसादग्रस्त रोगियों में (न्यूरोन मिरर) तंत्रिका प्रतिबिम्ब क्रिया पर योग का प्रभाव: 'एक ट्रान्सक्रैनिअल चुम्बकीय उद्दीपक अध्ययन' मूलतः प्रस्तावित — 'अतिअवसादी से संयत अवसादी रोगियों में गाबा (जी ए बी ए) न्यूरोट्रान्सीटर की कमी को सही करने में योग की भूमिका' विषय के लिए संशोधित किया गया।



(ख) संस्कृति फाउण्डेशन, मैसूर, कर्नाटक के अन्तर्गत अनुसंधान परियोजनायें निम्नलिखित हैं:-

पूर्ण परियोजनाएँ

1. शंकराचार्य के तारावलि योग पर वैब समर्थ और सीडी आधारित मल्टीमीडिया— स्वशिक्षण कार्यक्रम विषयवार एवं अन्य बहुस्तरीय खोजों सहित।
2. आवश्यक परिशिष्टों आदि सहित पतंजलि योग सूत्र के द्वितीयक — दो पदों का विवेचनात्मक संस्करण।
3. 'पुराणों खंड II में योग' पर मोनोग्राफ प्रकाशित लाना — मूल संस्कृत शास्त्र के साथ अंग्रेजी में।
4. घेरण्ड संहिता पर वैब समर्थ और सीडी आधारित मल्टीमीडिया — स्वशिक्षण कार्यक्रम (तीन महत्वपूर्ण हठयोग शास्त्रों में से एक) विषयवार एवं अन्य बहुस्तरीय खोजों सहित।
5. स्वात्मराम की हठयोग प्रदीपिका का विवेचनात्मक संस्करण— विभिन्न पठनों आदि को चिह्नित करने से लेकर 10 विभिन्न ताड़-पत्रों एवं पेपर पर हस्तलिखित आवश्यक परिशिष्टों आदि सहित।
6. उपनिषदों—पुराणों में योग के प्रयोगात्मक पहलुओं एवं सिद्धान्तों का सिंहावलोकन' पर मोनोग्राफ प्रकाशित करना — मूल संस्कृत शास्त्र के साथ अंग्रेजी में।

(ग) मोबाइल ऐप

संस्कृति फाउण्डेशन के साथ मिलकर निम्न मोबाइल लर्निंग ऐप तैयार किए गए हैं।

- पतंजलि योग सूत्र — लर्निंग ऐप आधारित
- हठयोग प्रदीपिका — लर्निंग ऐप आधारित

(घ) पुस्तक / पुस्तकों के अध्ययन / मैनुअल / मोनोग्राफ्स

- गोरक्षनाथ का योगाभ्यास
- पुराणों— में योग— 1

5. बहिर्वर्ती अनुसंधान योजना (ई एम आर)

आयुष मंत्रालय को बहिर्वर्ती अनुसंधान योजना को राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम में प्राथमिक वरीयता के आधार पर अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। देश में उपलब्ध विशाल अनुसंधान संसाधनों का उपयोग करने और पारम्परिक औषधियों को मान्यता और मानकीकरण प्रदान करने का भी इसका लक्ष्य है। इस योजना को आयुष क्षेत्र की आवश्यकताओं का ध्यान में रखकर बनाया गया है और आयुष पद्धति के युवा चिकित्सकों को आधुनिक वैज्ञानिक मापदण्डों पर आयुष पद्धति के अनुसंधान में उनके ज्ञान और ऊर्जा के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए भी है। परिषद् आयुष मंत्रालय की बहिर्वर्ती अनुसंधान योजना के अन्तर्गत प्राप्त प्रस्तावों का तकनीकी मूल्यांकन और उनकी प्रगति रिपोर्ट की भी जाँच करने के कार्य में भी सम्मिलित है।

6. अन्तर्संस्थानिक अनुसंधान (आई एम आर)

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए एक शीर्ष निकाय है। यह देशभर में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार-प्रसार एवं उन्नयन के कार्य में भी कार्यरत है।

परिषद् मुख्यालय सहित, दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के मुख्य चिकित्सीय विश्वविद्यालयों के परिसर में सात बाह्य रोगी विभागों की स्थापना कर चुकी है तथा देश के विभिन्न भागों में सात योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के वैलनेस केन्द्र की स्थापना की है। इसके साथ परिषद्



ने 20 शैय्या वाले योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अन्तःरोगी अस्पताल सहित एक केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की स्थापना रोहिणी, दिल्ली में की है। सभी बाह्य रोगी विभागों एवं केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान को अनुसंधान प्रसार शुरू करने हेतु अनुग्रह किया गया है। केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, रोहिणी एवं बाह्य रोगी विभागों से प्राप्त निम्नलिखित अनुसंधान प्रस्तावों को प्रारंभ किया जा चुका है और वर्तमान में चल रही परियोजनाएँ इस प्रकार हैं :-

क्र.सं.	अनुसंधान परियोजना का विषय	मुख्य अन्वेषक का नाम और बा.रो.वि.	परियोजना की अवधि	स्थिति
1.	संज्ञानात्मक कार्य पर दैनिक जीवन की गतिविधियों, स्वानुभूत अवसाद और परिवर्तनीय हृदय गति वाहिकीय उन्माद (मनोभ्रंश) के रोगियों में योग का प्रभाव।	डॉ. मीणा चन्द्रा डी एन बी (मनोरोग स्वर्ण पदक विजेता) पीएचडी, (न्यूरोलॉजी) वरिष्ठ मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मनोरोग विभाग (ए बी वी आई एम एस) और डॉ. आर एम एल हॉस्पिटल तथा डॉ. राघवेन्द्र राव एम निदेशक केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, 61-65, जवाहरलाल भवन, संस्थागत क्षेत्र जनकपुरी, 'डी' ब्लॉक, नई दिल्ली-110058	तीन वर्ष	चल रही है।
2.	बार-बार होने वाले और चिरकालिक तनावी सिरदर्द से ग्रसित रोगियों के दर्द एवं जीवन की गुणवत्ता में योग का प्रभाव।	डॉ. के एस आनंद प्रो. तथा न्यूरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष, ए बी वी आई एम एस और डॉ. आर. एम. एल. हॉस्पिटल तथा डॉ. गरिमा मिश्रा, परामर्शदाता चिकित्सक (योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा) के.यो. एवं प्रा.चि.अ.प. के माध्यम से डॉ. आर. एम. एल. हॉस्पिटल	दो वर्ष	चल रही है।
3.	घुटनों के अस्थि संधिशोथ (घुटनों के जोड़ों में सूजन) के रोकथाम में दर्द को कम करने और चलने फिरने में सुधार एवं जीवन शैली की गुणवत्ता में योग उपचार के प्रभाव का शोध अध्ययन- एक भावी द्विहस्त यादृच्छिक नियन्त्रण अध्ययन।	डॉ. सुजाता जियोज, चिकित्सक (योग एवं प्रा. चि.) योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा बाह्य रोगी विभाग, सफदरजंग हॉस्पिटल, नई दिल्ली तथा डॉ. लवनीश जी कृष्णा, निदेशक प्रो. हड्डी रोग विशेषज्ञ (सी आई ओ), सफदरजंग हॉस्पिटल, नई दिल्ली	तीन वर्ष	चल रही है।
4.	उच्च रक्तचाप और सामान्य रक्तचाप व्यक्तियों में अलग-अलग शिथिलीकरण तकनीकी अपनाने और उच्च रक्तचाप एवं परिवर्तनीय हृदय गति (एच आर वी) पर शिथिलीकरण प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना।	डॉ. राघवेन्द्र राव एम. निदेशक केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, 61-65, जवाहरलाल भवन, संस्थागत क्षेत्र जनकपुरी, 'डी' ब्लॉक, नई दिल्ली-110058	एक वर्ष	चल रही है।
5.	तृतीयक बहु विशिष्ट अस्पतालों में जाने वाले भारतीय रोगियों में सी.एम.ए. की व्यापकता एवं धारणा : एक बहु संस्थागत अनुभागीय सर्वेक्षण।	डॉ. राघवेन्द्र राव एम निदेशक केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, 61-65, जवाहरलाल भवन, संस्थागत क्षेत्र जनकपुरी, 'डी' ब्लॉक, नई दिल्ली-110058	एक वर्ष	चल रही है।



(क) एम्स रायपुर (छत्तीसगढ़ सरकार) के अन्तर्गत अनुसंधान परियोजनाएँ:-

चल रही परियोजनाएँ

1. योग आधारित जीवन शैली मोटे युवा वयस्कों में ऐपिकॉर्डियल वसा के मोटापेपन (फैट थिकनेस) इन्टिमा मीडिया थिकनेस, प्लस वेव वैलोसिटी, वी ओ 2 और एन्थ्रोमीट्रिक मापदण्डों पर परिवर्तन लाता है का तुलनात्मक अध्ययन।
2. अन्तिम पड़ाव (एण्ड स्टेज) के रैनल रोग के रोगियों के रक्तशक्तिकक्षय (हेमोडायलिसिस) के रोकथाम में जीवन की गुणवत्ता पर योग का प्रभाव— एक मिश्रित प्रायोगिक अध्ययन।
3. ऑपरेशन से पहले ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों के ब्रेस्ट में म्योफेसियल दर्द के रोकथाम में योग चिकित्सा का प्रभाव।

ख) एम्स ऋषिकेश (उत्तराखण्ड) के अन्तर्गत अनुसंधान परियोजनाएँ:-

चल रही परियोजनाएँ

1. ऋषिकेश, उत्तराखण्ड के टरटीयरी हैल्थकेयर हॉस्पिटल में फ्रोजन सोल्जर की सामान्य देखभाल बनाम फारमाकॉलोजिकल हस्तक्षेप के अतिरिक्त योग चिकित्सा की प्रभावोत्पदकता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. योग निद्रा की प्रभावोत्पदकता बनाम उत्तराखण्ड टरटीयरी हैल्थकेयर हॉस्पिटल में विद्यार्थियों की निद्रा गुणवत्ता के लिए शैक्षणिक देखभाल।
3. उम्र दराज रोगियों के गिर जाने के भय पर योग का प्रभाव : एक खुला एवं स्पष्ट लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4. ऋषिकेश उत्तराखण्ड के टरटीयरी हैल्थकेयर हॉस्पिटल में उच्च रक्तचाप के रोगियों के लिए प्राकृतिक एवं सात्विक आहार सेवन की भूमिका एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
5. घातक (मेलिग्नेंट) अस्थि कैंसर से ग्रस्त रोगियों में प्रदर्शन की स्थिति (स्कोर) पर समग्र एकाग्रता के प्रभाव का अध्ययन।

ग) स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चण्डीगढ़ के अन्तर्गत अनुसंधान परियोजनाएँ :-

चल रही परियोजनाएँ

1. आयुर-आण्विक कर्णक्षेड पर तथा ऑडियोलॉजिकल मापदण्डों, मस्तिष्क इमेजिंग, कर्णक्षेड द्वियांग एवं तनाव से ग्रस्त लोगों में योग चिकित्सा का प्रभाव।
2. कोविड-19 से उभरे (उपरांत) रोगियों में वायुगतिकीय उपाय (श्वसन संबंधी प्रक्रिया की सहजता) पर प्राणायाम का प्रभाव।
3. आरोग्य से रक्तोपादक (रक्त उत्पन्न करने वाले कारक) कोशिकाओं का प्राप्त करने वालों के स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का मूल्यांकन एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4. किशोर अवस्था में मानसिक एवं व्यवहारात्मक मामलों में योग की भूमिका का अध्ययन।
5. सी ए डी रोगियों में सामान्य देखभाल और योग की तुलना।
6. चिरकालिक कमर दर्द के बुजुर्ग रोगियों की वेदना एवं कार्यात्मक विकलांगता में व्यापक योग कार्यक्रम का प्रभाव एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।



7. बाल चिकित्सा में हृदय शल्य चिकित्सा के अन्तर्गत और इसके जैविक रसायन मार्कर के संबंध में शारीरिक चिकित्सा और योग से प्राप्त परिणाम पर एक शोध।
8. हकलाहट की चिकित्सा में स्पीच उपचार प्रणाली के एक सहायक के रूप में सचेतनपूर्ण योग अभ्यासक्रम का प्रभाव।
9. नॉन एल्कोहालिक फैटी लीवर रोग के रोगियों में मल्टीमोडल 24 सप्ताह के योग उपचार का प्रभाव।
10. जीनोमिक स्थिरता के आण्विक विनियमन पर शारीरिक व्यायाम या योग के प्रभाव का मूल्यांकन।
11. गर्भधारण के फलस्वरूप और गर्भनाल कॉर्ड रक्त व्युत्पन्न कोशिकाओं पर योग का प्रभाव।

(घ) कैवल्यधाम लोनावाला के अन्तर्गत चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ

चल रही परियोजनाएँ

1. चिरकालिक नासाशोथ प्रत्यूर्जता (एलर्जी) के लिए नेति क्रिया एक उपचारात्मक हस्तक्षेप के रूप में।
2. एक सामान्य व्यक्ति की और एक उच्च रक्तचाप वाले व्यक्ति के नाड़ी की दर तथा उच्च रक्तचाप पर सामान्य भ्रामरी प्राणायाम का तत्काल प्रभाव।
3. स्कूल अध्यापकों की व्याघ्रता, तनाव और मानसिक स्वास्थ्य पर त्राटक का प्रभाव।
4. उच्च रक्तचाप, एच आर वी पर दीर्घावधि और शीघ्रावधि के एकल अभ्यास के रूप में शीतली और इसके बाद शीतली बिना कुम्भक के अनुलोम-विलोम प्राणायाम के तुलनात्मक प्रभाव और नॉर्मोटेंसिव के मामले में मनोवैज्ञानिक मापदण्डों का चयन करें।
5. माइग्रेन के रोगियों पर चयनित योगाभ्यासों का प्रभाव एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
6. नौवीं स्तर के विद्यार्थियों के माता-पिता के तनाव, व्याघ्रता और मानसिक स्वास्थ्य पर त्राटक क्रिया का प्रभाव।
7. एक स्वस्थ व्यक्ति के फेफड़ों की कार्यप्रणाली और एंटीऑक्सीडेंट की स्थिति में शास्त्रीय कपालभाती का प्रभाव।
8. मधुमेह पूर्व की स्थिति के व्यक्तियों में इन्सुलिन संवेदनशीलता और इन्सुलिन प्रतिरोधकता पर अग्निसार क्रिया का प्रभाव।

7. प्रकाशन

कैवल्यधाम ने निम्नलिखित अनुसंधान/शोध लेख प्रकाशित किए हैं:-

- 1) चिरकालिक नासाशोथ प्रत्यूर्जता के लिए नेति क्रिया एक उपचारात्मक हस्तक्षेप के रूप में।
- 2) एक सामान्य व्यक्ति की और एक उच्च रक्तचाप वाले व्यक्ति की नाड़ी की दर तथा उच्च रक्तचाप पर सामान्य भ्रामरी प्राणायाम का तत्काल प्रभाव।

8. टास्क फोर्स

योग उपचार (हस्तक्षेप) की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने हेतु उच्च प्रभावी बहु-केन्द्रीय शोध अध्ययन हेतु दिशा-निर्देश स्थापित करने के लिए डॉ. गौतम शर्मा, (प्रो. हृदयविभाग, एम्स, नई दिल्ली) की अध्यक्षता में एक "योग में अति उच्च प्रभावी अनुसंधान आयुष अंतःविषयक आर एण्ड डी टास्क फोर्स" की स्थापना की है।

9. योग मनोशारीरिक उपचार सहयोगी केन्द्रों की स्थापना।

सूत्रीकरण, समन्वय, उन्नयन तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में वैज्ञानिक तरीकों से अनुसंधान करने के लिए के.यो.प्रा.अ.प. इसके प्रचार-प्रसार हेतु एक शीर्षतम संगठन है, जो परिषद् राष्ट्रीय प्राथमिक रोगों विशेषकर एनसीडी व मुख्यतया योग एवं प्राकृतिक की विभिन्न क्रिया प्रणालियों के विभिन्न स्तरों को समझने जैसे सैल्यूलर स्तर, शरीरक्रिया स्तर आदि में साक्ष्य आधारित प्रयोग को स्थापित करने के लिए



वचनबद्ध है। इस तरह का साक्ष्य आधारित उपचार रोगियों को मुख्यतया शारीरिक समस्याओं को कम करने, जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने, रोग की तीव्रता को कम करने, उपचार की जटिलताओं और विषाक्तता को कम करने, रोग के पैरामीटरों में सुधारने लाने आदि के लिए दिया जाता है।

के.यो.प्रा.चि.अ.प. एम्स/स्नातकोत्तर संस्थाओं और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ भागीदारी को प्रोत्साहित करना चाहती है जो इन मनोशारीरिक विषयों को एकीकृत कर व्यवस्थित अनुसंधान के माध्यम से क्लीनिकल अभ्यास में आगे बढ़ा सके।

परिषद् निम्न संस्थाओं के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर योग मनोशारीरिक उपचार सहयोगी केन्द्रों को स्थापित कर चुकी है :-

- (क) अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एम्स) रायपुर, छत्तीसगढ़
- (ख) अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एम्स) ऋषिकेश, उत्तराखंड
- (ग) स्नातकोत्तर मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजी आई एम आई आर), चण्डीगढ़

10. अनुसंधान प्रकाशन

परिषद् निम्नलिखित अनुसंधान प्रकाशन प्रकाशित कर चुकी है :-

1. पाटिल एस जी, बिरादर एम एस, खोड़े वी, वादिराज एच एस, पाटिल एन जी, राघवेन्द्र राव एम.। धमनी संबंधी ऐंठन में योग की प्रभावोत्पदकता: एक क्रमबद्ध समीक्षा। आयुर्विज्ञान में पूरक चिकित्सायें।
2. दीपक के के, राव एम आर, कोविड -19 के रोकथाम में योग और ध्यान एक सहायक चिकित्सा के रूप में। एएनएन एसएटीएल मैडी. साइंस (भारत) 2021;00-1-3
3. पाटिल जी खोड़े की, चन्द्रशेखरन ए, देशाई आर एम, वादिराज एच एस, राघवेन्द्र आर एम, ऐथल के, रविन्द्र सी, दीपक के के, प्रभाकरण दोराईराज। अन्तःस्तर कार्यप्रणाली के लिए योग एवं ध्यान: एक क्रमबद्ध समीक्षा एवं मेटा एनालिसिस - प्रेस में।
4. राघवेन्द्र राव एम, दीपक के के, एट एल- भारत इन्फोडेमिक में कोविड-19 पर वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रचलित मिथ पर एक संभावित अनुदैर्घ्य सर्वेक्षण।

11. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (अ.यो.दि.) 2021

आयुष मंत्रालय वर्ष 2015 से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन करता आ रहा है तथा लगातार व अबाध रूप से 7 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कर चुका है। चूँकि परिषद् आयुष का अभिन्न भाग होने के कारण अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में बड़ी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है।

यहाँ तक कि कोविड-19 महामारी के दौरान भी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रयास किया गया और लोगों को अपने संपूर्ण परिवार के साथ घर पर ही योगाभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित कर अ.यो.दि. का आयोजन किया गया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि के माध्यम से माई लाइफ, माई योग ('जीवन योग' भी कहा जाता है) की वीडियो ब्लॉग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ठीक इसी तरह सातवें अ.यो.दि. को ऑनलाइन आभासी (वर्चुअल) प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया।

सातवें अ.यो.दि. को विशेष बनाने के लिए लोगों को आमंत्रित कर उनसे जिंगल तैयार कराने के लिए एक जिंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आयुष मंत्रालय ने (<https://www.mygov.in>) पर लोगो को अ.यो.दि. 2021 के लिए अंग्रेज़ी/हिंदी/कोई भी भाषा जो संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा मान्यता प्राप्त हो/भारतीय संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त कोई भी भाषा जो हर आयु वर्ग के लोगों को योग को अपनाने और उसके प्रति जागरूकता उत्पन्न और जो उन्हें, उनके परिवार सहित एवं मित्रों को अ.यो.दि. 2021 को मनाने में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करे के लिए जिंगल प्रतियोगिता प्रायोजित की।

जनसाधरण के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दिनांक 21.6.2021 से प्रतियोगिता का प्रारंभ किया गया जिसके लिए अंतिम प्रविष्टि दिनांक 30.6.2021 थी।



कुल 9363 प्रविष्टियां प्राप्त हुई जिसमें से 5178 प्रविष्टियों को अनुवीक्षण समिति (स्क्रीनिंग कमेटी) जिसमें के.यो.प्रा.चि.अ.प. तथा मो.दे.रा. यो. सं. से 51 सदस्य सम्मिलित थे के द्वारा प्रारंभिक छटनी में मूल्यांकन हेतु चुना गया ।

अन्तिम (फाइनल) विजेता को चुनने के लिए अंकों के आवंटन हेतु मानदंड के.यो.प्रा.चि.अ.प. द्वारा तय किए गए और उसी को ही अनुवीक्षण समिति के सभी सदस्यों को उपलब्ध कराया गया । मानदंड के मुख्य पाँच आधार थे— सामग्री, वाणी गुणवत्ता, गीत (लिरिक्स) लय एवं राग (स्वरमाधुर्य) और रचनात्मकता तथा प्रत्येक मानदंड में 6 विकल्प थे व प्रत्येक का निर्धारण (रैटिंग) 0,2,3,6,8 एवं 10 रखा गया । प्रविष्टियों के मूल्यांकन हेतु अनुवीक्षण समिति के प्रत्येक सदस्य को लगभग सौ-सौ प्रविष्टियां आवंटित की गई ।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की जिंगल प्रतियोगिता की विजेता सुश्री रेणुका गौड़ को दिल्ली में राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर दिनांक 18.11.2021 को 25000/- (पच्चीस हजार) रुपये नकद पुरस्कार व प्रमाण-पत्र दिया गया ।

12. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के बाह्य रोगी विभाग

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से शरीर को स्वस्थ रखना परिषद् की प्रचारात्मक गतिविधियों में से एक है और परिषद् अपने मुख्यालय तथा विभिन्न सरकारी अस्पतालों में बाह्य रोगी विभागों के संचालन द्वारा इन गतिविधियों को अंजाम देती है । जनसाधारण जो अपने स्वास्थ्य में सुधार, स्वस्थ रहने के साथ निरोगी रहने के इच्छुक हैं उनके लिए बाह्य रोगी विभाग की सेवाएँ उपलब्ध हैं ।

(क) मुख्यालय

परिषद् अपने मुख्यालय में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के बाह्य रोगी विभाग का संचालन वर्ष 1997 से कर रही है तथा दिनांक 1 मई 2001 से प्रातः काल 8.00 बजे से सायंकाल 4.00 बजे तक सभी कार्य दिवसों में (शनिवार को केवल प्रातः) परामर्श व सलाह प्रदान करती है । इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य संबंधी विविध समस्याओं के उपचार करने में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का परामर्श भी सहायक होता है । योग कक्षाओं का संचालन भी नियमित रूप से किया जाता है जिसमें साधकों को आसन, प्राणायाम, ध्यान का अभ्यास तथा शुद्धिकरण की सरल क्रियायें जैसे जलनेति, सूत्रनेति, धौति आदि सिखायी जाती हैं ।

सितम्बर 2017 तक योग कक्षाओं के लिए प्रतिसाधक 750/- रुपये प्रति माह एक नाममात्र शुल्क लिया जाता था । इस बाह्य रोगी विभाग में रिपोर्ट वर्ष 2021-22 की अवधि के दौरान 1,053 रोगियों ने स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त किया । रिपोर्ट के अवधि के दौरान कुल रोगी दिवसों की संख्या 12,283 थी ।

जो लोग स्वस्थ जीवनयापन के बारे में और जानकारी अर्जित करने की इच्छा रखते हैं उनके लिए परिषद् प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक 'योग स्वास्थ्य शिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन करती है ।

पाठ्यक्रम हर महीने के पहली तारीख से शुरू होता है और 1,000/- (एक हजार) रुपये प्रतिमाह शुल्क के रूप में लिया जाता है । योग स्वास्थ्य शिक्षण कार्यक्रम योग कक्षाओं तथा पंजीकरण शुल्क से रिपोर्ट वर्ष की अवधि के दौरान 14,89,175/- रुपये की धनराशि अर्जित की गई ।

वर्ष 2021-22 के दौरान के.यो.प्रा.अ.प. मुख्यालय में आयोजित अन्य कार्यक्रमलाप :-

क्र. सं.	दिनांक	कार्यकलाप का नाम	सम्मिलित हुए प्रतिभागियों की संख्या	स्थल
1.	05.02.2022	विश्व कैंसर दिवस पर वेबिनार	40	के. यो. प्रा. अ. प.
2.	28.02.2022	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर वेबिनार	61	
3.	08.03.2022	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर वेबिनार	56	
4.	26.03.2022	एपीलेपसी जागृति दिवस पर वेबिनार	52	



(ख) सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली

परिषद् विभिन्न विकृतियों विशेषकर असंक्रमाक विकृतियों के रोकथाम, प्रबंधन और पुनर्वास में एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए आधुनिक चिकित्सा के साथ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को एकीकृत करने के उद्देश्य से योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के बाह्य रोगी विभाग की निःशुल्क सेवाएँ सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में दिनांक 4.6.2002 से प्रदान कर रही है। यह सभी कार्य दिवसों में प्रातः 8.00 बजे से सायं 3.30 बजे (शनिवार प्रातः 8.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे) तक खुला रहता है। बाह्य रोगी विभाग में आने वाले रोगियों की प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक है। बाह्य रोगी विभाग में सभी तरह के रोगी आते हैं तथा वे योगाभ्यास एवं आहार में परिवर्तन के साथ प्राकृतिक चिकित्सा के परामर्श का पालन करते हैं।

बाह्य रोगी विभाग में प्रतिदिन योग कक्षाएँ भी चलायी जाती हैं जिसमें भाग लेने वालों को आसन, प्राणायाम, ध्यानात्मक अभ्यास एवं शुद्धीकरण की सरल क्रियाएँ जैसे—कुंजल, जलनेति आदि सिखायी जाती हैं।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के बाह्य रोगी विभाग की मुख्य गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:—

- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का परामर्श एवं योग उपचार प्रदान करना।
- सामान्य योग एवं योग उपचार कक्षाओं का संचालन।
- जनसाधारण में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागृति उत्पन्न करने के लिए कार्यकलापों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करना।

बा. रो. वि. द्वारा आयोजित अन्य कार्यक्रम/कार्यक्रम:—

क्र. सं.	माह	कार्यक्रम आयोजित करने	कार्यक्रम का नाम	व्याख्यान का विषय	सहभागिताओं
1.	अक्तूबर	सफदरजंग अस्पताल	एक दिवसीय अभियान	स्वच्छ भारत अभियान	50
2.	जनवरी	सफदरजंग अस्पताल	योगाभ्यास	कोविड रोगी एवं कोविड	26
3.	फरवरी	सफदरजंग अस्पताल	योगाभ्यास	कोविड रोगी एवं कोविड	56
4.	मार्च 2022	सफदरजंग अस्पताल	योगाभ्यास	विश्व टी. बी आयोजन	75

(ग) डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली

परिषद् डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में एक बाह्य रोगी विभाग (योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा) नवम्बर, 2004 से चला रही है। यह सभी कार्य दिवसों में प्रातः 8.00 बजे से सायं 3.30 बजे (शनिवार प्रातः 8.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे) तक खुला रहता है। रोगियों को परामर्श देना एवं उपचार करना इस बाह्य रोगी विभाग की गतिविधियाँ हैं। उपचार के लिए नियमित योग कक्षाएँ भी चलायी जाती हैं। रोगियों को आवश्यकतानुसार जल चिकित्सा, आहार व्यवस्था एवं अन्य सरल प्राकृतिक उपचार भी बताए जाते हैं। इस बा.रो.वि. में डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली के हृदय रोग विभाग द्वारा भेजे गये रोगियों को सेवा प्रदान की जाती है। चिकित्सालय के कर्मचारियों के लिए नियमित स्वास्थ्य कक्षाएँ भी चलायी जाती हैं जिसकी अस्पताल के अधिकारियों द्वारा सराहना की जा रही है।

वर्ष के दौरान इस बाह्य रोगी विभाग में 710 रोगियों का पंजीकरण हुआ। वर्ष 2021-22 के दौरान कुल रोगी दिवसों की संख्या 4938 थी।

(घ) लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं सम्बद्ध अस्पताल, नई दिल्ली

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं सम्बद्ध अस्पताल, नई दिल्ली के शरीरक्रियाविज्ञान विभाग में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का बाह्य रोगी विभाग 31 जनवरी, 2007 को स्थापित किया गया था। यह सभी कार्य दिवसों में प्रातः 8.00 बजे से सायं 3.30 बजे (शनिवार प्रातः 8.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे) तक खुला रहता है। मानसिक रोग विभाग के अर्न्तगत रोगियों के लिए प्रतिदिन (प्रातः 8.00 बजे से अपराह्न 9.00 बजे तक) एक विशेष योगोपचार कक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस योगोपचार कक्षा के प्रति रोगियों का रुझान उत्साहवर्धक है और अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं।



इस अस्पताल की आर्थोपीडिक ओ.पी.डी. के अन्तर्गत उनके द्वारा भेजे गये रोगियों के लिए प्रत्येक सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को प्रातः 10.00 से 12.30 बजे तक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की एक अलग से ओ.पी.डी. चलाई जा रही है। इसके अतिरिक्त महिला रोगियों और प्रसव देखभाल के लिए प्रत्येक सोमवार अपराह्न 1.30 बजे से सांयकाल 4.00 बजे तक एक अलग से ओपीडी चलाई जाती है। योग कक्षा में आने वाले रोगियों के लिए प्रत्येक बृहस्पतितवार को एक विशेष ध्यान योग (मेडीटेशन) कक्षा भी आयोजित की जाती है।

वर्ष के दौरान इस बाह्य रोगी विभाग में 1,119 रोगियों का पंजीकरण हुआ। वर्ष 2021-22 के दौरान कुल रोगी दिवसों की संख्या 5232 थी।

वर्ष 2021-22 के दौरान एल.एच.एम.सी. के बा.रो.वि. द्वारा किए गये अन्य कार्यक्रम :-

क्र. सं.	दिनांक	कार्यकलाप का नाम	समिलित हुए प्रतिभागियों की संख्या	स्थल
1.	30.03.2022	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा जागृति शिविर	1700	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा बा.रो.वि., एल.एच.एम.वि.

(ड.) युनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसिज, दिलशाद गार्डन, दिल्ली

युनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसिज, दिलशाद गार्डन, दिल्ली के शरीरक्रियाविज्ञान विभाग में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का बाह्य रोगी विभाग दिनांक 4.10.2007 से चलाया जा रहा है। यह सभी कार्य दिवसों में प्रातः 8.00 बजे से सायं 3.30 बजे (शनिवार प्रातः 8.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे) तक खुला रहता है।

कोविड-19 महामारी के कारण रिपोर्ट वर्ष की अवधि में अक्टूबर 2021 तक के दौरान बाह्य रोगी विभाग की कार्यप्रणाली बन्द रहीं। क्योंकि इस अस्पताल को विशेष रूप से कोविड के रोगियों के लिए आरक्षित कर दिया गया था। डॉक्टरों और योग चिकित्सकों को इस अवधि में कोविड ड्यूटी पर प्रतिनियुक्ति कर दिया गया था। 1 नवम्बर 2021 से बा. रो. वि. का कार्य आरंभ हो गया था और इस दौरान योग उपचार के लिए 450 रोगी आए। इस अवधि के दौरान बा. रो. वि. में 150 रोगियों का पंजीकरण हुआ।

(च) चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, खेड़ा डाबर, दिल्ली

चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, खेड़ा डाबर, दिल्ली में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का बाह्य रोगी विभाग दिनांक 2.8.2010 से चलाया जा रहा है। यह सभी कार्य दिवसों में प्रातः 8.00 बजे से सायं 3.30 बजे (शनिवार प्रातः 8.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे) तक खुला रहता है। रोगियों को प्राकृतिक चिकित्सा के साधारण उपचारों की सलाह दी जाती है जिसे घर पर आसानी से किया जा सके। रोगियों को नियमित रूप से योग उपचार दिया जाता है।

कोविड-19 महामारी के कारण रिपोर्ट वर्ष की अवधि के दौरान बाह्य रोगी विभाग की कार्यप्रणाली बन्द रहीं।

(छ) पं. बी. डी. शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक, हरियाणा

पं. बी. डी. शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक, हरियाणा के शरीरक्रियाविज्ञान विभाग में निःशुल्क योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का बाह्य रोगी विभाग दिनांक 1.9.2009 से प्रारम्भ किया गया है।

यह सभी कार्य दिवसों में प्रातः 8.00 बजे से सायं 3.30 बजे (शनिवार प्रातः 8.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे) तक खुला रहता है।

यद्यपि कोविड-19 महामारी के कारण रिपोर्ट वर्ष की अवधि के दौरान बाह्य रोगी विभाग की कार्यप्रणाली बन्द रहीं।

बा.रो.वि. के कार्यकलापों का विवरण इस प्रकार है :-

क्र. सं.	कार्यकलाप	लामार्थी	अवधि	भाग लेने वालों की संख्या
1.	योग प्रशिक्षण	ओरल सर्जरी विभाग	एक सप्ताह	लगभग 30 लोग प्रतिदिन
2.	योग प्रशिक्षण एवं व्याख्यान	विद्यार्थी	एक सप्ताह	250 विद्यार्थी प्रतिदिन



3.	कोविड के बाद योग चिकित्सा	कोविड से उभरे लोग	तीन माह	लगभग 8 से 10 रोगी प्रतिदिन
4.	प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का आयोजन	योग कर रहे रोगी और जनसाधारण	एक दिन	लगभग 60 से 70 प्रतिभागी
5.	बाल रोगियों के लिए योग (14 वर्ष की आयु तक)	बच्चे	महीने में एक दिन (प्रत्येक मंगलवार को)	1 से 2 बच्चे

13. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र

परिषद् भारत के विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी अस्पतालों/संगठनों/संस्थानों में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रों का संचालन कर रही है।

योगाभ्यास रोगों की रोकथाम एवं प्रबंधन तथा स्वास्थ्य उन्नयन के लिए भी परिषद् द्वारा संचालित बाह्य रोगी विभाग से बढ़ती हुई वर्तमान मांग को पूरा नहीं कर पा रही है। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि सरकारी अस्पताल/संगठन योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को एक पूरक चिकित्सा के रूप में जोड़ें तो वृहत पैमाने पर लाभान्वित हो सकते हैं। अन्ततोगत्वा यह रोगियों के विभिन्न प्रकार के रोगों के उपचार में सहायक होगा।

इससे एक समयावधि में विभिन्न रोगों के प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की प्रभावोत्पादकता के अच्छे खासे अनुसंधानिक आँकड़े एकत्र किए जा सकते हैं क्योंकि इस क्षेत्र में विशेषज्ञ हैं, जो योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में मानक अनुसंधान करने के लिए आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध करा सकते हैं। परिषद् भारत के विभिन्न भागों में निम्नलिखित योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा देखभाल केन्द्रों की स्थापना कर चुकी है:-

(क) योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र, क्षेत्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान खुमुलवंग, जिरेनिया, अगरतला, त्रिपुरा

के.यो.प्रा.चि.अ.प. व के.हो.अ.प. के साथ एक समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। माननीय श्री श्रीपाद नाईक, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष मंत्रालय ने दिनांक 11.9.2017 को योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र के साथ क्षेत्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान, खुमुलवंग का उद्घाटन किया। यह स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र प्रातः 9 से सायं 4 बजे तक खुला रहता है।

यह स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रीय प्राकृतिक चिकित्सा के सभी आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है जैसे- मिट्टी चिकित्सा, जल चिकित्सा, मालिश चिकित्सा तथा आहार चिकित्सा आदि। चिकित्सकीय सलाह, नियमित रूप से सामान्य योग कक्षाएँ, चिकित्सीय योग कक्षाएँ, रोगियों के लिए प्राकृतिक चिकित्सा, उपचार सब इस स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र के क्रियाकलापों में सम्मिलित हैं। इस स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र पर योग कक्षाओं में साधकों को आसन, प्राणायाम, ध्यान आदि का अभ्यास तथा षट्कर्म की विधियाँ जैसे जलनेति, सूत्रनेति आदि सिखायी जाती हैं।

प्रतिवेदन की अवधि वर्ष 2021-22 में स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र में कुल 460 रोगी आये। वर्ष 2021-22 की अवधि में रोगी दिवसों की संख्या 2094 रही।

स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र के अन्तर्गत अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए इस प्रकार हैं:-

क्र. सं.	आयोजन कर्ता	कार्यकलाप/कार्यक्रम	सहभागिता करने वालों की संख्या
1.	बाह्य रोगी विभाग होमियोपैथी के कर्मचारीगण, योग हाल आर आर आई (एच) खुमुलवंग अगरतला	अ.यो.दि., 21 जून 2021	22
2.	रबी चरण ठाकुर पाड़ा त्रिपुरा पश्चिम-799045	दिनांक 29 अगस्त 2021 को योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा जागृति शिविर	44



क्र. सं.	आयोजन कर्ता	कार्यकलाप/कार्यक्रम	सहभागिता करने वालों की संख्या
3.	बाह्य रोगी विभाग होमियोपैथी के कर्मचारीगण, योग हाल आर आर आई (एच) खुमुलवंग अगरतला	बा.रो.वि., योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, आर आर आई (हो.) खुमुलवंग, अगरतला	12

(ख) योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, भोपाल, मध्य प्रदेश

विभिन्न विकृतियों विशेषकर असंक्रमाक विकृतियों के रोकथाम, प्रबंधन और पुनर्वास में एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए होम्योपैथी पद्धति होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल के साथ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को एकीकृत करने के उद्देश्य से निदेशक, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् तथा प्राचार्य एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, भोपाल ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र दिनांक 12.10.2017 से प्रारंभ हो चुका है तथा यह प्रातः 7.00 बजे से 2.00 बजे तक खुला रहता है।

स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र प्राकृतिक चिकित्सा के सभी उपकरणों जैसे मिट्टी चिकित्सा, जल चिकित्सा, मालिश चिकित्सा और आहार चिकित्सा आदि से सुसज्जित है। चिकित्सकीय सलाह, नियमित सामान्य योग कक्षाएँ, चिकित्सीय योग कक्षाएँ तथा रोगियों हेतु प्राकृतिक उपचार इस स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र के कार्यकलापों में सम्मिलित हैं।

प्रतिवेदन की अवधि में स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र में कुल 462 रोगी आये। वर्ष 2021-22 में योग कक्षाओं की संख्या 4048 रही। वर्ष के दौरान प्राकृतिक चिकित्सा का उपचार लेने वाले रोगियों की संख्या 2597 रही।

स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र की मुख्य गतिविधियां इस प्रकार हैं:-

- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का परामर्श एवं उपचार प्रदान करना
- सामान्य योग एवं योग उपचार कक्षाओं का संचालन।
- जनसाधारण में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागृति।
- राष्ट्रीय चैनल दूरदर्शन पर परिचर्चा एवं व्याख्यान देना।
- जागृति शिविरों एवं वेबिनार का आयोजन करना।

(ग) योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र, अ.भा.आ.सं., भुवनेश्वर, ओडिशा

निदेशक, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् तथा अ.भा.आ.सं., भुवनेश्वर के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र का प्रारम्भ दिनांक 20.11.2017 से हुआ। यह केन्द्र प्रातः 8.00 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक (शनिवार प्रातः 8.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक) खुला रहता है।

स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र प्राकृतिक चिकित्सा के सभी उपकरणों जैसे मिट्टी चिकित्सा, जल चिकित्सा, मालिश चिकित्सा और आहार चिकित्सा आदि से सुसज्जित है। चिकित्सकीय सलाह, नियमित सामान्य योग कक्षाएँ, चिकित्सीय योग कक्षाएँ तथा रोगियों हेतु प्राकृतिक चिकित्सा उपचार इस स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र के कार्यकलापों में सम्मिलित हैं।

प्रतिवेदन वर्ष की अवधि में स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र में कुल 5,689 रोगी आये। वर्ष 2021-22 के दौरान रोगी दिवसों की संख्या 8643 रही।

क्र.सं.	दिनांक	कार्यकलाप के नाम	सहभागियों की संख्या	स्थल
1.	21.06.2021	7वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस	72	एम्स भुवनेश्वर
2.	08 से 15.09.2021	स्वास्थ्य जागृति शिविर	238	
3.	08.03.2021	महिला दिवस समारोह	33	



14. प्रचारात्मक गतिविधियाँ

परिषद् सीधे स्वयं या अन्य संगठनों के सहयोग से जनसाधारण एवं अनुसंधानकर्ताओं के लाभार्थ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के उन्नयन, प्रचार-प्रसार तथा इसके विज्ञानपरक ज्ञान के विस्तार हेतु विभिन्न गतिविधियों का संचालन करती है। इन गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:-

(i) आरोग्य / प्रदर्शनी / स्वास्थ्य मेलों में सहभागिता

परिषद् योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की रोगोपचार संभावनाओं और उपचार प्रणाली को आयुष मंत्रालय द्वारा देशभर में आयोजित आरोग्य तथा अन्य स्वास्थ्य मेलों में स्वास्थ्य देखभाल हेतु इन पारंपरिक कालजयी धरोहरों एवं पद्धतियों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए पूर्ण सक्रियता से प्रदर्शित करती है। इस वर्ष के दौरान इस तरह के आयोजनों में प्रदर्शित की गयी गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:-

- क) योग प्रदर्शनी।
- ख) पोस्टरों व ट्रांसलाइट्स के द्वारा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विधियों की प्रदर्शनी।
- ग) प्रचार-प्रसार सामग्री का निःशुल्क वितरण।
- घ) परिषद् के प्रकाशनों एवं सीडी का विक्रय।
- ङ) निःशुल्क परामर्श।
- च) योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की विधियों एवं उपचारों का टी.वी. द्वारा प्रदर्शन।

प्रतिवेदन की अवधि में परिषद् द्वारा आरोग्य तथा प्रदर्शनी में भागीदारी की तालिका नीचे दी गई है:

क्र. सं.	कार्यक्रम	दिनांक	आयोजन	स्थान
1.	राज्य स्तरीय आरोग्य मेला	25-27 सितंबर, 2021	हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच)	इंडिया एक्सपो सेंटर एंड - मार्ट (आईईएमएल), ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश
2.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रदर्शनी	28 से 31 अक्टूबर, 2021	सेंट्रल कलकत्ता साइंस एंड कल्चर ऑर्गनाइजेशन फॉर यूथ (सीसीएसडीएससीओ वाई), कोलकाता	कोलकाता
3.	आयुर्वेद दिवस 2021 (धनतेरस) पर धन्वंतरि जयंती	1 से 2 नवंबर, 2021	वैद्य श्री राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर, राजस्थान
4.	आयुर्वेद पर्व	12 से 14 नवंबर, 2021	अखिल भारतीय आयुर्वेदिक कांग्रेस (एआईएसी)	चंडीगढ़
5.	40वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ)	14 से 27 नवंबर 2021	आईआईटीएफ	प्रगति मैदान, नई दिल्ली
6.	आयुर्वेद पर्व	26 से 28 नवंबर, 2021	अखिल भारतीय आयुर्वेदिक कांग्रेस (एआईएसी)	कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब, रफी मार्ग, दिल्ली
7.	"पीआईटीईएक्स"	2 से 6 दिसंबर, 2021	पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, चंडीगढ़	अमृतसर - पंजाब



8.	आयुर्वेद पर्व	3 से 5 दिसंबर, 2021	अखिल भारतीय आयुर्वेदिक कांग्रेस (एआईएसी)	राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, जलुकबरी, गुवाहाटी, असम
9.	राष्ट्रीय स्तर का आरोग्य मेला	8 से 12 दिसंबर, 2021	तरुण्य शिक्षा सेवा ट्रस्ट (टीएसएसटी), जिग्नासा	बेंगलुरु, कर्नाटक
10.	भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव	10 से 13 दिसंबर, 2021	विभा (वीआईबीएचए), दिल्ली	पणजी, गोवा
11.	आयुर्वेद पर्व (आईआईएसएफ)-2021	11 से 13 दिसंबर, 2021	अखिल भारतीय आयुर्वेदिक कांग्रेस (एआईएसी)	इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, राजगीर, नालंदा (राजगीर), बिहार, बिहार सरकार।
12.	राज्य स्तरीय आरोग्य मेला	24 से 26 मार्च, 2022	इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी), कोलकाता	सिल्वर ओक लॉन हैबिटेड वर्ल्ड इंडिया हैबिटेड सेंटर (आईएचसी), लोधी रोड, नई दिल्ली
13.	आयुष पवेलियन- शाइनिंग	25 से 27 मार्च, 2022	संसा फाउंडेशन	फलटन, महाराष्ट्र

(ii) कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलन

परिषद् भारतवर्ष में स्थानीय लोगों के बीच योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति की रोग निवारण एवं रोकथाम की संभाव्य क्षमताओं के प्रति जागृति उत्पन्न करने के लक्ष्य से इनके प्रचार-प्रसार हेतु कार्यशालाओं / संगोष्ठियों / सम्मेलनों का आयोजन करती रहती है। साथ ही साथ ये गतिविधियाँ इस पद्धति और अन्य पद्धतियों के चिकित्सकों को साझा मंच प्रदान करती हैं।

यद्यपि कोविड-19 महामारी के बचाव में भारत सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण कार्यशालाएँ/ संगोष्ठियाँ / सम्मेलनों को वास्तविक रूप से आयोजित नहीं किया गया परन्तु परिषद् ने भारत सरकार द्वारा जारी कोविड-19 के मार्गदर्शनों का अनुपालन करते हुए निम्नलिखित वर्चुअल वेबिनारों का आयोजन किया :-

क) महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए योग

परिषद् ने स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करने के उद्देश्य से 'महिला स्वास्थ्य के लिए योग' पर एक वेबिनार की मेजबानी की। विशेषज्ञों में, फिजियोलॉजिस्ट, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक और योग विशेषज्ञ शामिल थे। वेबिनार दिनांक 7 अप्रैल 2021 को सुबह 10.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे के बीच आयोजित की गई।

डॉ. राघवेंद्र राव एम, निदेशक, के.यो.प्रा.चि.अ.प. ने कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया और कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों, वक्ताओं और उपस्थित लोगों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि श्री रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय ने प्रारंभिक टिपपणी करते हुए कहा कि सभी आर्थिक गतिविधियों के पीछे महिलाओं की भूमिका प्रमुख है और योग महिलाओं के अच्छे स्वास्थ्य जीवन के लिए बहुत आवश्यक है।

तकनीकी सत्र में डॉ. सुनीता मंडल, निदेशक, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, फिजियोलॉजी विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली ने तनाव प्रबंधन पर बात की और महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए इसके महत्त्व, महिलाओं के जीवन तनाव के कारकों के योगदान से लेकर तनाव की फिजियोलॉजी, इसके लाभकारी और हानिकारक प्रभाव और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए कैसे इसे संयमित (कम करने) की आवश्यकता है पर बोली। डॉ. रवि मेहता, अयंगर योगाचार्य, मुम्बई- मासिक धर्म के दौरान दर्द में योग के प्रभाव के बारे में बताया। डॉ. लता वेंकटरमण, एक प्रसिद्ध प्रसूति रोग विशेषज्ञ और स्त्री रोग विशेषज्ञ (गायनाक्लोजिस्ट) और रैंगडोर मेमोरियल अस्पताल, बेंगलूरु में एक प्रमुख सलाहकार ने रजोनिवृत्ति के शारीरिक परिपेक्ष्य और रजोनिवृत्ति के दौरान जटिलताओं में तनाव के योगदान पर व्यापक दृष्टिकोण दिया। डॉ.



मीणा चन्द्रा, मनोचिकित्सा के एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल नई दिल्ली ने प्रसव पूर्व अवसाद से जुड़े स्टिग्मा अवसाद के चरणों/स्तरों और इसके संकेतो व लक्षणों के बारे में बताया।

ख) अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (अ.यो.दि.) 2021 के दौरान आयोजित हुई वेबिनार

परिषद् द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 को विशेष बनाने के लिए दिनांक 14 से 18 जून 2021 तक पाँच शृंखलाबद्ध वेबिनारों का आयोजन किया। डॉ. राघवेन्द्र राव एम, निदेशक, के.यो.प्रा.चि.अ.प. ने मुख्य अतिथि डॉ. एच. आर. नागेन्द्र, कुलपति, एस व्यासा; विशिष्ट (सम्मानित) अतिथि श्री विक्रम सिंह, निदेशक, आयुष मंत्रालय तथा प्रख्यात पैनललिस्टों का उद्घाटन सत्र में स्वागत किया। डॉ. राघवेन्द्र राव एम. ने यह बात साझा की कि किस प्रकार योग बहुआयामी तरीके से कोविड-19 के रोगियों में व्याघ्रता अवसाद, तनाव को कम करने, फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार करने, रोग प्रतिरोध क्षमता को संतुलन करने में सहायता कर सकता है। डॉ. एच आर नागेन्द्र ने योग में शोध की जरूरत पर बल देते हुए महामारी के वर्तमान परिदृश्य शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के प्रबंधन में योग की भूमिका पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि श्री विक्रम सिंह, निदेशक, आयुष मंत्रालय ने सभी को सामान्य योग अभ्यासक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

- **प्रथम वेबिनार :** 'कोविड हेतु योग' पर दिनांक 14 जून 2021 को आयोजित की गई। डॉ. के. के. दीपक, शरीरक्रियाविज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्था; डॉ. विशाल राव, सिर एवं ग्रीवा शल्य चिकित्सक, एच सी जी इंटरप्राइजेज तथा डॉ. एन मानवलन, प्रिंसिपल राजकीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा मेडिकल कॉलेज, तमिलनाडु इस वेबिनार के पैनलिस्ट थे तथा डॉ. मन्जुनाथ एन के, निदेशक, एस व्यासा ने सत्र का संचालन किया।

- **द्वितीय वेबिनार :** 'श्वसन स्वास्थ्य और रोगक्षमता में योग' पर दिनांक 15 जून 2021 को की गई। डॉ. एस एस कविता गुलाटी, फार्माकॉलॉजी विभाग, वल्लभभाई पटेल चैस्ट संस्थान; डॉ. नागरतना, चिकित्सा निदेशक, एस व्यासा और डॉ. के. के. दीपक, शरीरक्रियाविज्ञान विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्था, नई दिल्ली; इस वेबिनार के पैनलिस्ट थे तथा डॉ. अपार साओजी, सहायक प्रोफेसर, एस व्यासा ने सत्र का संचालन किया।

- **तृतीय वेबिनार :** 'स्वास्थ्य हृदय के लिए योग' पर दिनांक 16 जून 2021 को आयोजित की गई। डॉ. एस सी मनचन्दा, वरिष्ठ परामर्शदाता, हृदय रोग विभाग, सर गंगाराम हॉस्पिटल; डॉ. प्रभाकरन दोरायराज, जीर्ण रोग नियंत्रण केन्द्र, नैदानिक परीक्षण विभाग; डॉ. पी पी मोनन, अध्यक्ष, कॉर्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इण्डिया; डॉ. एस टी वैक्कटश्वरन, प्रोफेसर, योग विभागाध्यक्ष, राजकीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा मेडिकल कॉलेज तथा डॉ. नवीन, निदेशक, योगक्षेम तनाव एवं जीवनशैली क्लीनिक इस वेबिनार के पैनललिस्ट्स थे तथा डॉ. ए एम चन्द्रशेखरन, जीर्ण रोग नियंत्रण केन्द्र ने सत्र का संचालन किया।

- **चतुर्थ वेबिनार :** 'कैंसर के लिए योग' दिनांक 17 जून 2021 को आयोजित की गई। डॉ. के एस गोपीनाथ, सर्जिकल ऑन्कोलाजिस्ट केयर ग्लोबल एन्टरप्राइजेज बैंगलूरु; डॉ. रमेश बिलिमग्गा, परामर्शदाता विकिरण ऑन्कोलाजिस्ट और चिकित्सा निदेशक, हैल्थ केयर ग्लोबल एन्टरप्राइजेज; डॉ. नवीन सेलिन्स, प्रोफेसर एवं मुखिया प्रशासक चिकित्सा एवं सहायक देखभाल विभाग, कस्तुरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल; डॉ. बृन्दा सीताराम, साइको- ऑन्कोलाजिस्ट, हैल्थ केयर ग्लोबल एन्टरप्राइजेज लिमिटेड इस वेबिनार के पैनललिस्ट्स थे तथा डॉ. सपना बैरी, परामर्शदाता योग, एच सी जी हॉस्पिटल ने सत्र का संचालन किया।

- **पंचम वेबिनार :** 'मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग' पर दिनांक 18 जून 2021 को आयोजित की गई। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान बैंगलूरु के डॉ. बी. एन. गंगाधर, डॉ. शिवराम वावरमबल्ली, डॉ. आरती जगन्नाथ, डॉ. हेमन्त भार्गव इस वेबिनार के पैनललिस्ट्स थे तथा डॉ. इन्दराज, पीएचडी स्कॉलर, निम्हांस, बैंगलूरु ने इस सत्र का संचालन किया।



iii. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम

क) योग स्वास्थ्य शिक्षण कार्यक्रम (वाई एच ई पी)

परिषद् लोगों में योग से स्वास्थ्य लाभ के प्रति अधिक जानकारी उत्पन्न करने के उद्देश्य से अपने मुख्यालय में एक माह के लघु अवधि का योग स्वास्थ्य शिक्षण कार्यक्रम का संचालन कर रही है। कार्यक्रम प्रतिमाह की पहली तिथि से प्रारंभ होता है और 1000/- (एक हजार) रुपये प्रति साधक की दर से पाठ्यक्रम की शुल्क के रूप में लिया जाता है।

(ख) प्राकृतिक चिकित्सा सहायक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (टी ए टी सी)

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, प्राकृतिक चिकित्सालय, रोहिणी, दिल्ली में एक पूर्णकालिक एवं कैरियर उन्मुख एक वर्ष की अवधि का 'चिकित्सा सहायक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (टी ए टी सी)' का संचालन कर रही है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सालयों, स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रों तथा आयुष के अन्य अस्पतालों में प्राकृतिक चिकित्सा सहायक के रूप में कार्य करने हेतु प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में प्रशिक्षित जनशक्ति सृजित करना है। इस पाठ्यक्रम में कुल सीटों की संख्या 20 है (10 पुरुष और 10 महिला)।

15. परिषद् के प्रकाशन

परिषद् जनसाधारण के लाभार्थ विभिन्न निःशुल्क प्रकाशनों के साथ-साथ विक्रय हेतु पुस्तकों का भी प्रकाशन कर रही है। योग और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रपत्र लोगों में काफी लोकप्रिय हैं। परिषद् द्वारा रोग विशेष पर प्रकाशित लघु पुस्तकों जैसे मोटापा, उच्च रक्तचाप, अंकुरित आहार, अनमोल बोल आदि की आरोग्य एवं अन्य स्वास्थ्य मेलों में अत्यधिक माँग रहती है।

परिषद् के हिंदी प्रकाशनों की संख्या अंग्रेजी प्रकाशनों से अधिक है। परिषद् द्वारा विक्रय किये जाने वाले प्रकाशनों की भी काफी माँग है। परिषद् के कुछ प्रकाशन जैसे— साधारण रोगों की यौगिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा, विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा, व्यावहारिक प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा की आवश्यक उपचार विधियाँ आदि अत्यन्त लोकप्रिय हैं।

परिषद् द्वारा बनायी गयी योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की हिंदी तथा अंग्रेजी सी.डी. की भी बहुत माँग है। परिषद् के निःशुल्क प्रकाशनों की सूची निम्नलिखित है:-

(क) निःशुल्क प्रकाशन :

1. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (हिंदी व अंग्रेजी)
2. योग एक परिचय (हिंदी व अंग्रेजी)
3. प्राकृतिक चिकित्सा एक परिचय (हिंदी व अंग्रेजी)
4. परिषद् की विवरणिका (हिंदी व अंग्रेजी)
5. सूर्य नमस्कार चार्ट (हिंदी व अंग्रेजी)
6. योगासन चार्ट (हिंदी व अंग्रेजी)
7. मिट्टी चिकित्सा (हिंदी)
8. स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक बातें (हिंदी)
9. अंकुरित आहार (हिंदी व अंग्रेजी)



10. उच्च रक्तचाप (हिंदी व अंग्रेजी)
11. मोटापा (हिंदी व अंग्रेजी)
12. दमा (हिंदी व अंग्रेजी)
13. संधिवात (हिंदी व अंग्रेजी)
14. स्वस्थ जीवन की कला (हिंदी व अंग्रेजी)
15. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की संकल्पना (अंग्रेजी)
16. मधुमेह उपचार (हिंदी व अंग्रेजी)
17. अनमोल बोल (हिंदी)
18. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (हिंदी व अंग्रेजी)
19. गंभीर मानसिक विकारों और स्थिर हृदय रोगियों के लिए योग विज्ञप्ति (हिंदी व अंग्रेजी)

(ख) विक्रय हेतु प्रकाशन:

क्र. सं.	पुस्तक का शीर्षक	भाषा	मूल्य (रु. में)
1.	साधारण रोगों की यौगिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा	हिंदी	30 / -
2.	आदि ऊर्जा प्राण	हिंदी	100 / -
3.	व्यावहारिक प्राकृतिक चिकित्सा	हिंदी	120 / -
4.	विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा	हिंदी	05 / -
5.	वैदिक वाङ्मय में प्राकृतिक चिकित्सा (भाग-1)	हिंदी	175 / -
6.	वैदिक वाङ्मय में प्राकृतिक चिकित्सा (भाग-2)	हिंदी	175 / -
7.	प्राकृतिक चिकित्सा की आवश्यक उपचार विधियाँ	हिंदी	30 / -
8.	पातंजल योग सूत्र भाष्य विवरण	हिंदी	150 / -
9.	मनुष्य में प्राण के आयाम	हिंदी	180 / -
10.	नाड़ी तंत्र एवं प्राण	हिंदी	200 / -
11.	प्राकृतिक चिकित्सा दर्शन एवं व्यवहार	हिंदी	160 / -
12.	समग्र स्वास्थ्य के लिए योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	हिंदी	**40 / -
13.	योग चिकित्सा एवं प्राकृतिक चिकित्सा (सीडी)	हिंदी / अंग्रेजी	50 / -
14.	परिषद् की अनुसंधान गतिविधियाँ (सीडी)	हिंदी / अंग्रेजी	50 / -
15.	यौगिक एण्ड नेचुरोपैथिक ट्रीटमेंट फॉर कॉमन एलमेंट्स	हिंदी	30 / -
16.	हेल्थ एजुकेशन फॉर स्टूडेंट्स	हिंदी	05 / -
17.	इम्पोर्टेंट थेराप्युटिक मोडेलिटीज़ यूज्ड इन नेचुरोपैथी	हिंदी	30 / -
18.	योग एण्ड नेचुरोपैथी फॉर होल्स्टिक हैल्थ	हिंदी	**40 / -



परिषद् 9 पुस्तकों तक की खरीद पर 10 प्रतिशत की छूट तथा 10 या 10 से अधिक पुस्तकों की खरीद पर 25 प्रतिशत की छूट प्रदान करती है। सी.डी. की खरीद पर यह छूट उपलब्ध नहीं है।

** (विशेष छूट के बाद मूल्य 20/-)

16. अन्य गतिविधियाँ

(क) चतुर्थ प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का आयोजन

भारत सरकार द्वारा जारी कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए के.यो.प्रा.चि.अ.सं. रोहिणी में दिनांक 18 नवम्बर 2021 को चतुर्थ प्राकृतिक चिकित्सा दिवस-2021 का आयोजन किया गया। प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का विषय- 'पोषण आहार एवं रोग मुक्त भारत' था। इस अवसर पर प्राकृतिक आहार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, टीएटीसी विद्यार्थियों द्वारा प्राकृतिक आहार की 18 व्यंजन विधियों को तैयार किया गया। डॉ. राघवेन्द्र राव एम. निदेशक, के.यो.प्रा.चि.अ.प. समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के इस आयोजन के अवसर पर डॉ. राघवेन्द्र राव एम. ने आठवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 के दौरान आयोजित जिंगल प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 25,000/- (पच्चीस हजार) रु. नकद व प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

(ख) राजभाषा कार्यान्वयन समिति

परिषद् की राजभाषा कार्यान्वयन समिति केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के निदेशक की अध्यक्षता में कार्यरत है। यह समिति परिषद् में राजभाषा के अधिनियम, नीतियाँ, नियम, आदेशों, कार्यक्रमों आदि के कार्यान्वयन की प्रगति का नियमित रूप से पुनरावलोकन करती रहती है तथा परिषद् में हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि एवं बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर सुझाव देती है। प्रतिवेदन वर्ष की अवधि के दौरान उपर्युक्त समिति की चार बैठकें क्रमशः 25.06.2021, 23.09.2021, 17.12.2021 तथा 23.03.2021 को सम्पन्न हुईं।

(ग) राजभाषा पखवाड़ा आयोजन

परिषद् के राजभाषा अनुभाग द्वारा परिषद् मुख्यालय में दिनांक 1 से 15 सितंबर 2021 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। निदेशक महोदय ने माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा प्रेषित राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने में गृह मंत्रालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों की रूपरेखा और वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय द्वारा प्रेषित राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के प्रयोग तथा कोविड-19 की महामारी के बचाव हेतु जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एस ओ पी) के अनुपालन के अनुग्रह के संदेशों को सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के समक्ष पढ़ा। इस अवसर पर निदेशक, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने कर्मचारीगणों से अनुग्रह किया कि सभी अपना दैनिक कार्य अधिक से अधिक हिंदी में करें और राजभाषा हिंदी के प्रयोग की इस प्रवृत्ति को अपनी आदत में सम्मिलित करें। निदेशक महोदय, डॉ. राघवेन्द्र राव एम ने सभी अधिकारियों / कर्मचारियों को भारत सरकार द्वारा जारी कोविड-19 महामारी के बचाव के लिए जारी मार्गदर्शनों व मानक संचालन प्रक्रिया (एस ओ पी) का सख्ती से अनुपालन करने का अनुग्रह किया। राघवेन्द्र राव एम ने भी सभी को हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया हिंदी पखवाड़े में हिंदी से संबंधित विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रम जैसे हिंदी निबंध, हिंदी ज्ञान, हिंदी भाषा अनुवाद, श्रुतलेख, हिंदी टंकण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी अधिकारियों / कर्मचारियों ने भी इन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

(घ) हिंदी कार्यशाला एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियाँ

कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग में वृद्धि करने और अधिकारियों / कर्मचारियों को इसे कार्यालय के प्रयोग हेतु सहज व सुगम बनाने के उद्देश्य से परिषद् समय-समय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन करती है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया:-

i 'राजभाषा (हिंदी) का सम्पूर्ण परिचय' विषय पर कार्यशाला

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में दिनांक 18 अगस्त 2021 को 'राजभाषा (हिंदी) का सम्पूर्ण परिचय' विषय पर एक पूर्ण दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर परिषद् के निदेशक, डॉ. राघवेन्द्र राव एम ने



उपस्थिति सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिये हमें राजभाषा हिंदी को दिल से अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि यदि हम निरन्तर नई तकनीकों को अपनाते हुए हिंदी का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करेंगे तो हर कार्य सरल हो जायेगा। कार्यशाला में दो अलग-अलग सत्रों में श्री सुमेर सिंह प्रबंधक(रा.भा.) भा.रा.रा.मा.प्रा.(एन एच ए आई) द्वारा परिषद् के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। श्री सतीश कुमार, क.हि.अ. ने कार्यशाला का संचालन किया और कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को हिंदी के सहज प्रयोग के महत्त्व के बारे में बताया।

ii 'राजभाषा (हिंदी) नीति एवं पारिभाषिक शब्दावली' विषय पर कार्यशाला

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के दिनांक 28 दिसम्बर 2021 को 'राजभाषा (हिंदी) नीति एवं पारिभाषिक शब्दावली' विषय पर एक पूर्ण दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर परिषद् के निदेशक, डॉ. राघवेन्द्र राव एम. ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए हमें राजभाषा हिंदी को हृदय से अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि यदि हम जहाँ तक संभव हो हम सहज हिंदी व पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग करते हैं तो हिंदी में सभी प्रकार के कार्यों को करना बड़ा ही सहज व सरल हो जाएगा। कार्यशाला में दो अलग-अलग सत्रों में श्री सुमेर सिंह, प्रबंधक (रा.भा.) भा.रा.प्रा. (एन एच ए आई) द्वारा परिषद् के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। श्री सतीश कुमार, क.हि.अ. ने कार्यशाला का संचालन किया और हिंदी के प्रयोग के महत्त्व के बारे में बताया। श्री सुरेन्द्र सन्धू स.नि.(योग) ने भी कार्यशाला के सभी प्रतिभागियों से अनुग्रह किया वे सरल व सहज शब्दों का प्रयोग सरकारी काम-काज में करें ताकि अन्य भी प्रेरित हों और हिंदी प्रचारित हो।

(ड) सतर्कता जागरूकता सप्ताह

परिषद् में दिनांक 26 अक्तूबर से 01 नवम्बर, 2021 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। परिषद् ने सभी अधिकारियों / कर्मचारियों को सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार को रोकने, इसके विरुद्ध लड़ने और जनसाधारण में भ्रष्टाचार के होने के कारणों की व्यापकता व भ्रष्टाचार द्वारा उत्पन्न खतरों के रोकथाम में सम्मिलित होने के लिए प्रोत्साहित किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह की विषयवस्तु 'इन्डेपेंडेंट इण्डिया / 75 सत्यनिष्ठा के साथ आत्मनिर्भरता' थी। परिषद् के समस्त अधिकारियों / कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की शपथ ली।

(च) अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने 08 मार्च 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कई प्रकार की प्रतियोगिताओं जैसे— वाद-विवाद, निबंध लेखन, वाग्मिता आदि का आयोजन किया गया और निदेशक, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने महिला कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए।

(छ) सूचना अधिकार अधिनियम (आरटीआई)

वर्ष की अवधि में परिषद् ने सीधे अथवा आयुष मंत्रालय तथा अन्य विभागों द्वारा स्थानांतरित सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त 251 आवेदन और 14 अपीलें प्राप्त की जिनका प्रत्युत्तर समयानुसार दे दिया गया। केन्द्रीय सूचना आयोग से कोई निर्णय प्राप्त नहीं हुआ।

(ज) संविधान दिवस आयोजन

भारत में प्रतिवर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। दिनांक 26 नवम्बर, 1949 को संविधान सभा द्वारा संविधान को स्वीकार कर लिया गया था जिसे 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारतीय संविधान के जनक हैं। कर्मचारियों के बीच संविधान के मूल्यों के प्रति आस्था में वृद्धि करने के उद्देश्य से दिनांक 27 नवंबर 2021 को संविधान की प्रस्तावना को कार्यालय में पढ़कर संविधान दिवस मनाया गया।

(झ) सदभावना दिवस का आयोजन

परिषद् ने दिनांक 20 अगस्त 2021 को समाज में प्यार और भाई-चारा फैलाने की शपथ लेकर सदभावना दिवस मनाया।



17. परिषद् की भविष्य की योजना

मनोशारीरिक चिकित्सा के सहयोगात्मक अनुसंधान केन्द्रों की स्थापना

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में वैज्ञानिक तर्ज पर अनुसंधान के सूत्रीकरण समन्वय विकास और संवर्धन के लिए एक शीर्ष संगठन है। परिषद् राष्ट्रीय प्राथमिकता प्राप्त रोगों के क्षेत्र में अनुसंधान का प्रसार करने खासकर असंक्रामक रोग (एन सी डी) और मुख्यतः योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा उपचार की प्रक्रिया के विभिन्न स्तर अर्थात् सैल्यूलर स्तर, शारीरिक स्तर आदि के साक्ष्य आधारित अनुप्रयोग को स्थापित करने के प्रति प्रतिबद्ध है। इस तरह के साक्ष्य आदि आधारित उपचार मुख्य रूप से मनोवैज्ञानिक गड़बड़ी को कम करने, जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने, रोग की पीड़ा कम करने, उपचार की विषाक्तता और जटिलताओं को कम करने, रोगों के पैरामीटर (मापदण्डों) आदि में सुधार लाने के लिए रोगियों को दिये जाते हैं।

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् एम्स/स्नातकोत्तर संस्थानों और राष्ट्रीय महत्व की संस्थानों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देना चाहती है ताकि व्यवस्थित अनुसंधान के माध्यम से इन मनोशारीरिक (माइंड बॉडी) आयामों के नैदानिक उपचारों को एकीकृत करने के मुद्दों एवं विषयों को आगे बढ़ाया जा सके।

परिषद् ने निम्नलिखित संस्थाओं से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर योग के द्वारा मनोशारीरिक हस्तक्षेप के लिए सहयोगात्मक केन्द्रों की स्थापना की है:-

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर, छत्तीसगढ़।
2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), ऋषिकेश, उत्तराखंड।
3. स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर) चण्डीगढ़।

**ANNUAL REPORT
AND
AUDITED ACCOUNTS
2021-22**



Central Council for Research in Yoga & Naturopathy
(Ministry of AYUSH, Govt. of India)

61-65, Institutional Area, Janakpuri, NEW DELHI -110058

Ph: 011-28520429, 30, 31, 32

E-mail: director-ccryn@nic.in, ccryn.goi@gmail.com

Website: www.ccryn.gov.in





S.No.	Particulars	Page No.
1	Preface	5-6
2	Administrative Report	7
3	Background	7-8
4	Administrative Set Up	9
5	Governing Body (GB)	10-12
6	Standing Finance Committee (SFC)	13-14
7	Scientific Advisory Committee (SAC)	15-16
8	Institutional Ethics Committee (IEC)	17-18
9	Staffing Pattern	19
10	Budget Provisions	19
11	Technical Report	20
12	Establishment of Central Research Institutes of Yoga and Naturopathy (CRIYN)	20
13	Central Research Institutes of Yoga and Naturopathy, Rohini, Delhi	22
14	Status of other proposed (CRIYN)	22-23
15	Collaborative Research Centres (CRC)	24
16	Extra Mural Research (EMR)	25
17	Intra Mural Research (IMR)	25-28
18	Publications	28
19	Task Force	29
20	Establishment of Collaborative Research Centre for Mind Body Interventions through Yoga	29
21	Research Publications	29
22	International Day of Yoga (IDY)	30
23	Yoga & Naturopathy OPDs	30-34
24	Yoga & Naturopathy Wellness Centres	34-37
25	Propagational Activities	37
26	Participation in AROGYAs /Exhibitions/ Health Melas	37-39
27	Workshops/Seminars/Conferences	39



S.No.	Particulars	Page No.
28	Yoga and Naturopathy Training Programmes	40
29	Yoga Health Education Programme	40
30	Treatment Assistant Training Course (TATC)	40
31	Publications of the Council	41
32	Free Publications	41
33	Priced Publications	42
34	Other activities	43
35	4 th Naturopathy Day	43
36	Official Language Implementation Committee	43
37	Celebration of Raj Bhasha Fortnight	43
38	Hindi workshop and promotional Activities	43
39	Hindi Workshop on 'Introduction of Hindi in Details'	44
40	Hindi Workshop on 'Official Language Policy and Terminology'	44
41	Vigilance Awareness Week	44
42	Celebrations of International Women Day	44
43	Right To Information (RTI)	45
44	Constitution Day	45
45	Observation of Sadbhavna Diwas	45
46	Future Plans of Council	46
47	Establishment of Collaborative Research Centre for Mind Body Medicine	46
48	Audited Accounts	47-125
49	Report of CA	126-127
50	Audit Report	128-138



PREFACE

Yoga and Naturopathy are not only part and parcel of our traditional treatment systems of India for centuries but also an integral part of lifestyle. The same can be seen in our scriptural and archaeological evidences that these systems were flourishing and practiced in ancient civilizations of the Indian Subcontinent.

Evidently, Yoga is depicted in the seals of Indus valley civilization. Naturopathy treatment modalities such as hydrotherapy, heliotherapy, manipulative therapy, fasting therapy and acupuncture etc. found their place in Rigveda and Suchi Veda.

Both Yoga and Naturopathy have travelled through civilizations, consequently these systems have undergone modifications and acceptance of the masses beyond boundaries. These are widely acknowledged as a way of lifestyle for happy and contented life as well as systems of treatment globally.

Declaration of 21st June as International Day of Yoga and participation of number of countries in its celebration authenticates the importance and acceptance of Yoga globally. The last few decades have really shown the increasing pace of using practices of Yoga for promoting health, preventing disease, therapeutic and rehabilitative purposes. Professionals of both modern and traditional systems of medicine prescribe Yogic life style as adjuvant therapy for speedy recovery of patients. The research work carried out in the field of Yoga during the last 5 decades has further contributed in establishing its wellness potential to the satisfaction of the modern scientific community and researchers.

Like Yoga, Naturopathy is also one of the ancient and time-tested health care sciences which is widely practiced and accepted in India. Western countries also influenced advancements in treatment modalities of Naturopathy to a large extent. Yoga purifies the inner consciousness whereas Naturopathy purifies the body and balances the Panchamahabhootas. Prakriti Chikitsa or Naturopathy aims at harmonizing the imbalance in these five elements by providing treatment through Jala Chikitsa, Vayu Chikitsa, Agni Chikitsa, Aakash Chikitsa to normalize metabolism and Prithvi Chikitsa to detoxify the body. The practice of Nature cure therefore, helps to keep the body healthy for spiritual pursuits. The Naturopathy Day is observed on 18th November every year.

The Council has initiated the establishment of Central Research Institutions of Yoga and Naturopathy (CRIYN) with hospitals to serve the increasing demand of trained and qualified manpower in the field. The construction work for establishment of two **Central Research Institutes of Yoga & Naturopathy** at Jhajjar (Haryana) and Nagamangala (Karnataka) with **200 bedded Yoga & Naturopathy Hospital** has been completed. Out Patient Department and Yoga therapy has also been made functional in both CRIs. The Council is running 20 beds Yoga & Naturopathy Hospital in Rohini, Delhi in the premises provided by MCD on lease basis.



The Council had played an important role in observing seven IDY's in last eight years. Like previous years, Ministry of AYUSH decided to observe IDY-2021 by encouraging people to practice Yoga at their home, Yoga with Family keeping in view of Covid-19 pandemic. Considering the social distancing measures, it was decided to observe IDY 2021 with online events and competitions. Ideas were explored to use social and digital media platforms like Youtube, Facebook, twitter, Instagram etc. for organising various activities of IDY. In this regard, several rounds of meeting have taken place to organise online Jingle contest. An online survey to gauge the impact of IDY was also carried out as a part of IDY 2021 celebrations. The council also conducted a large survey to ascertain the impact of international day of yoga among the general public.

The Council has initiated surveys and multi-centric RCTs for evaluating the effects of Yoga interventions in the management of COVID - 19. Yoga has been tried to improve respiratory function, reduce airway reactivity and psychological stress and anxiety in these patients. The Council has also set up Center for mind body interventions through yoga at AIIMS Rishikesh, PGI Chandigarh and AIIMS Raipur. The Council has initiated establishment of collaborative research Centre for Mind Body Medicine for generating quality data for scientific validation of efficacy of Yoga and other mind body practices. Several research studies have commenced under this program. Council is in the process of expanding this program to cover other institutes as well.

The concerted and united efforts of the Council have resulted in greater promotion of Yoga & Naturopathy not only in our own country but all over the globe with active support and guidance of Ministry of AYUSH. It is hoped that with its limited manpower and resources, the activities of the Council will spread far and wide to reach the maximum people with support of the Govt./Non-Govt. organisations and scientific organisations in the years to come.

(Dr. Raghavendra Rao M.)

Director



ADMINISTRATIVE REPORT

1. BACKGROUND

Central Council for Research in Yoga & Naturopathy (CCRYN) is an autonomous institution for Research and Development in Yoga and Naturopathy, established in 1978 under the Societies Registration Act, 1860. The Council is fully funded by Ministry of AYUSH, Govt. of India. As per the Memorandum of Association, the objectives of the Council are as under:-

1. The formulation of aims and patterns of research on scientific lines in Yoga and Naturopathy.
2. To undertake any education, training, research and other programmes in Yoga and Naturopathy.
3. The prosecution of and assistance in research, the propagation of knowledge and experimental measures generally in connection with the causation, mode of spread and prevention of diseases.
4. To initiate, aid, develop and coordinate scientific research in different aspects, fundamental and applied of Yoga & Naturopathy and to promote and assist institutions of research for the study of diseases, their prevention, causation and remedy.
5. To finance enquiries and researches for the furtherance of objects of the Central Council.
6. To exchange information with other institutions, associations and societies interested in the objects similar to those of the Central Council and especially in observation and study of diseases in East and in India in particular.
7. To prepare, print, publish and exhibit any papers, posters, pamphlets, periodicals and books for furtherance of the objects of the Central Council and to contribute to such literature.
8. To issue appeals and make applications for money and funds in furtherance of the objects of the Central Council and to accept for the aforesaid purpose gifts, donations and subscriptions of cash and securities and of any property whether movable or immovable.
9. To borrow or raise monies with or without security or on security mortgage, charge, hypothecation or pledge of all or any of the immovable or movable properties belonging to the Central Council or in any other manner whatever.
10. To invest and deal with the funds and monies of the Central Council or entrusted to the Central Council not immediately required in such manner as may from time to time be determined by the Governing Body of the Central Council.

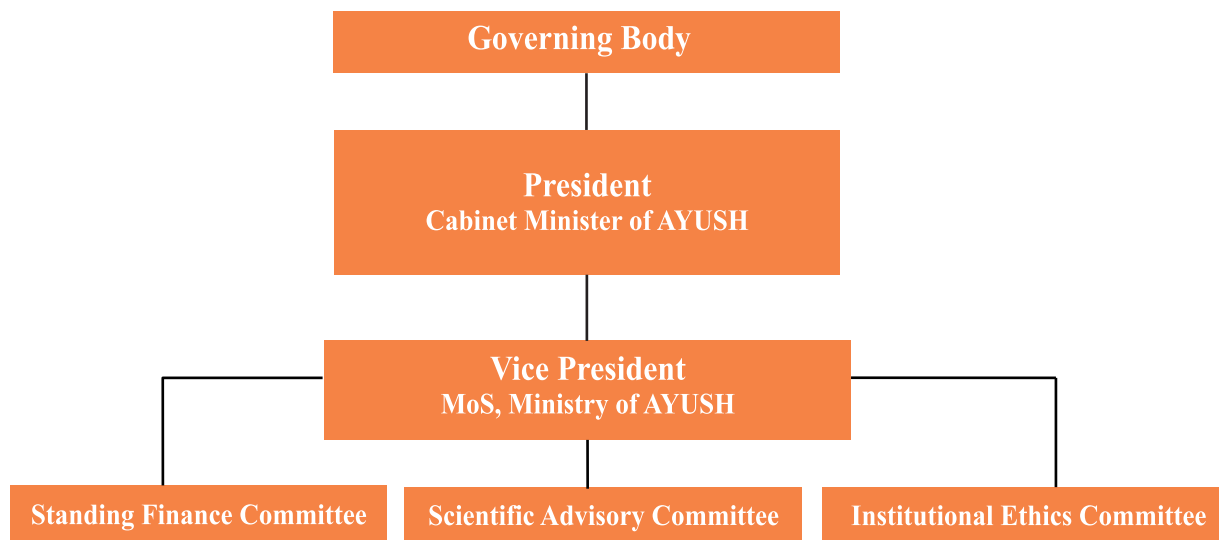


11. To permit the funds of the Central Council to be held by the Government of India.
12. To acquire and hold, whether temporarily or permanently any movable or immovable property necessary or convenient for the furtherance of the objects of the Central Council.
13. To sell, lease, mortgage and exchange and otherwise transfer any of the properties movable or immovable of the Central Council provided prior approval of the Central Government is obtained for the transfer of immovable property.
14. To purchase, construct, maintain and alter any buildings or works necessary or convenient for the purposes of the Central Council.
15. To undertake and accept the management of any endowment or trust fund or donation the undertaking or acceptance whereof may seem desirable.
16. To offer prizes and grant of scholarships, including traveling scholarships in furtherance of the objects of the Central Council.
17. To create administrative, technical and ministerial and other posts under the Society and to make appointments thereto in accordance with the rules and regulations of the Society.
18. To establish a provident fund and or pension fund for the benefit of the Central Council's employees and /or their family members.
19. To do all such other lawful things either alone or in conjunction with others as the Central Council may consider necessary or as being incidental or conducive to the attainment of the above objects.
20. To accreditate of teaching institutions conducting courses in Yoga & Naturopathy.

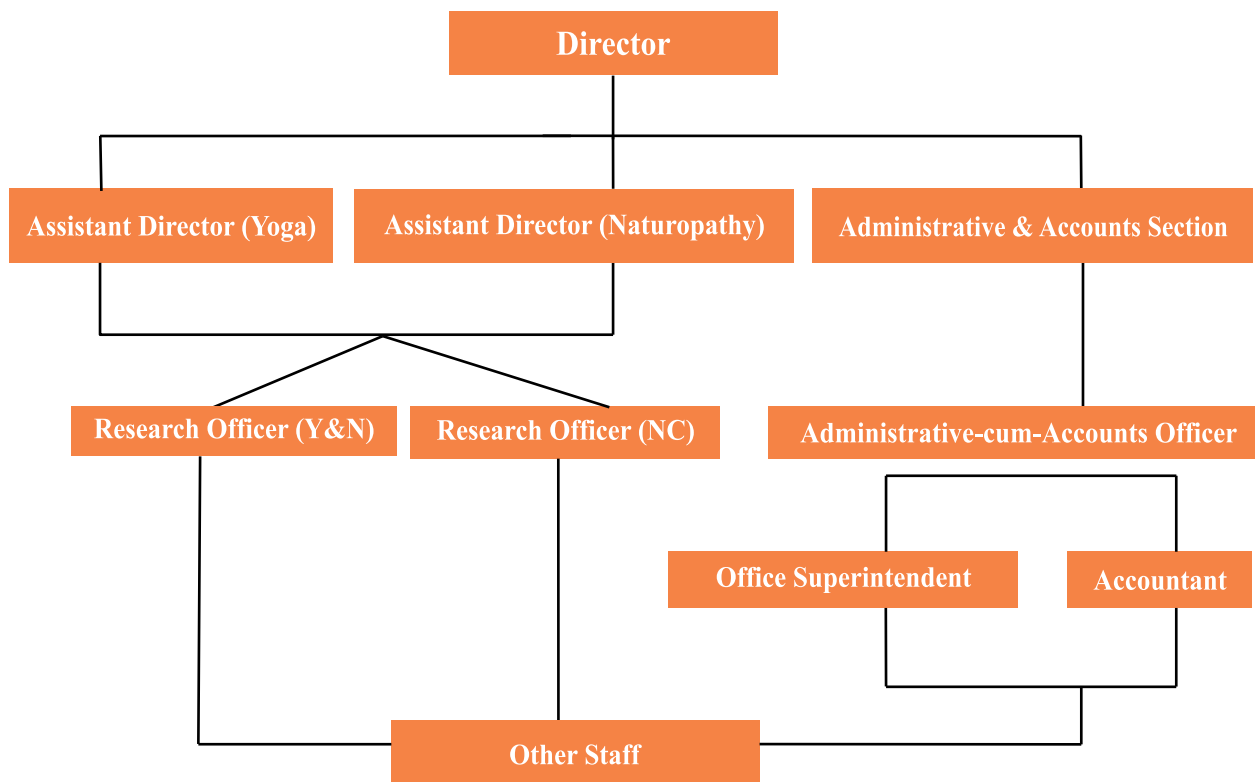


ADMINISTRATIVE SET UP

MANAGEMENT



ORGANISATIONAL SET UP





GOVERNING BODY (GB)

The Governing Body (GB) of the Council was re-constituted on 14.01.2022 for a period of three years by President of the Governing Body of the Council.

The constitution of Governing Body is as under:-

- | | | |
|----|----------------|-------------------------------------|
| 1. | President | Hon'ble Minister of AYUSH |
| 2. | Vice-President | Hon'ble Minister of State for AYUSH |

Official Members

- | | | |
|----|---|--|
| 1. | Secretary | Ministry of AYUSH |
| 2. | Special Secretary & Financial Adviser/AS & FA | Ministry of Health & Family Welfare |
| 3. | Joint Secretary/ S. S. (Naturopathy Wing) | Ministry of AYUSH |
| 4. | Joint Secretary (School Education) | Deptt. of Secondary & Higher Education |
| | | Ministry of Human Resource Development |
| 5. | Director | Morarji Desai National Institute of Yoga |
| 6. | Member Secretary | Director, Central Council for Research in Yoga & Naturopathy |

Non-official Members

- | | | |
|----|---|--|
| 1. | Four eminent experts of Yoga | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 2. | Four eminent experts of Naturopathy | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 3. | Two eminent experts of Modern Medicine | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 4. | Member of Lok Sabha/ Rajya Sabha
or an eminent citizen having interest
in the field of Yoga & Naturopathy | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |

The name and address of Governing Body members is as under:-

- | | | |
|----|---|----------------|
| 1. | Sh. Sarbananda Sonowal
Hon'ble Cabinet Minister,
Ministry of AYUSH | President |
| 2. | Dr. Munjpara Mahendrabhai Kalubhai
Hon'ble Minister of State for AYUSH,
Ministry of AYUSH | Vice-President |



Official Members

3.	Vaidya Rajesh Kotecha Secretary Ministry of AYUSH	Official Member
4.	Ms. Kavita Garg Joint Secretary Ministry of AYUSH	Official Member
5.	Dr. Dharmendra Singh Gangwar Special Secretary & Financial Adviser Ministry of Health & Family Welfare	Official Member
6.	Joint Secretary (School Education) Deptt. of Secondary & Higher Education Ministry of Human Resource Development	Official Member
7.	Dr. I V. Basavaraddi Director Morarji Desai National Institute of Yoga	Official Member
8.	Dr. Raghavendra Rao M. Director Central Council for Research in Yoga & Naturopathy	Member Secretary

Non-official Members

Yoga Expert

1.	Dr. H. R. Nagendra Chancellor Swami Vivekananda Yoga Anusandhan Sansthan 19, Eknath Bhavan, Gavipuram Circle Kempe Gowda Nagar, Bengaluru - 560019	-	Non Official Member
2.	Ms. Ekta Boudierlique Heartfulness Institute	-	Non Official Member
3.	Sh. S. Sridharan, Krishnamacharya Yoga Mandiram, Tamil Nadu	-	Non Official Member



- | | | | |
|----|--|---|---------------------|
| 4. | Ms. Kamlesh Barwal,
International Director,
Sri Sri Yoga | - | Non Official Member |
|----|--|---|---------------------|

Naturopathy Experts

- | | | | |
|----|--|---|---------------------|
| 5. | Dr. Prashant Shetty
Principal
SDM College of Naturopathy & Yogic Sciences
Ujire - 574240 (D.K.) Karnataka | - | Non Official Member |
| 6. | Dr. Anant Biradar,
President,
INO, Paschim Vihar,
New Delhi | - | Non Official Member |
| 7. | Dr. Gita Sharma,
Sant Hirdaram Medical College
Naturopathy & Yogic Sciences, Bhopal | - | Non Official Member |
| 8. | Dr. K. Satya Lakshmi
Director,
National Institute of Naturopathy, Pune | - | Non Official Member |

Expert from the field of Modern Medicine

- | | | | |
|-----|--|---|---------------------|
| 9. | Dr. B. N. Gangadhar,
President
Medical Assessment & Rating Board
National Medical Commission, New Delhi | - | Non Official Member |
| 10. | Dr. Bhanu Duggal,
Professor & Head
Deptt. Of Cardiology, AIIMS | - | Non Official Member |

Member form Lok Sabha / Rajya Sabha

- | | | | |
|-----|--|---|---------------------|
| 11. | Sh. Kamakhya Prasad Tasa,
Hon'ble MP
Rajya Sabha | - | Non Official Member |
|-----|--|---|---------------------|

No meeting of Governing Body was held during the year.



STANDING FINANCE COMMITTEE (SFC)

The Standing Finance Committee (SFC) of the Council was re-constituted on 16.02.2022 for a period of three years with the approval of Hon'ble MOS (IC), Ministry of AYUSH in his capacity as President of the Governing Body of the Council to formulate, examine and supervise the research, education and training programmes, and to examine financial matters for subsequent approval of the Governing Body of the Council.

The composition of Standing Finance Committee of CCRYN is as under:-

Official Members

- | | | |
|----|---|--------------------|
| 1. | Joint Secretary
Ministry of AYUSH | - Chairman |
| 2. | Representative of Special Secretary & FA
Ministry of Health & Family Welfare | - Member |
| 3. | Director
Central Council for Research in Yoga & Naturopathy | - Member Secretary |

Non-Official Members

- | | | |
|----|---------------------------------------|--|
| 1. | Two eminent experts of Yoga | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 2. | Two eminent experts of Naturopathy | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 3. | One eminent expert of Modern Medicine | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |

The name and address of Standing Finance Committee of CCRYN is as under:-

Official Members

- | | | |
|----|---|------------|
| 1. | Ms. Kavita Garg
Joint Secretary
Ministry of AYUSH | - Chairman |
| 2. | Sh. Rajkumar
Deputy Secretary
Representative of Special Secretary & FA
Ministry of Health & Family Welfare | - Member |



3. Dr. Raghavendra Rao M. - Member Secretary
Director
Central Council for Research in Yoga & Naturopathy

Non-Official Members

Yoga Experts

1. Dr. R. Nagarathna, - Member
S-VYASA University
Chief Medical Officer, Arogyadham,
Prashanti Kutiram, Vivekanand Road,
Kalluballu Post, Jigani, Anekal,
Bengaluru - 560105
2. Dr. Subramanya P. - Non-Official Member
Deptt. of Yoga Studies
Central University of Kerala

Naturopathy Experts

3. Dr. N. K. Manjunath, - Non-Official Member
S-VYASA University,
Bengaluru, Karnataka
4. Dr. Aklavya Bohra - Non-Official Member
Swasthya Kalyan Institute of
Yoga & Naturopathy College, Jaipur

Modern Medicine Experts

5. Dr. Shivarama Varambally, - Non-Official Member
National Institute of Mental Health
& Neuro Sciences (NIMHANS),
Bengaluru

The 40th and 41st meeting of SFC of CCRYN was held on 30.06.2021 and 07.03.2022 respectively under the Chairmanship of Joint Secretary, Ministry of AYUSH.



SCIENTIFIC ADVISORY COMMITTEE (SAC)

The Scientific Advisory Committee (SAC) of the Council was re-constituted on 08.08.2022 for a period of three years with the approval of Hon'ble MOS (IC), Ministry of AYUSH in his capacity as President of the Governing Body of the Council. The terms of reference of 'Scientific Advisory Committee (SAC)' are as follows:

- i. To suggest guidelines/policy and to decide priority areas in research both as - intra mural and collaborative research.
- ii. To review the work conducted by the Council under intra mural and collaborative research. The Committee may visit institutions to verify physical performance of the projects.
- iii. To offer suggestions and directions for collaborating with other reputed institutions to carry out identified research work.
- iv. To recommend discontinuation of the non-productive research work.
- v. To recommend appropriate areas for training programs and workshops etc. with the development of research protocols and modules for Council's technical staff to develop their research skills.
- vi. To suggest 'ways and means' viable for large scale dissemination of research outcome of CCRYN for the benefit of the public.
- vii. To examine other technical matters of the Council including Annual Report.
- viii. To recommend and monitor other research projects, other technical programs and to guide for their proper execution and other matters referred by the SFC/GB of the Council.

The composition of Scientific Advisory Committee of CCRYN is as under:-

Chairman

- | | |
|------------------------------|--|
| 1. An eminent expert of Yoga | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
|------------------------------|--|

Members

- | | |
|-------------------------------------|--|
| 1. Three experts of Yoga | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 2. Three experts of Naturopathy | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 3. Three experts of Modern Medicine | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |

Member Secretary

- | | |
|-------------|--|
| 1. Director | Central Council for Research in Yoga & Naturopathy |
|-------------|--|



The name and address of Scientific Advisory Committee members of CCRYN is as under:-

Non-Official Members

Yoga Experts

- | | | | |
|----|---|---|----------------------|
| 1. | Dr. H. R. Nagendra
Chancellor
SVYASA University, 19, Eknath Bhavan
Gavipuram Circle, Kempe Gowda Nagar
Bengaluru-560019 | - | Chairman |
| 2. | Dr. Ganesh Shankar Giri,
Professor & HOD
Dr. Harisingh Gour Central University
Sagar, Madhya Pradesh | - | Member |
| 3. | Dr. Navdeep Joshi,
Founder Nav Yoga Gram,
Uttarakhand | - | Non- Official Member |

Experts of Naturopathy

- | | | | |
|----|--|---|---------------------|
| 4. | Dr. N. K. Manjunath,
S-VYASA University,
Bengaluru, Karnataka | - | Non-Official Member |
| 5. | Dr. D. N. Sharma, M.D.
Aditya Naturopathy Hospital
& Research Institute, Kichcha | - | Member |

Experts of Modern Medicine

- | | | | |
|----|---|---|--------|
| 6. | Dr. Balakirshnan Menon, MD
Director, Vallabhbhai Patel,
Chest Institute, Delhi | - | Member |
| 7. | Dr. Piyush Ranjan,
MD,
Additional Prof. Deptt. of Medicine,
AIIMS, Delhi
Member Secretary | - | Member |

Member Secretary

- | | | | |
|----|---|--|--|
| 8. | Dr. Raghavendra Rao M.
Director, CCRYN | | |
|----|---|--|--|

The 8th Scientific Advisory Committee (SAC) meeting of CCRYN was held on 28th June 2021 under the Chairmanship of Dr. H. R. Nagendra, Chairman, SAC.



INSTITUTIONAL ETHICS COMMITTEE (IEC)

Institutional Ethics Committee (IEC) was re-constituted on 01.01.2021 for a period of three years with the approval of Hon'ble Minister of AYUSH in his capacity as Chairman of the Governing Body of the Council to examine and evaluate the research projects and other schemes.

The constitution of the Institutional Ethics Committee (IEC) is as under:-

Chairman

- | | | |
|----|--------------------------------------|--|
| 1. | An eminent expert of Modern Medicine | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
|----|--------------------------------------|--|

Members

- | | | |
|----|---|--|
| 2. | Two experts of Basic Medical Sciences | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 3. | Two expert Clinicians | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 4. | One Legal expert/Retired Judge | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 5. | One Social Scientist/Representative of NGOs | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 6. | One Philosopher/Ethicist/Theologian | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |
| 7. | One Lay Person from Community | Nominated by Hon'ble Minister of AYUSH |

Member Secretary

- | | | |
|----|----------|--|
| 8. | Director | Central Council for Research in Yoga & Naturopathy |
|----|----------|--|

The name and address of Institutional Ethics Committee members of CCRYN is as under:-

- | | | |
|----|--|----------------------------------|
| 1. | Dr. R. Nagarathna,
Chief Medical Officer, Arogyadham,
Prashanti Kutiram, Vivekanand Road,
Kalluballu Post, Jigani, Anekal,
Bengaluru- 560105 | - Chairperson |
| 2. | Dr. Nandi Krishnamurthy Manjunath,
BNYS, Ph.D.
Swami Vivekananda Yoga Anusandhana Samsthana
(S-VYASA) University
19, Eknath Bhavan, Gavipuram Circle,
KG Nagar, Bengaluru - 560 019 | - Member
(Yoga & Naturopathy) |
| 3. | Dr. Raghuraj Puthige
BNYS, Ph.D.
Hyderabad, Telangana, India | - Member
(Yoga & Naturopathy) |



- | | | |
|-----|--|---|
| 4. | Dr. Seikheyito John,
Naturopathy Physician and NAM Coordinator,
Nagaland | - Member
(Yoga & Naturopathy) |
| 5. | Dr. Akshay Anand,
PhD, 3012, Neuroscience Res Lab
Chuttani Block B, 3 rd Floor,
PGI, Chandigarh | - Member
(Basic Medical Science) |
| 6. | Dr. Ravi Gupta,
MD, PhD, MAMS Certified Sleep Physician
(World Sleep Federation) Additional Professor,
All India Institute of Medical
Sciences, Rishikesh- 249203 (Uttarakhand), India | - Member
(Modern Medicine Clinician) |
| 7. | Dr. T. N. Sathyaprabha,
Head Department of Neurophysiology
National Institute of Mental Health and Neuro Sciences
Hosur Road, PB No. 2900, Bangalore- 560029 | - Member
(Basic Medical Science) |
| 8. | Dr. Bhanu Duggal,
Prof. Department of Cardiology, AIIMS Rishikesh | - Member
(Clinician Women Member) |
| 9. | Smt. Meenu Abrol,
B-203, 2 nd floor, Fateh Nagar, Jail Road,
New Delhi-110018 | - Member
(Legal expert Women Member) |
| 10. | Sh. Rajneesh,
House No. 1481/12-A, Didar Nagar, Arey Wali Gali,
(OPP. UNI. 3 rd GATE), Kurukshetra, Haryana-136119 | - Member
(Social Scientist) |
| 11. | Smt. Yugprabha Rastogi,
A-703, Swami Dayanand Apartments, Plot No-5,
Sector-6, Dwarka, New Delhi - 110075 | - Member
(Lay Person from Community
Women Member) |

Member Secretary

- | | | |
|-----|--|--------------------|
| 12. | Dr. Raghavendra Rao M.,
Director, CCRYN | (Member Secretary) |
|-----|--|--------------------|

No meeting of the Institutional Ethics Committee (IEC) could be convened during the period under report.



STAFFING PATTERN

At present the Council is having 27 sanctioned posts. As on 31.03.2022, the group-wise sanctioned vis-à-vis actual strength is as under:

Group	Sanctioned Strength	Actual Strength
Group 'A'	10	5
Group 'B'	4	3
Group 'C'	13	8
Total	27	16

BUDGET PROVISIONS (2021-2022)

S. No.	Head	BE	RE	Opening	Total funds	Expenditure
1.	GIA Salary	3646.00	3420.00	0.03	3420.03	3420.01
2.	GIA Salary	324.00	324.00	2.18	326.18	326.18
3.	GIA Salary	2000.00	2000.00	0.10	2000.10	2000.10
4.	Yoga Fest Reimbursent Grant	-	-	-	25.25	25.25
Total		5970.00	5744.00	2.31	5771.56	5771.54



TECHNICAL REPORT

The research work carried out during the last 5 to 6 decades in the field of Yoga has provided more than enough evidence to convince the scientists of modern medicine to accept and realise the potential of Yoga as panacea for effective management of various psychosomatic disorder and life style related diseases. Preventive and curative healthcare benefits of Yoga were tested during Covid pandemic also. The Council conducted a research project to verify the efficacy of Yoga in early recovery of COVID-19 patients in collaboration with Rajiv Gandhi Super Speciality Hospital, Delhi. The details of the projects are as under:

- 1) A research project titled "Effect of an integrated Yoga program on stress, mood states, sleep quality, symptom severity, quality of life and clinical outcomes in Covid-19 positive patients undergoing conventional treatment" has been completed. The data is under analysis.
- 2) A research project titled "Effect of an integrated Yoga program on stress, mood states, sleep quality, symptom severity, quality of life and clinical outcomes in Covid-19 positive patients undergoing conventional treatment: a Multi-centric trial" has been initiated at three centers (RGSSH, Delhi, AIIMS, Jhajjar and LHMC, Delhi).

In-house research work at Council is essential to determine the true potential of these sciences which cannot be carried out at modern hospitals or at Yoga & Naturopathy hospitals alone. Collaborative research studies needs to be carried out in collaboration with renowned institution of modern medicine and Yoga /Naturopathy.

During the last 3 years the Council has taken up 05 projects through its OPDs and the efforts made in the last 10 years has resulted in establishment of 02 Central Research Institutes of Yoga and Naturopathy (CRIYN) with 200 bedded Hospital. These CRIYNs are expected to generate data in support of the potential of Yoga and Naturopathy as Health Care Systems and to cater the needs of indigenous time tested Health Care facilities to the citizens. The construction of both these institutions has been completed. The details of the status of various CRIs being planned are as under:

1. ESTABLISHMENT OF CENTRAL RESEARCH INSTITUTES OF YOGA AND NATUROPATHY (CRIYN).

A. HARYANA (RURAL AREA)

Central Research Institute of Yoga and Naturopathy (CRIYN), Devarkhana, Jhajjar, Haryana: The construction work on cost free land provided by Govt. of Haryana has been completed. The remaining minor finishing/beautification work is in progress and likely to complete very soon. The treatment facilities and treatment equipments are being installed and it may take some time to make hospital fully functional.



The OPD and Yoga Therapy/General Yoga classes are being run from 29th January, 2021 to create awareness about benefits Yoga and Naturopathy. Total 640 patients were given consultation and 2665 person came for Yoga therapy/ Yoga class during the year. The institute distributed AYUSH-64 (470) and Sanshmani Vati (654) to the needy to commemorate Azadi ka Amrit Mahotsav under India@75. Rashtriya Poshan Maah was also observed in month of September, 2021 in which about 560 persons were given free consultation about Health & Diet. Swachhta Diwas and Hindi Pakhwada were also observed in the month. The details of the various other activities given as under:

S. No.	Date	Event	Location	State	No. of
1.	03.04.21	Health Awareness Camp	Village Mundakheda,	Haryana	102
2.	21.06.21	7 th International Day of Yoga	CRIYN, Deverkhana, Jhajjar	Haryana	150
3.	22.12.21	Health Awareness Camp	Village Lagarpur, Jhajjar	Haryana	92
4.	25.02.22	Health Awareness Camp	Village Kheda Jhanjhraula, Jhajjar	Haryana	96
5.	15.03.22	98 th day of countdown programme to 8 th International day of Yoga	CRIYN, Deverkhana, Jhajjar	Haryana	150
6.	25.03.22	Health Awareness Camp	Village Lohat, Jhajjar	Haryana	90

The following activities were organised during the camp:-

- Free consultation by Yoga & Naturopathy Physicians.
- On spot guidance for improving life style and dietary habits.
- Lecture by experts on benefits of Yoga and Naturopathy for healthy and happy life.

B. KARNATAKA(RURAL AREA)

Central Research Institute of Yoga & Naturopathy (CRIYN)-Nagamangala, Karnataka

Central Research Institute of Yoga & Naturopathy (CRIYN) with 200 bedded Yoga & Naturopathy Hospital is established by Central Council for Research in Yoga & Naturopathy (CCRYN) at Nagamangala, Karnataka under the aegis of the Ministry of Ayush, Government of India.

The construction of the CRIYN is completed and expected to become completely functional soon. The Out Patient Department (OPD) services have been initiated from March, 2021. At present, the following activities are being conducted by the institute:



1. Free Consultation
2. General Yoga Classes and therapeutic Yoga Classes
3. Yoga & Naturopathy camps in and around Nagamangala Talluk.
4. Public Awareness Programmes on Yoga & Naturopathy
5. Regular Yoga classes at schools
6. Naturopathy dietary awareness programmes

2. CENTRAL RESEARCH INSTITUTES OF YOGA AND NATUROPATHY, ROHINI, DELHI

Central Research Institute of Yoga & Naturopathy (CRIYN) is being run by the Council in a leased building provided by MCD. It is having a 20 bedded Indoor hospital. Yoga and Naturopathy treatments are being provided both under IPD and OPD for the benefit of common people. The response of the patients is encouraging and gradually increasing. The patients visiting the hospital are from all walks of life and are following Yogic practices and Naturopathy advice along with the dietary prescriptions. The Center is also conducting regular Yoga therapy and General Yoga classes for the benefit of public on all working days. Awareness camps has also been organised from time to time for benefit of the society. In addition to this, the Centre has also organized IDY programme on 21st June and Naturopathy on 18th November every year.

The total number of Consultation was 1,311. Total 1,215 nos. patients had taken Yoga & Naturopathy Treatment during the year. Total 174 nos. patients attended Yoga classes. Number of patient days for Yoga was 2,290. Total number of patients taken Naturopathy Treatment was 1,041. Total number of patient days of Naturopathy Treatment was 4,178. Total number of IPD patient was Nil due to Covid-19. An amount of Rs. 12,98,120/- (Rs.11,16,520/- for Patients and Rs.1,81,600 for TATC Course) was collected during the year.

3. THE STATUS OF OTHER PROPOSED CRIYN TO BE ESTABLISHED

i. ANDHRA PRADESH

Central Research Institute of Yoga & Naturopathy (CRIYN), Vijayawada, Andhra Pradesh: The Government of Andhra Pradesh had sanctioned 25 acres cost free land for establishment of CRIYN including 100 bedded hospital of Yoga & Naturopathy at Vijaywada, Andhra Pradesh. The land has been transferred to CCRYN and lease deed has been signed on 5th July, 2018. The competent authority has approved the proposal to issue Expression of Interest (EOI) to procure Detailed Project Report (DPR). The Council is in process to issue Expression of Interest (EOI) to invite stake holders for preparation of DPR. The Council has taken the physical position of the land from the Department of AYUSH, Government of Andhra Pradesh.

ii. CHHATTISGARH

Central Research Institute of Yoga & Naturopathy (CRIYN), Raipur, Chhattisgarh: The Govt. of Chhattisgarh has offered 10 acres of cost free land for establishment of CRIYN at State Ayurveda Institute. In Principle approval of the competent authority for acceptance of the land has been communicated to the Govt. of



Chhattisgarh. The land has been transferred in the name of CCRYN on 16.03.2021. The Council is in process to issue Expression of Interest (EOI) to invite stake holders for preparation of DPR.

iii. JHARKHAND

Central Research Institute of Yoga & Naturopathy (CRIYN), Deoghar, Jharkhand: The Govt. of Jharkhand has offered 15 acres cost free land for establishment of CRIYN at Deoghar. Approval of the competent authority for acceptance of the land has been conveyed to the Govt. of Jharkhand. Formal transfer of land in the name of CCRYN is awaited.

iv. KERALA

Central Research Institute of Yoga & Naturopathy (CRIYN), Kasaragod, Kerala: Govt. of Kerala has offered 15 acres of cost free land at Kasaragod, Kerala. The land has been transferred to CCRYN and lease deed was been signed on 12th Nov., 2018. The foundation stone has been laid on 03.02.2019. The competent authority has approved the proposal to issue Expression of Interest (EOI) to procure Detailed Project Report (DPR). The Council is in process to issue Expression of Interest (EOI) to invite stake holders for preparation of DPR.

v. ODISHA

Central Research Institute of Yoga & Naturopathy (CRIYN), Bhubaneswar, Odisha: The Govt. of Kerala had offered 20 acre cost free land to the Council in Tehsil Jatni, Mauja Binjhagiri, District-Khorda, Odisha; however, the construction work could not be commenced due to resistance of the villagers. The concerned authorities have now reassured to provide all necessary support for construction of project. The Council is in process to issue Expression of Interest (EOI) to invite stake holders for preparation of DPR.

vi. RAJASTHAN

Central Research Institute of Yoga & Naturopathy (CRIYN), Jaipur, Rajasthan: The Government of Rajasthan had offered 13.5 acres premium free land for establishment of CRIYN including 100 bedded hospital of Yoga & Naturopathy. Approval of competent authority had been conveyed to the Govt. of Rajasthan. However, the Govt. of Rajasthan subsequently informed that the identified land could not be spared due to some policy issue. Govt. of Rajasthan has been requested to identify alternate land.

vii. WEST BENGAL

Central Research Institute of Yoga & Naturopathy (CRIYN), Kalyani, (West Bengal): The Government of West Bengal has allotted 10 acres land in district Nadiya, Kalyani, P. S. Gopalpur to the Council for setting up of a CRIYN including 100 bedded hospital of Yoga & Naturopathy. The Council is in process of transferring the land in the name of CCRYN.



4. COLLABORATIVE RESEARCH CENTRES (CRC)

The Council is running a scheme of establishing collaborative Research Centres (CRC) to undertake Collaborative Research with leading Medical as well as Yoga and Naturopathy Institutions. National Institute of Mental Health and Neurosciences (NIMHANS), Bangalore Samskriti Foundation, Mysore, Karnataka and Kaivalyadhama Yoga Institute of Research Centre, Lonavala conducting collaborative research.

a) The research projects undertaken with NIMHANS, Bangalore are as under:

Completed projects

1. Development and validation of Integrated Yoga module for patients suffering from Migraine.
2. Development and feasibility of integrated therapy module for patients suffering from Multiple sclerosis.
3. Knowledge, Attitude, Practice (KAP) and barriers for a referral to Yoga among the psychiatrists, neurologists, and neurosurgeons in India-A survey
4. Psycho-neuro-endocrinological markers of stress and the response to a Yoga-based intervention in First Degree Relatives of schizophrenia patients (FDRS).
5. Effect of Yoga on mirror neuron activity among patients with depression: A transcranial magnetic stimulation study" revised for originally proposed study with title " Role of Yoga in correcting GABA neurotransmitter deficit in moderate to severe depressive patients, a single blind and randomized controlled study.

b) **The Research projects undertaken with Samskriti Foundation, Mysore, Karnataka are as under:**

Completed projects

1. Web-enabled and CD-Based Multimedia-Self-teaching Program on Yoga Taravali of Shankaracharya- with topic-wise and other searches at various levels with topic-wise and other searches at various levels.
2. Critical edition of the 2nd 2 pada-s of Patanjali's Yoga Sutras-s- with necessary appendices etc.
3. Brining out Monograph on 'Yoga in Purana-s Vol II' - in English along with the original Sanskrit texts.
4. Web-enabled and CD-Based Multimedia-Self-teaching Program on Gheranda Samhita (One of the three most important texts of Hatha-Yoga) with topic-wise and other searches at various levels.
5. Critical edition of Hatha-Pradipika of Svatiarama - by marking variant readings etc from 10 different palm leaf and paper manuscripts with necessary appendices etc.
6. Brining out Monograph on 'An overview of the theories and Practical aspects of Yoga- in the Upa-Purana-s'- in English along with the original Sanskrit texts.



c) **Mobile App**

The following learning mobile applications were developed jointly with Samskriti Foundation:

- i) Patanjali Yoga Sutra Learning App
- ii) Hatha Yoga Pradipika Learning App

d) **Book/ Book chapters/Manuals/Monographs:**

- i) Yogabhyasa of Gorakshanata
- ii) Yoga in the Puranas-1

5. **EXTRA MURAL RESEARCH (EMR)**

The Extra Mural Research (EMR) scheme of Ministry of AYUSH is designed to encourage R&D in priority areas based on disease burden in alignment to National Health Programme. It also aims to utilize the vast research infrastructure available within the country for standardization and validation of classical drugs. This scheme is meant for focused outcome in tandem with the needs of AYUSH sector and also encourage young scholar of AYUSH system to use their wisdom and energy in the research of AYUSH system on modern scientific parameters. The Council is involved in technical evaluation of the proposals submitted under EMR Scheme of Ministry of and also to assess their progress report.

6. **INTRA MURAL RESEARCH (IMR)**

The Council is an apex body for research in the fields of Yoga and Naturopathy. It is also engaged in the promotion and propagation of Yoga and Naturopathy in the country.

The Council had established seven OPDs in the premises of Premier Medical College in Delhi & NCR region including Head Quarters and three Yoga & Naturopathy Wellness Centers in different parts of the Country and one OPD each at Central Research Institute of Yoga & Naturopathy (CRIYN) Delhi, Haryana and Karnataka. CRIYN Rohini, Delhi has 20 bedded Yoga & Naturopathy In-Patient Hospital. All the OPDs and CRIYN, Rohini have been requested to initiate a Research Studies.

The following research proposals have been initiated and are on-going at present:-



S.No	Title of the Research	Name of PI and OPD	Duration	Status
1.	To evaluate the effects of Yoga on cognitive function, activities of daily living, self reported depression and HRV in subjects with Vascular Dementia	Dr. Mina Chandra, DNB (Psychiatry), PhD (Neurology) Senior Chief Medical Officer, Department of Psychiatry, ABVIMS and Dr RML Hospital, New Delhi- 110001 and Dr. Raghavendra Rao M. Director, CCRYN, No 61-65, Jawahar Bhawan, Institutional Area, Janakpuri D Block, New Delhi- 110058	Three Years	Ongoing
2.	To evaluate the effects of Yoga on Pain and Quality of Life in patients with frequent and chronic tension headache	Dr. K. S. Anand Professor and Head, Department of Neurology, ABVIMS and Dr. RMLH and Dr. Garima Mishra Consultant Physician (Yoga and Naturopathy), Dr. RMLH through CCRYN	Two Years	Ongoing
3.	To study the effect of Yoga therapy in reducing the pain, improving walking time and quality of life in the management of Osteoarthritis of Knee – A two arm randomized prospective control study.	Dr. Sujatha George (Y&N) Physician, Yoga & Naturopathy OPD, Safdarjung Hospital, New Delhi and Dr. Loveneesh G. Krishna Director Professor, Orthopedics (CIO) Safdarjung Hospital, New Delhi	Three Years	Ongoing
4.	To evaluate relaxation response on Blood pressure and HRV following different relaxation techniques in hypertensive and normotensive subjects.	Dr. Raghavendra Rao M. Director, CCRYN, No 61-65, Jawahar Bhawan, Institutional Area, Janakpuri D Block, New Delhi- 110058	One Year	Ongoing
5.	Prevalence and perceptions of CAM in Indian patients visiting tertiary Multispecialty hospitals: a multi institutional cross sectional survey	Dr. Raghavendra Rao M. Director, CCRYN, No 61-65, Jawahar Bhawan, Institutional Area, Janakpuri D Block, New Delhi- 110058	One Year	Ongoing



a) The Research projects undertaken with AIIMS, Raipur (C.G.) are as under:

Ongoing projects

- i) To study the comparative effects of Yoga-based lifestyle changes on epicardial fat thickness, intima-media thickness, pulse wave velocity, VO2 max and anthropometric parameters among obese young adults.
- ii) Impact of Yoga on Quality of Life of End-Stage Renal Disease Patients on maintenance Hemodialysis - A Mixed- Methods Pilot Study.
- iii) Effect of Yoga Therapy in Management of Post-operative Myofascial Pain in Breast Cancer Patients.

b) The Research projects undertaken with AIIMS, Rishikesh (U.K.) are as under:

Ongoing projects

- i) Efficacy of Yoga therapy in addition to pharmacological intervention versus usual care in Frozen Shoulder in a Tertiary Healthcare Hospital in Rishikesh, Uttarakhand: A randomized controlled trial.
- ii) Efficacy of Yoga Nidra versus Educational care for Sleep quality among students in a Tertiary Healthcare Center at Rishikesh, Uttarakhand: A randomized control trial.
- iii) Effect of Yoga therapy on elderly patients with fear of fall: An open label Randomized controlled trial.
- iv) Role of Satvik naturopathic dietary approach in patients with Hypertension in a Tertiary Healthcare Centre in Rishikesh, Uttarakhand: A Pilot Randomized Controlled Trial.
- v) To Study the Effect of Holistic Meditation on Performance Scores in Patients Suffering from Malignant Bone Tumors: Exploratory Randomized Control Trial.

c) The Research projects undertaken with Post Graduate Institute of Medical Education & Research, Chandigarh are as under:

Ongoing projects

- i) The effect of Yoga intervention in subjects with tinnitus on Ayur-molecular and Audiological parameters, brain imaging, tinnitus handicap & stress.
- ii) Effect of Pranayama on Aerodynamic measures in post COVID-19 patients.
- iii) A randomized controlled trial to assess the impact of yoga on health-related quality of life in hematopoietic cell transplant recipients.



- iv) To study the role of Yoga in Psychological and behaviour issue in Adolescent.
- v) Comparison of yoga and usual care in CAD patients.
- vi) Effect of Comprehensive Yoga program on Pain and functional disability in elderly patient having Chronic Low back Pain: A randomized controlled trail.
- vii) A study on the outcomes of Yoga and physical therapy in Paediatric Population undergoing heart surgeries and its relation to the biochemical markers.
- viii) Effect of Mindfulness based Yoga protocol as an adjunct method to speech therapy in stuttering treatment.
- ix) Effect of Multimodal 24-week Yoga intervention in patient with Non- alcoholic Fatty liver Disease- A non-analysed trial.
- x) Evaluation of impact of Yoga or Physical exercise on the molecular regulation of genomic stability.
- xi) Effect of Yoga on pregnancy outcome and on umbilical cord blood derived stem cells.

d) The following Research projects undertaken by Kaivalyadhama, Lonavala

- i) Neti Kriya as a therapeutic intervention for chronic allergic rhinitis.
- ii) Immediate Effect of Simple Bhramari Pranayama on Blood Pressure and Pulse Rate of Hypertensive and Normotensive Individuals
- iii) Effect of Trataka Kriya on Stress, Anxiety and Mental Well Being in School Teachers.
- iv) Immediate and long-term Comparative effect of Sheetal as single practice, and Sheetal preceded by Anuloma Viloma Pranayama, without Kumbhaka on Blood Pressure, HRV and select psychological parameters, in case of normotensives.
- v) Effect of selected yoga practices on patients of migraine: a randomized controlled trial
- vi) Effect of Trataka Kriya on Stress, Anxiety and Mental Well Being in the parents of 9th standard students
- vii) Effect of classical Kapalhati Kriya on the total antioxidant status and pulmonary functions of healthy individuals: A self as Control Pilot Study.
- viii) Effect of Agnisar Kriya on insulin resistance and Insulin sensitivity in pre-diabetic population

7. PUBLICATIONS

The Kaivalyadhama has published the following Research articles:-

- i) Neti Kriya as a therapeutic intervention for chronic allergic rhinitis.
- ii) Immediate Effect of Simple Bhramari Pranayama on Blood Pressure and Pulse Rate of Hypertensive and Normotensive Individuals



8. TASK FORCE:

An "AYUSH interdisciplinary R&D Task Force on High Impact Research in Yoga" has been constituted under the Chairmanship of Dr. Gautam Sharma, Prof. Dept. of Cardiology, AIIMS, New Delhi to set guidelines for undertaking high impact multi-centric research studies to evaluate the effectiveness of Yoga intervention.

9. ESTABLISHMENT OF COLLABORATIVE RESEARCH CENTRE FOR MIND BODY INTERVENTIONS THROUGH YOGA

CCRYN being an apex organisation for formulation, co-ordination, development and promotion of research on scientific lines in Yoga & Naturopathy system of medicine, the Council is committed to promote research in the disease areas of National priority in particular NCDs and mainly to understand the basic mechanism of action of various Yoga & Naturopathy treatments at the various levels i.e. cellular level, physiological level etc to establish evidence based application. Such evidence based therapies are prescribed to the patients mainly to reduce the psychological disturbances, improve the quality of life, reduce the burden of the disease, reduce the toxicity and complications of the treatment, to improve the disease parameters etc.

CCRYN wishes to foster partnerships with AIIMS / Post Graduate Institutes and Institutes of National Importance to carry forward the agenda of integrating these mind body approaches into clinical practice through systematic research.

The Council has established Collaborative Centre for Mind Body Interventions through Yoga at the following Institutions by signing an Memorandum of Understanding (MoU):-

- a. All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Raipur, Chhattisgarh.
- b. All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Rishikesh, Uttarakhand.
- c. Post Graduate Institute of Medical Education & Research (PGIMER), Chandigarh.

10. RESEARCH PUBLICATION

The Council has published following Research Publications:-

1. Patil SG, Biradar MS, Khode V, Vadiraja H S, Patil NG, Raghavendra RM. Effectiveness of Yoga on arterial stiffness: A systematic review. *Complementary Therapies in Medicine*. 2020;52:102484.
2. Deepak KK, Rao MR. Yoga and Meditation as an adjunct interventional strategy for COVID-19 management. *Ann Natl Acad Med Sci (India)* 2021;00:1-3
3. Patil SG, Khode V, Chandrasekaran A, Desai RM, Vadiraja HS, Raghavendra RM, Aithal K, Ravindra C, Deepak KK, Prabhakaran Dorairaj. Yoga and Meditation for Endothelial Function: A Systematic Review and Meta-analysis - In Press



4. Raghavendra RM, Deepak KK, et al., An alternate view on Covid-19 infodemic in India: A prospective longitudinal survey on prevalent myths”

11. INTERNATIONAL DAY OF YOGA (IDY)-2021

The Ministry of Ayush has been observing International Day of Yoga since 2015 and has organized 7 IDYs continuously without break. The Council being part of Ayush, is playing an important role in observing International Day of Yoga by organising various activities during International Day of Yoga (IDY).

Even during Covid-19 pandemic, efforts were made to observe IDY and the same was observed by encouraging people to practice Yoga at their home, with participation from the entire family. MyLife-MyYoga (also called "Jeevan Yoga) Video Blogging Contest was implemented through Social and Digital media platforms like Youtube, Facebook, twitter, Instagram etc. Similarly, 07th IDY was observed online on virtual platforms.

A jingle contest was organized to mark the 7th IDY by inviting people to compose a jingle. MoA hosted a Jingle contest on MyGov (<https://www.mygov.in/>), inviting people to compose a jingle for IDY 2021 in English/Hindi/any UN recognized language/any constitutionally recognized Indian language, to drive awareness and adoption of Yoga by people of all ages, and encourage them to participate in observance of IDY 2021 with their family and friends.

The contest was open for public from 21.06.2021 and the last date of submitting entries was 30.06.2021. Total 9363 entries were received out of which, 5178 entries were short listed after initial scrutiny for evaluation by the screening committee which consisted of 51 members from CCRYN and MDNIY.

The criteria for allotting marks for selection of final winner were prepared by CCRYN and the same was provided to all the screening committee members. There were five main criteria's based on Content, Voice quality, Lyrics, Rhythm & Melody and Creativity and each criteria contained 6 options each having rating from 0, 2, 4, 6, 8 and 10. Each screening committee member was allotted around 100 entries for evaluation. The winner of IDY Jingle contest Ms. Renuka Gaur was given a certificate and cash prize of Rs. 25000/- during the National Naturopathy Day on 18.11.2021 in Delhi.

12. YOGA & NATUROPATHY OPDs

Health and fitness through Yoga and Naturopathy is one of the propagational activities undertaken by the Council by running OPD's in various Govt. Hospitals and at its HQ. These OPD's are open to the general public who are interested to improve their health status, to keep fit and to keep away from diseases as well. The details of the activities and work done during the year are as under:



A. Head Quarter

Yoga sessions are conducted at its Hq. since 1997, OPD Clinic of Yoga and Naturopathy is running at its Hq. since 1st May, 2001 and providing consultation & counseling from Monday to Friday between 8.00 a.m. to 4.00 p.m.. On Saturday, the timing of the consultation & counseling is from 9.00 a.m. to 11.00 a.m. In addition to this, Yoga and Naturopathy counseling also helped them in managing their health related problems. Yoga classes are also conducted regularly in which the participants are taught Asana, Pranayama, Meditative practices and simple cleansing procedures like Jalaneti, Sutraneti, and Dhauti etc.

A nominal fee @ Rs.750/- is charged from the participant. This OPD enrolled 1,053 patients during the year under report. The total number of patient days for the year 2021-22 is 12283.

Council is also conducting one month Yoga Health Education Programme from 11.00 am to 1.00 pm for the person who desires to gain more information about healthy living. The course starts on 1st of every month and Rs. 1000/- per month is charged as fee. Total amount of Rs.14, 89,175/- was earned from Yoga fee and registration charges during the year.

Other activities at OPD, CCRYN Hqrs. for the year 2021-2022

S. No.	Date	Name of the Event	Participants Attended	Venue
1.	05.02.2022	Webinar on World Cancer Day	40	OPD CCRYN Hqrs. Janakpuri, New Delhi
2.	28.02.2022	Webinar on National Science Day	61	
3.	08.03.2022	Webinar on International Women's Day	56	
4.	26.03.2022	Webinar on Epilepsy Awareness Day	52	

B. Safdarjung Hospital, New Delhi

The Council is running Yoga and Naturopathy OPD at Safdarjung Hospital with an objective of integrating Yoga & Naturopathy with Modern Medicine for providing integrated health care in the prevention, management and rehabilitation of various disorders especially the Non-Communicable disorders since 04.06.2002. It remains open from 8.00 a.m. to 3.30 p.m. on all working days (Saturday 08.00 a.m. to 01.00 p.m.). The response of the patients in the OPD is encouraging. The patients visiting the OPD are from all walks of life and are following Yogic practices and Naturopathy advice along with the dietary prescriptions. In this OPD, Yoga classes are also conducted regularly in which the participants are taught Asana, Pranayama, Meditative practices and simple cleansing procedures like Jalaneti etc.



The main activities of the Y&N OPD are:-

- Providing Yoga & Naturopathy Consultation and Yoga Therapy
- Conducting General Yoga and Yoga Therapy Classes
- Organizing Events and workshops to create Yoga & Naturopathy awareness to the public

Other Activities/ Program conducted by OPD:

S. No.	Month	Name of the organization conducted the program	Event name	Topic of lecture	Total number of participants
1.	October 2021	Safdarjung Hospital	One-day campaign	Clean India: Safe India drive	50
2.	January 2022	Safdarjung Hospital	Yoga Session	Covid positive patient and Covid prevention	26
3	February 2022	Safdarjung Hospital	Yoga Session	Covid positive patient and Covid prevention	56
4.	March	Safdarjung Hospital	Yoga Session	Celebrated World TB	75

This OPD enrolled 881 patients during the year under report. The total number of patients days during the year were 3031.

C. Dr. R. M. L. Hospital, New Delhi

The Council is running an OPD (Yoga & Naturopathy) at Dr. R. M. L Hospital since November, 2004. It remains open from 8.00 a.m. to 3.30 p.m. on all working days

(Saturday 08.00 a.m. to 01.00 p.m.). The activities of this OPD include counseling and treatment of the patients. Regular Yoga classes are conducted as a part of treatment. Dietary management, simple hydrotherapy and other Naturopathic measures are also prescribed to the patients as per their requirements. This OPD is providing services to the referred cases from the Department of Cardiology of Dr. RML Hospital, New Delhi. Regular fitness classes are also organized for the staff of the hospital and a good response and appreciation of the authorities of the hospital is received.

This OPD enrolled 710 patients during the year under report. The total number of patient days during the year were 4938.



D. Lady Hardinge Medical College & Associated Hospital, New Delhi

Yoga and Naturopathy OPD is functioning under the Deptt. of Physiology, Lady Harding Medical College and Associated Hospital, New Delhi since 31st January, 2007. It remains open from 8.00 a.m. to 3.30 p.m. on all working days (Saturday 08.00 a.m. to 01.00 p.m.).

A special Yoga therapy class for the indoor patients treated under Psychiatric wing is organized daily from 8.00 am to 9.00 am. Response of the patients towards this Yoga therapy is encouraging and showing good results. A separate Yoga and Naturopathy OPD under Orthopedic OPD is also organized on every Monday, Wednesday and Friday from 10.00 am to 12.30 pm of this hospital for the patients referred by them. In addition to these, a separate OPD is organized for the female patients and ante natal care on every Monday between 1.30 pm to 4.00 pm. A specific meditation class is also held on every Thursday for the patients attending Yoga classes.

This OPD enrolled 1,119 patients during the year under report. The total number of patient days during the year were 5232.

Other activities at OPD, LHMC for the year 2021-2022

S. No.	Date	Name of the Event	Participants Attended	Venue
1.	30.03.2022	Yoga & Naturopathy Awareness Camp	1700	Y&N OPD, LHMC

E. University College of Medical Sciences, Dilshad Garden, Delhi

The Council is running a Yoga and Naturopathy OPD in the Deptt. of Physiology, University College of Medical Sciences, Dilshad Garden, Delhi since 04.10.2007. It remains open from 8.00 a.m. to 3.30 p.m. on all working days (Saturday 08.00 a.m. to 01.00 p.m.).

The OPD was not functional till the month of October, 2021 due to Covid-19 pandemic as this hospital was exclusively reserved for Covid patients. The physician and Yoga therapist were deputed for Covid duty during this period. The OPD was functional from November, 2021 onwards and during this period 450 patients came for Yoga therapy sessions. This OPD enrolled 150 patients during this period.

F. Ch. Brahm Prakash Ayurveda Charak Sansthan, Khera Dabar, Delhi

The Council is running an OPD of Yoga & Naturopathy at Ch. Brahm Prakash Ayurveda Charak Sansthan, Khera Dabar, Najafgarh, Delhi since 2.8.2010. It remains open from 8.00 a.m. to 3.30 p.m. on all working days



(Saturday 08.00 a.m. to 01.00 p.m.). Patients are advised simple Naturopathy treatments which can be adopted at home. Regular Yoga therapy is given to the patients.

However, the OPD was not functional during the year under report due to Covid-19 pandemic.

G. Pt. B. D. Sharma Post Graduate Institute of Medical Sciences, Rohtak, Haryana

This OPD of Yoga & Naturopathy is functioning since 01.09.2009 in the Deptt. of Physiology, Pt. B. D. Sharma P.G. Institute of Medical Sciences, Rohtak, Haryana free of cost. It remains open from 8.00 a.m. to 3.30 p.m. on all working days (Saturday 08.00 a.m. to 01.00 p.m.). Patients are advised simple Naturopathy treatments which can be taken at home. Regular Yoga therapy is provided to the patients. The OPD was not functional during the year under report due to Covid-19 pandemic. The details of activities of the OPD, PGIMS, Rohtak is given below-

S. No	Activity	Beneficiary	Duration	No. of Participants
1.	Yoga training	Dept. of oral Surgery	One week	Approx 30 faculties per day
2.	Yoga training and Lecture	Students	One week	250 students per day
3.	Post Covid care through yoga	Post Covid patients	3 months	Approx 8-10 patients per day
4.	Naturopathy Day Celebration	General public and Yoga patients	1 day	Approx-60 -70 participants
5.	Yoga training for Paediatrics patients (age upto 14)	Children	Once in month (Every Tuesday)	1-2

13. YOGA & NATUROPATHY WELLNESS CENTRES

The Council is running Yoga and Naturopathy Wellness Centres in the Government Hospitals/ Organizations/Institutes at different parts of India. The demand for providing infrastructure to get training for practice of Yoga for promotion of health, prevention and management of disease is increasing day by day and it is difficult for the Council to cater to ever growing demand. Nevertheless, the Government Hospitals/ Organizations/Institutes may add Yoga as complementary therapy in its fold. This will ultimately help the patients attending the Hospital for different health problems.

Further, over a period of time, good number of research data on the efficacy of Yoga & Naturopathy in the management of several diseases can be generated, as there are specialists, who can provide the technical support for conducting standard research work in these disciplines. The Council has already established following Yoga and Naturopathy Wellness Centre in various parts of the country:-



A. Yoga & Naturopathy Wellness Centre, Regional Research Institute for Homeopathy, Khumulwng, Jirania, Agartala, Tripura

A MoU was signed between CCRYN and CCRH for running Yoga & Naturopathy Wellness Centre. The Wellness Center was inaugurated by Hon'ble Sh. Shripad Naik, MoS (I/C), AYUSH along with Regional Research Institute for Homeopathy (RRIH), Khumulwng, Jirania, Agartala, Tripura on 11.09.2017. The Wellness Centre remains open from 9.00 a.m. to 4.00 p.m.

The Wellness Centre is equipped with all necessary Naturopathy treatments such as Mud Therapy, Hydro Therapy, Massage Therapy and Diet Therapy etc. The activities of this Wellness Centre include Counseling, regular general Yoga classes, therapeutic Yoga classes and Naturopathy treatments to the patients. Yoga classes are also conducted regularly in which the participants are taught Asana, Pranayama, Meditative practices and simple cleansing procedures like Jalaneti, Sutra neti etc.

The Wellness Centre enrolled 460 patients during the year under report. The total number of patient days for the year 2021-22 is 2094. The other activities organised under the Wellness Centre are as under :-

S. No.	Organised by	Events/programme	Total no. of people
1.	Homeopathy staff at OPD, Yoga hall, RRI(H), khumulwng, Agartala	IDY, 21 st June, 2021	22
2.	Rabi charan thakur para, Tripura west-799045	Yoga & Naturopathy awareness camp on 29 th August, 2021	44
3.	OPD, Yoga & Naturopathy, RRI(H), Khumulwng, Agartala	18 th Nov. 2021-4 th National Naturopathy Day- Mud therapy	12

B. Yoga & Naturopathy Medical College & Hospital, Bhopal, Madhya Pradesh

A MoU was signed between Director, CCRYN and Principal & CEO, Govt. Homeopathic Medical College & Hospital, Bhopal with an objective of integrating Yoga & Naturopathy treatment along with Homeopathy system at Govt. Homeopathic Medical College (GHMC) Bhopal for providing integrated health care in the prevention, management and rehabilitation of various disorders especially the Non-Communicable disorders. The services of Wellness Centre commenced from 12.10.2017.



The Wellness Centre is equipped with all necessary Naturopathy treatments such as Mud Therapy, Hydro Therapy, Massage Therapy and Diet Therapy etc. The activities of this Wellness Centre include Counseling, regular general Yoga classes, therapeutic Yoga classes and Naturopathy treatments to the patients. The Wellness Centre enrolled 462 patients during the year under report. The total no. of patient attended Yoga session during the year is 4048. The total no. of patient taken treatment under Naturopathy during the report year is 2597.

The main activities of the Wellness Centre are:-

- (i) Providing Yoga & Naturopathy Consultation and Treatment.
- (ii) Conducting General Yoga and Yoga Therapy Classes.
- (iii) Organizing Events and workshops to create Yoga & Naturopathy awareness to the public.
- (iv) Number of talks delivered on DD national channel.
- (v) Organized Webinars and awareness camps.

C. Yoga & Naturopathy Wellness Centre, AIIMS, Bhubaneswar, Odisha

A MoU was signed between CCRYN and AIIMS Bhubaneswar. The services of Wellness Centre commenced from 20.11.2017. The Wellness Centre remains open from 8.00 a.m. to 3.30 p.m. on all working days (Saturday 08.00 a.m. to 01.00 p.m.).

The Wellness Centre is equipped with all necessary Naturopathy treatments such as Mud Therapy, Hydro Therapy, Massage Therapy and Diet Therapy etc. The activities of this Wellness Centre include Counseling, regular general Yoga classes, therapeutic Yoga classes and Naturopathy treatments to the patients. In this Wellness Centre Yoga classes are also conducted regularly in which the participants are taught Asana, Pranayama, meditative practices and simple cleansing procedures like Jalaneti, Sutraneti etc.

The Wellness Centre is providing services to the referred cases from all the departments of AIIMS, Bhubaneswar. The Wellness Centre enrolled 5689 patients during the year under report. The total number of patient days during the report year is 8643.



Other activities of Y&N Wellness Centre, AIIMS, Bhubaneswar, for the year 2021-2022

S. No.	Date	Name of the Event	Participants Attended	Venue
1.	21.06.201	7 th International Yoga Day	72	AIIMS, Bhubaneswar
2.	08.09.2021 to 15.09.2021	Health Awareness Camp	238	
3.	08.03.2022	Women's Day Celebration	33	

14. PROPAGATIONAL ACTIVITIES

The Council undertakes various activities relating to promotion, propagation and dissemination of scientific knowledge of Yoga & Naturopathy for the benefit of researchers and common public either directly or in collaboration with other organizations. Brief description of these activities is given below:

i) Participation in Arogyas/ Exhibitions/ Health Melas

The Council actively participates and showcases therapeutic potential and treatment modalities of Yoga & Naturopathy in the Arogya and other health fairs organised by the Ministry of AYUSH all over the country for creating awareness and propagation of these traditional time tested health care systems. The activities carried out in such events during the year under report were following:-

- Live Yoga demonstration.
- Exhibition of Yoga & Naturopathy modalities through posters and translites.
- Free distribution of IEC material.
- Sale of publications and CDs of the Council.
- Free Consultation.
- T. V. show of Yoga & Naturopathy modalities and treatments.



List of Arogyas and Exhibitions where the Council participated during the year under report is given below:

S.No.	Event	Date	Organisers	Place
1.	State Level Arogya Fair	25 th -27 th September, 2021	Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH)	India Expo Centre & Mart (IEML), Greater Noida, Uttar Pradesh
2.	National Health Exhibition	28 th to 31 th October, 2021	Central Calcutta Science & Culture Organization for Youth (CCSDCOY), Kolkata	Kolkata
3.	Ayurveda Day 2021 on Dhanwantri Jayanti (Dhanteras)	1 st -2 nd November, 2021	Vaidya Shri Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of AYUSH, Govt. of India	National Institute of Ayurveda, Jaipur, Rajasthan
4.	Ayurveda Parv	12 th - 14 th November,	All India Ayurvedic Congress (AIAC)	Chandigarh
5.	“40 th India International Trade	14 th - 27 th Nov. 2021	IITF	Pragati Maidan, New Delhi
6.	Ayurveda Parv	26 th - 28 th Nov, 2021	All India Ayurvedic Congress (AIAC)	Constitutional Club, Rafi Marg, Delhi
7.	“PITEX”	2 nd - 6 th December, 2021	PHD Chamber of Commerce & Industry, Chandigarh	Amritsar, Punjab
8.	Ayurveda Parv	3 rd - 5 th Dec, 2021	All India Ayurvedic Congress (AIAC)	Rajkiya Ayurved Mahavidhyalay, Jhalukwadi, Guwahati, Assam
9.	National Level Arogya Fair	8 th - 12 th December, 2021	Tarunya Shikshana Seva Trust (TSST), Jignasa	Bangaluru, Karnataka
10.	India International Science Festival	10 th - 13 th December, 2021	VIBHA, Delhi	Panaji, Goa
11.	Ayurveda Parv (IISF)-2021	11 th to 13 th Dec, 2021	All India Ayurvedic Congress (AIAC)	Govt. of Bihar International Convention Centre, Rajgir, Nalanda (Rajgir), Bihar
12.	State Level Arogya Fair (IISF)-2021	24 th -26 th March, 2022	Indian Chamber of Commerce (ICC), Kolkata	Silver Oak Lawn Habitat World at India Habitat Centre (IHC), Lodhi Road, New Delhi



S.No.	Event	Date	Organisers	Place
13.	“AYUSH Pavilion-Shinning”	25 th -27 th March, 2022	Sansa Foundation	Phaltan, Maharashtra

ii) Workshops/Seminars/Conferences/Webinars

The Council has been organising Workshops/Seminars/Conferences to spread awareness about disease preventive and curative potential of Yoga and Naturopathy systems in all parts of the country across India among the local. A common platform is provided to the practitioners of these systems as well as to the practitioners of other systems. However, due the restrictions imposed by the Govt. of India, no Workshops/Seminars/Conferences was organised in physical form but the Council organised the following webinars virtually as per the COVID-19 guidelines issued by the Govt. of India :-

a. Yoga for Women Health

The Council hosted a webinar on "**Yoga for Women Health**" with an aim to deliberate the various aspects health. Experts included Physiologist, Obstetrician & Gynaecologist, Psychiatrist and Yoga expert. Webinar was held on 7th April 2021 between 10.00 am to 1.00 pm.

Dr. Raghavendra Rao, Director, CCRYN gave a brief overview of the program and welcomed all the guests, speakers, and attendees to the event. The chief guest, **Sh. Ranjit Kumar**, Joint Secretary, Ministry of AYUSH made the opening remarks by stating that women are the prime movers behind every economic activity and Yoga for women is very essential for better health and better life of women. In the technical session, **Dr. Sunita Mondal**, Director, Professor & Head, Dept of Physiology, Lady Hardinge Medical College, New Delhi, spoke on the Stress management and its importance for Women health from the contributing factors of stress in the life of women to the physiology of stress and its beneficial and harmful effects of stress and how this needs to be moderated to get the desired results. **Dr. Rajvi Mehta**, Iyenger Yogashraya, Mumbai spoke about the effects of Yoga for menstrual pain. **Dr. Latha Venkataraman**, a renowned Obstetrician and Gynecologist and a lead consultant at Rangadore memorial hospital, Bengaluru had given a wider view on the physiological perspective of menopause and the contribution of stress in complications during menopause. **Dr. Mina Chandra**, Associate professor of psychiatry, Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi elaborated about signs and symptoms and stages of depression and stigma associated with prenatal depression.

b. Webinars organised during International Day of Yoga (IDY) - 2021

A series of 5 webinars was conducted by the Council from 14th to 18th June 2021 to mark the run up to the International Day of Yoga (IDY) - 2021, CCRYN. Dr. Raghavendra Rao M., Director of CCRYN welcomed Chief Guest Dr. H. R. Nagendra, Chancellor, SVYASA, the Guest of Honour Sh. Vikram Singh, Director, Ministry of Ayush and eminent panellists of the session in the inaugural session. Dr. Raghavendra Rao shared how Yoga can help multi-dimensionally to take care of COVID-19 patients by the modulation of immunity, improving the lung capacity, reducing stress, depression and anxiety. Dr. H. R. Nagendra highlighted the current scenario of the pandemic and the significant role of Yoga in managing the physical and mental health issues with emphasis on the



need for research in Yoga. The Guest of Honour, Sh. Vikram Singh, Director, Ministry of Ayush encouraged everyone to participate in Common Yoga Protocol.

- **First webinar** was conducted on 14th June, 2021 on "**Yoga for COVID**". *Dr. K. K. Deepak*, Dept of Physiology, All India Institute of Medical Sciences, *Dr. Vishal Rao*, Head and Neck surgeon, HCG enterprises, and *Dr. N. Manavalan*, Principal, Govt Yoga & Naturopathy medical college, Tamil Nadu were the panellists and the session was moderated by *Dr. Manjunath N. K.*, Director, SVYASA.
- **Second webinar** was conducted on 15th June, 2021 on "**Yoga in Respiratory Health and Immunity**." *Dr. Kavitha Gulati*, Deptt. of Pharmacology, Vallabhai Chest Institute, *Dr. Nagarathna*, Medical Director, SVYASA and *Dr. K. K. Deepak*, Deptt. of Physiology, AIIMS were the panellists and the session was moderated by *Dr. Apar Saoji*, Associate Professor, SVYASA.
- **Third webinar** was conducted on 16th June, 2021 on the topic "**Yoga for Heart Health**". *Dr. S. C. Manchanda*, Sr. Consultant, Deptt. of Cardiology, Sir Gangaram Hospital, *Dr. Prabhakaran Dorairaj*, Centre for Chronic Disease Control, Department of Clinical trials, *Dr. P. P. Mohanan*, President, Cardiological society of India. *Dr. S. T. Venkateswaran*, Professor, Head Deptt. of Yoga, Govt Yoga and Naturopathy Medical College and *Dr. Naveen*, Director, Yogakshema Stress and Lifestyle Clinic were the panellists and the session was moderated by *Dr. A. M. Chandrasekharan*, Centre for Chronic Disease Control.
- **Fourth webinar** was conducted on 17th June, 2021 on "**Yoga for Cancer**". *Dr. K. S. Gopinath*, Surgical Oncologist, Health Care Global Enterprises, Bengaluru, *Dr. Ramesh Bilimappa* Consultant Radiation Oncologist & Medical Director Health Care Global Enterprises, *Dr. Naveen Salins*, Professor and Head, Department of Palliative Medicine and Supportive Care, Kasturba Medical College, Manipal, *Dr. Brindha Sitaram*, Psycho-Oncologist, Health Care Global Enterprises Ltd were the panellists and the session was moderated by *Dr. Sapna Baiyya*, Yoga consultant, HCG hospitals.
- **Fifth webinar** was conducted on 18th June, 2021 on "**Yoga for Mental Health**". *Dr. B. N. Gangadhar*, *Dr. Shivarama Varambally*, *Dr. Aarti Jagannathan*, *Dr. Hemanth Bhargava* of National Institute of Mental Health & Neuro Sciences (NIMHANS), Bengaluru were the panelists and the session was moderated by *Dr. Inbaraj*, Ph.D scholar, NIMHANS, Bengaluru.

(iii) Yoga and Naturopathy Training Programmes

a. Yoga Health Education Programme

Council is running a one month short duration Yoga Health Education Programme for the public with a objective to create greater awareness about health benefits of Yoga at CCRYN HQ, Janakpuri, New Delhi. The programme starts on 1st of every month and a fee of Rs. 1000/- per participant is charged for the course.

b. Treatment Assistant Training Course (TATC)

Council is running a full time, practical and career oriented Treatment Assistant Training Course (TATC) in Naturopathy of one year duration at Naturopathy Hospital, Rohini, Delhi. The aim of the proposed programme is to create trained/skilled manpower in the field of Naturopathy to work in Naturopathy Hospitals, Wellness Centers and other AYUSH Hospitals as Naturopathy Treatment Assistant. Total number of seats available for admission is 20 (10 male and 10 female).



15. PUBLICATIONS OF THE COUNCIL

The Council has brought out a number of free as well as priced publications for the benefit of common man. These educative and informative brochures on Yoga & Naturopathy system are very popular among the public. The disease specific booklets of the Council viz. Motapa, Uchcha Raktachap, Obesity, High Blood Pressure and other booklets like Sprouts, Anmol Bol etc. both in Hindi and English are in great demand during Arogya and other Swasthya Melas.

The Council has more Hindi publications in comparison to English. The priced publications of the Council are also very popular. Some of the popular books of the Council are: Yogic and Naturopathic Treatment for Common Ailments, Health Education for Students, Vyavharik Prakritik Chikitsa and Important Therapeutic Modalities used in Naturopathy.

Hindi and English versions of the Yoga & Naturopathy CDs of the Council are also in great demand.

Following is the list of CCRYN's Publications

a) FREE PUBLICATIONS

- | | |
|--|------------------|
| 1. Yoga & Naturopathy | (Hindi/ English) |
| 2. Yoga-An Introduction | (Hindi/English) |
| 3. Naturopathy-An Introduction | (Hindi/English) |
| 4. CCRYN Profile | (Hindi/English) |
| 5. Suryanamaskar Chart | (Hindi/English) |
| 6. Yogasana Chart | (Hindi/English) |
| 7. Mitti Chiktisa | (Hindi) |
| 8. Swastha Jeevan ke liye Avashyak Batein | (Hindi) |
| 9. Ankurit Aahar | (Hindi/English) |
| 10. Uchcha Raktachap | (Hindi/English) |
| 11. Motapa | (Hindi/English) |
| 12. Dama | (Hindi/English) |
| 13. Sandhivaat | (Hindi/English) |
| 14. Swastha Jeevan ki Kala | (Hindi/English) |
| 15. Concept of Yoga & Naturopathy | (English) |
| 16. Madhumeh-Upchar | (Hindi/English) |
| 17. Anmol Bol | (Hindi) |
| 18. Matri evam Shishu Swasthya | (Hindi/English) |
| 19. Yoga Protocol for Major Mental Disorders and Stable Cardiovascular Disorders | (Hindi/English) |



b) LIST OF PRICED PUBLICATIONS

S. No.	Title of the Publication	Language	Price
1.	Sadharan Rogon Ki Yogic Evam Prakritik Chikitsa	Hindi	30/-
2.	Aadi Urja Pran	Hindi	100/-
3.	Vyavaharik Prakritik Chikitsa	Hindi	120/-
4.	Vidyarthiyon Ke Liye Swasthya Shiksha	Hindi	5/-
5.	Vaidic Vangmaya Mei Prakritic Chikitsa (Vol. I)	Hindi	175/-
6.	Vaidic Vangmaya Mei Prakritic Chikitsa (Vol. II)	Hindi	175/-
7.	Prakritic Chikitsa ki Avashyak Upchar Vidhiyan	Hindi	30/-
8.	Patanjal Yog Sutra Bhashya Vivaranam	Hindi	150/-
9.	Manushya Me Pran Ke Ayam	Hindi	180/-
10.	Nadi Tantra Evam Pran	Hindi	200/-
11.	Prakritic Chikitsa Darshan Evam Vyavahar	Hindi	160/-
12.	Samagra Swasthya Ke Liye Yog Evam Prakritic Chikitsa	Hindi	**40/-
13.	Yoga Therapy and Naturopathy (CD)	Hindi/English	50/-
14.	Research Activities of Council (CD)	Hindi/English	50/-
15.	Yogic and Naturopathic Treatment for Common Ailments	Hindi	30/-
16.	Health Education for Students	Hindi	5/-
17.	Important Therapeutic Modalities used in Naturopathy	Hindi	30/-
18.	Yoga & Naturopathy for Holistic Health	Hindi	**40/-

The Council provides 10% discount on purchase of each book up to 9 copies and 25% on purchase of 10 or more copies of a particular book except on CDs.** (SPECIAL DISCOUNT RATE Rs.20/-).



16. OTHER ACTIVITIES

1. 4th Naturopathy Day on 18th November, 2021

4th Naturopathy Day-2021 was celebrated on 18th November, 2021 at CRIYN, Rohini, Delhi by adhering guidelines of COVID-19 pandemic as issued by Govt. of India. The theme of Naturopathy Day was 'Poshan Aahar & Rog Mukht Bharat'. Naturopathy Diet competition was held on the occasion, 18 recipes of Naturopathy Diet was prepared by TATC students. Dr. Raghavendra Rao M., Director, CCRYN was the chief guest. He facilitated the winner of 1st Jingle contest organised during 8th IDY-2021 by awarding citation and cash prize of Rs.25,000/- during the occasion.

2. Official Language Implementation Committee

The Official Language Implementation Committee of the Council functions under the Chairmanship of the Director, CCRYN. The Committee reviews the progress of implementation of Official Language policy and programmes and suggests measures for improving the use of Hindi in the Council. Four meetings of the Committee were held on 25th June, 2021, 23rd September, 2021, 17th December, 2021 and 23rd March, 2022 during the period under report.

3. Celebration of Rajbhasha Fortnight

The Rajbhasha Fortnight was celebrated from 1st to 15th Sept., 2021 at the Headquarters of the Council. Dr. Raghavendra Rao M., Director read out the conciliatory message sent by the Hon'ble Home Minister, Sh. Amit Shah highlighting the efforts of the Home Ministry in the promotion of the Official language Hindi and the message sent by Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary AYUSH to promote use of Official Language Hindi and also requested to adhere to Standard Operating Procedures and guidelines issued by Govt. of India. Addressing the staff members of the Council on this occasion, Dr. Raghavendra Rao M. requested employees to use Hindi in day to day work and also motivated the employees of the Council to cultivate a habit of using more of the Hindi language. Dr. Raghavendra Rao M. requested all the staff members to strictly follow Standard Operating Procedures and guidelines issued by Govt. of India for prevention of COVID-19 pandemic.

Dr. Raghavendra Rao M. also encouraged all the staff members to participate in various competitions being organised during the Hindi Fortnight.

Various activities /competitions like Hindi essays writings, translations, Hindi /typing etc. were planned and executed by the Council during the Hindi Fortnight. All the officials and employees of the Council participated in the various even with great enthusiasm.

4. Hindi workshop and promotional Activities

In order to increase the use of Official Language in the office and make it easy for the staff to work in Hindi, Workshops on OL Hindi are organized time to time by the Council. During the year, following Hindi Workshops and promotional activities were organized:-



a) Hindi Workshop on 'Introduction of Hindi in Details'.

A full day workshop on 'Introduction of Hindi in details' was organised on August, 18th August, 2021 in the Central Council for Research in Yoga & Naturopathy Headquarter. At inaugural session Dr. Raghavendra Rao M., Director of the Council, said that all the officers and staff should adopt Hindi by heart for nation building. He said that if we continue to use Hindi more and more by adopting new technology, then all kinds of official work will be simplified. On this occasion, Sh. Sumer Singh, Manager (OL), NHA I gave the training to all officers and employees of the Council in two different sessions. Sh. Satish Kumar, JHT carried out the full business of the workshop and explained the importance of use of Hindi to the participants during the workshop.

b) Hindi Workshop on 'Official Language Policy and Terminology'.

A full day workshop on 'Official Language Policy and Terminology' was organised on 28th December, 2021 in the Central Council for Research in Yoga & Naturopathy Headquarter. At inaugural session Dr. Raghavendra Rao M., Director of the Council, said that all the officers and staff should adopt Hindi by heart for nation building. He said that if we continue to use Hindi as much as possible by adopting very simple language and terminology, then all kinds of official work will be simplified. On this occasion, Sh. Sumer Singh, Manager (OL), NHA I gave the training to all officers and employees of the Council in two different sessions. Sh. Satish Kumar, JHT carried out the full business of the workshop and explained the importance of use of Hindi to the participants during the workshop. Sh. Surender Sandhu, AD (Y) also requested the participants to use simple and easy words for official work in Hindi so as to inspire others and promote Hindi.

5. Vigilance Awareness Week

Vigilance Awareness Week was observed from 26.10.2020 to 01.11.2020 in the Council to encourage all stakeholders to collectively participate in the prevention of, and the fight against corruption and to raise public awareness regarding the existence, causes and gravity of and the threat posed by corruption. The theme of Vigilance Awareness Week was "**Independent India @ 75: Self Reliance with Integrity**".

An integrity pledge was administered by the Director to all the officers and staff.

6. Celebrations of International Women Day

International Women day was celebrated in the Council on 8th March, 2022. Several competitions, like debates, essay writing, elocution etc. were held in CCRYN.



7. Right To Information Act (RTI)

During the year under report, the Council received 251 applications including 14 appeals directly or transferred from Ministry of AYUSH and other Departments which were all replied timely. One decision was received from Chief Information Commissioner.

8. Constitution Day Celebrated

Constitution Day in India is celebrated every year on 26th of November as the constitution of India was adopted by the Constituent Assembly on 26th of November in the year 1949 and came into force on 26th of January in 1950.

Dr. Ambedkar is the Father of Constitution of India. The Council celebrated 'Constitution Day on 27th November, 2021' by reading of Preamble of the Constitution in the Council's office to promote the Constitutional Values among the employees.

9. Observation of Sadbhavna Diwas

The Council observed Sadbhavana Divas on 20th August, 2021 by taking oath of spreading love and harmony in the society.



17. Future Plans of the Council

Establishment of Collaborative Research Centre for Mind Body Medicine

CCRYN being an apex organization for formulation, co-ordination, development and promotion of research on scientific lines in Yoga & Naturopathy system of medicine, the Council is committed to promote research in the disease areas of National priority in particular NCDs and mainly to understand the basic mechanism of action of various Yoga & Naturopathy treatments at the various levels i.e. cellular level, physiological level etc to establish evidence based application. Such evidence based therapies are prescribed to the patients mainly to reduce the psychological disturbances, improve the quality of life, reduce the burden of the disease, reduce the toxicity and complications of the treatment, to improve the disease parameters etc.

CCRYN wishes to foster partnerships with AIIMS / Post graduate Institutes and Institutes of National Importance to carry forward the agenda of integrating these mind body approaches into clinical practice through systematic research.

The Council had established Collaborative Centre for Mind Body Interventions through Yoga at the following Institutions by signing an Memorandum of Understanding (MoU) :-

1. All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Raipur, Chhattisgarh.
2. All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Rishikesh, Uttarakhand.
3. Post Graduate Institute of Medical Education & Research (PGIMER), Chandigarh.